MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । सोमवार, 09 मार्च, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-66

शाबाश, टीम इंडिया!

तीसरी बार टी-20 वर्ल्ड कप जीता

अहमदाबाद, 08 मार्च (एजेंसियां)। अहमदाबाद के जिस नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में भारत का विश्व विजेता बनने का सपना 3 साल पहले टूटा था, उसी मैदान पर सूर्या सेना ने इतिहास रच दिया है। रोहित शर्मा की कप्तानी वाली टीम को 2023 में वनडे विश्व कप के खिताबी मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने हराकर करोड़ों भारतीयों का दिल चकनाचूर कर दिया था। अब इसी मैदान पर टीम इंडिया ने न्यूजीलैंड को हराकर टी20 विश्व कप में लगातार दूसरी बार और ओवरऑल तीसरी बार विश्व विजेता बनने का गौरव हासिल कर लिया। भारत पहला देश बन गया है, जिसने न केवल अपने खिताब की रक्षा की, बल्कि अपने घरेलू मैदान पर टी20 विश्व कप का खिताब जीता।

इससे पहले भारत ने एमएस धोनी की कप्तानी में 2007, रोहित शर्मा की कप्तानी में 2024 और अब सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में 2026 में विश्व कप का खिताब अपने नाम किया। एक लाख की कैपेसिटी वाले भरे स्टेडियम में भारत ने पहले बैटिंग करते हुए 255 रन बनाए, जो विश्व कप फाइनल का सबसे बड़ा स्कोर है। इसके बाद भारतीय फैंस को चुप कराने का सपना देख रही न्यूजीलैंड टीम को 19 ओवरों में 159 रनों पर आसानी से रोक दिया। इस तरह से उसने 96 रनों से जीत दर्ज की। जसप्रीत बुमराह ने 4 ओवरा में 14 रन देकर 4 विकेट झटके, जबकि अक्षर पटेल के नाम 3 विकेट रहे। भारतीय टीम ने जैसे ही अहमदाबाद में जीत दर्ज की पूरा स्टेडियम रोशनी और पटाखों से जगमगाने लगा।

संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा और ईशान किशन की तूफानी पारियों के दम पर भारत ने न्यूजीलैंड को टी20 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल मैच में जीत के लिए 256 रन का विशाल टारगेट दिया। इस खिताबी मुकाबले में न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सेंटनर ने टॉस जीतकर भारत को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। टीम इंडिया इस मैच में बगैर किसी बदलाव के उतरी, जबकि कीवी टीम में कोल मैककोन्ची के स्थान पर जैकब डफी को शामिल किया गया। टीम इंडिया ने निर्धारित ओवरों में 5 विकेट खोकर 255 रन बनाए। भारत को संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा की सलामी जोड़ी ने ▶10पर

संसद में महायुद्ध

वेस्ट एशिया संकट पर बयान आज

नई दिल्ली, 08 मार्च (एजेंसियां)। ईरान और अमेरिका-इजरायल के बीच बढ़ते टकराव की गूंज अब संसद में भी सुनाई दे सकती है। माना जा रहा है कि मौजूदा पार्लियामेंट सेशन के दौरान वेस्ट एशिया का संकट एक प्रमुख मुद्दा बन सकता है। सूत्रों के मुताबिक, केंद्र सरकार इस संवेदनशील मामले पर बेहद सावधानी बरत रही है। सरकार ने अपने पार्टी नेताओं और मंत्रियों को सलाह दी है कि वे इस मुद्दे पर बयान देते समय संयम बरतें। विदेश मंत्री एस. जयशंकर संसद में इस संकट पर भारत का आधिकारिक रुख रखने की तैयारी कर रहे हैं। वो राज्यसभा में सुबह 11 बजे और लोकसभा में दोपहर 12 बजे अपना बयान देंगे। इससे पहले उन्होंने कई मौकों पर कहा है कि सभी देशों को एक-दूसरे की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि मौजूदा हालात में बातचीत के जरिए समाधान निकालना जरूरी है। भारत ने मानवीय चिंताओं को भी सामने रखा है। इसी के तहत मानवीय आधार पर ईरान के वॉरशिप आईआरआईएस लवन को कोच्चि पोर्ट पर डॉक करने की अनुमति दी गई है। ▶10पर

सऊदी पर ईरानी हमला

भारतीय समेत 2 मरे

तेल अवीव/तेहरान, 08 मार्च (एजेंसियां)। सऊदी अरब के अल-खार्ज इलाके में रिहायशी परिसर पर मिसाइल गिरने से एक भारतीय और एक बांग्लादेशी नागरिक की मौत हो गई। अलजजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक हमले में 12 अन्य बांग्लादेशी घायल हुए हैं।

सऊदी सिविल डिफेंस एजेंसी के मुताबिक आवासीय परिसर पर मिसाइल गिरने से इससे इमारत को नुकसान पहुंचा और आसपास अफरा-तफरी मच गई।

इससे पहले ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड ने कहा था कि उसने अल-खार्ज समेत कई स्थानों पर रडार सिस्टम को निशाना बनाया है। मिसाइल गिरने की घटना इसी इलाके में सामने आई है।

मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव को देखते हुए भारत सरकार पहले ही सऊदी अरब में रह रहे भारतीय नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी कर चुकी है और उन्हें सतर्क रहने की सलाह दी गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि ईरान का अगला सुप्रीम लीडर उनकी मंजूरी के बिना ज्यादा समय तक नहीं टिकेगा। ट्रम्प ने यह बात एनबीसी न्यूज को दिए इंटरव्यू में कही। उनका यह बयान ऐसे समय आया है जब ईरान में नए सुप्रीम लीडर के चयन की प्रक्रिया लगभग पूरी हो चुकी है।

ईरान में सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की एयर स्ट्राइक में मौत के बाद उनके उत्तराधिकारी को चुनने की प्रक्रिया शुरू हुई थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक ईरान की असेंबली ऑफ एक्सपर्ट्स नए सुप्रीम लीडर के नाम पर मतदान कर चुकी है और जल्द ही आधिकारिक ऐलान किया जा सकता है।

इस बीच इजराइली सेना ने चेतावनी दी है कि वह खामेनेई के हर संभावित उत्तराधिकारी और उसे नियुक्त करने की कोशिश करने वाले लोगों को भी निशाना बनाएगी। ट्रम्प के बयान पर ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि नए सुप्रीम लीडर का चयन पूरी तरह ईरान का आंतरिक मामला है और इसमें बाहरी दखल स्वीकार नहीं किया जाएगा।

इजराइली सेना ने कहा है कि उसने ईरान में बड़े पैमाने पर हमले शुरू कर दिए हैं। सेना के मुताबिक राजधानी तेहरान समेत देश के कई हिस्सों में ईरानी शासन से जुड़े ठिकानों को निशाना बनाया जा रहा है। सेना ने बयान में कहा कि तेहरान में ईरानी शासन से जुड़े कई लक्ष्यों पर वाइड-स्केल स्ट्राइक की जा रही है। ▶10पर

कर्ज में डूबे बाप ने 3 बच्चियों को डुबोया

कामारेड्डी, 08 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो): कामारेड्डी शहर में एक रोंगटे खड़े कर देने वाली घटना सामने आई है, जहाँ एक ऑटो-रिक्शा चालक ने कथित तौर पर बढ़ते आर्थिक कर्ज और तंगी के कारण अपनी तीन नाबालिग बेटियों को झील में फेंक कर उनकी हत्या कर दी। आरोपी ने शुरुआत में पुलिस को गुमराह करने के लिए बेटियों की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी, लेकिन कड़ी पूछताछ के बाद उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया।

मृतक बच्चों की पहचान शिफत (8), आयत (7) और मरियम (5) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, शनिवार रात को आयत और मरियम के शव पेद्दाचेरुवू झील से बरामद कर लिए गए थे, जबकि शिफत का शव रविवार सुबह गहन तलाशी अभियान के ▶10पर

13 को मूसी उद्धार

खाका पेश करेंगे रेवंत

हैदराबाद, 08 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो): मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने रविवार को घोषणा की कि वे 13 मार्च को मूसी पुनरुद्धार परियोजना के तहत विस्थापन, पुनर्वास और मुआवजे से जुड़ी चिंताओं को दूर करने के लिए एक विस्तृत पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन पेश करेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार प्रभावित परिवारों के हितों की रक्षा करते हुए हैदराबाद को एक वैश्विक शहर में बदलने के लिए प्रतिबद्ध है।

शहर में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह में भाग लेते हुए मुख्यमंत्री ने मूसी परियोजना का पुरजोर बचाव किया। उन्होंने विपक्षी दलों पर इस मुद्दे का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया और दोहराया कि सभी पात्र विस्थापित परिवारों को उचित मुआवजा और पुनर्वास सहायता प्रदान की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 13 मार्च का प्रेजेंटेशन व्यापक रूप से मूसी रिवरफ्रंट को एक प्रमुख आर्थिक केंद्र और वैश्विक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के सरकार के दृष्टिकोण को स्पष्ट करेगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि सरकार विस्थापितों को उचित राहत देने के लिए तैयार है और निवासियों को प्रस्तावित 50-मीटर बफर जोन के भीतर स्थित संरचनाओं के संबंध में चिंताओं को सुलझाने हेतु चर्चा के लिए आमंत्रित किया है।

50-मीटर बफर जोन और जीरो वैल्यू निर्माण पर स्पष्टीकरण

नदी के किनारों पर अतिक्रमण का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 50-मीटर बफर जोन लागू करने के निर्णय के बाद ऐसे क्षेत्रों में निर्माण प्रतिबंधित कर दिया गया था। उन्होंने स्पष्ट किया कि नियमों के तहत बफर जोन के भीतर आने वाली इमारतों का मूल्य शून्य माना जाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी नेता निवासियों को पुनर्वास पर सरकार के साथ बातचीत करने से रोक रहे हैं। ▶10पर

व्हाट्सअप से हटेगा कचरा

तुरंत शिकायत कर सकेंगे हम लोग

हैदराबाद, 08 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो):

शहर में कचरे के ढेर, लबालब भरे कूड़ेदान या बंद नालों की रिपोर्ट करने के लिए अब नगर निगम कार्यालय जाने की आवश्यकता नहीं होगी। ग्रेटर हैदराबाद के नागरिक अब नागरिक निकायों द्वारा जारी किए गए समर्पित व्हाट्सएप नंबरों के माध्यम से स्वच्छता संबंधी शिकायतें तुरंत दर्ज कर सकते हैं। यह पहल त्वरित कार्रवाई और परेशानी मुक्त शिकायत निवारण सुनिश्चित करने के लिए शुरू की गई है।

नागरिक भागीदारी को मजबूत करने और शहरी स्वच्छता में सुधार के उद्देश्य से, ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) और हैदराबाद महानगरीय क्षेत्र के अन्य नगर निगमों ने स्वच्छता संबंधी मुद्दों के लिए व्हाट्सएप-आधारित रिपोर्टिंग प्रणाली शुरू की है।

जीएचएमसी की इस पहल के तहत, निवासी सड़कों पर डंप किए गए कचरे, साफ न किए गए कूड़ेदानों, गाद निकालने की आवश्यकता वाले बंद नालों और हरे कचरे (पेड़-पौधों का कचरा) को हटाने की रिपोर्ट कर सकते हैं। ▶10पर

खबरें जो सोच बदल दे शुभ लाभ हिंदी दैनिक समाचार पत्र

नेपाल : जब जीते हुए उम्मीदवार ने हारे हुए उम्मीदवार के पांव छूकर आशीर्वाद लिया

काठमांडू, 08 मार्च (एजेंसियां)। जनकपुरधाम संसदीय क्षेत्र से चुनाव परिणाम सामने आने के बाद एक भावुक और लोकतांत्रिक परंपरा को मजबूत करने वाला दृश्य देखने को मिला। चुनाव में पराजित हुए वरिष्ठ नेता विमलेंद्र निधि ने खुद अपने प्रतिद्वंद्वी और विजेता मनीष झा को माला पहनाकर जीत की बधाई दी।

बताया गया है कि परिणाम घोषित होने के बाद निधि ने मनीष झा से मुलाकात की और उन्हें फूलों की माला पहनाकर जीत की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान मनीष झा ने सम्मान स्वरूप निधि के पैर छुए और आशीर्वाद लिया। दोनों नेताओं के बीच यह दृश्य काफी भावुक रहा और कुछ समय के लिए माहौल भी भावनात्मक हो गया।

मुलाकात के दौरान विमलेंद्र निधि ने कहा कि जनता का फैसला सर्वोपरि होता है और लोकतंत्र में उसे सम्मान देना सभी नेताओं की जिम्मेदारी है। उन्होंने मनीष झा को जीत की बधाई देते हुए उम्मीद जताई कि वे क्षेत्र के विकास के लिए पूरी ईमानदारी से काम करेंगे।

वहीं मनीष झा ने भी विनम्रता दिखाते हुए विमलेंद्र निधि को अपना अभिभावक तुल्य बताया। उन्होंने कहा कि निधि लंबे समय से इस क्षेत्र की राजनीति के प्रमुख नेता रहे हैं और उनसे मार्गदर्शन मिलता रहेगा। झा ने कहा, विमलेंद्र निधि जी हमारे वरिष्ठ नेता हैं। उनका आशीर्वाद और अनुभव हमें आगे काम करने में मदद करेगा। विमलेन्द्र निधि नेपाल की राजनीति में बहुत बड़ा नाम है। देश की सबसे पुरानी पार्टी के वो उपाध्यक्ष रह चुके हैं, नेपाल के उपप्रधानमंत्री और गृहमंत्री भी रह चुके हैं। जनकपुरधाम उनकी पारंपरिक सीट रही है जहां से वो कई बार चुनाव जीत चुके हैं। लेकिन इस बार बालेन्द्र शाह की लहर में उनको युवा नेता मनीष झा से मात खानी पड़ी। झा को इस बार जहां 43,988 वोट मिले वहीं निधि को सिर्फ 16,652 वोट मिल पाया। इतने बड़े अंतर से हारने के बावजूद निधि ने मनीष झा से मुलाकात कर उन्हें न सिर्फ बधाई दी बल्कि आशीर्वाद भी दिया। दोनों नेताओं की इस मुलाकात ने समर्थकों के बीच भी सकारात्मक संदेश दिया। चुनावी प्रतिस्पर्धा के बावजूद आपसी सम्मान और लोकतांत्रिक मर्यादा का यह उदाहरण क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गया है।

न्यूज ब्रीफ

ईरान की चेतावनीः नेताओं की शहादत का बदला लिए बिना राष्ट्रपति ट्रंप को नहीं छोड़ेंगे

तेहरान। अमेरिका और इजरायल के साथ जारी भीषण सैन्य संघर्ष के बीच ईरान ने बेहद आक्रामक रुख अख्तियार कर लिया है। ईरानी सुप्रीम राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सचिव अली लारीजानी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को सीधे तौर पर चेतावनी देते हुए कहा है कि ईरान अपने नेताओं और नागरिकों की शहादत को किसी भी कीमत पर माफ नहीं करेगा। एक हालिया साक्षात्कार में लारीजानी ने स्पष्ट किया कि ट्रंप को अपने कृत्यों की भारी कीमत चुकानी होगी और जब तक ईरान अपना बदला पूरा नहीं कर लेता, वह पीछे नहीं हटेगा। लारीजानी ने कड़े शब्दों में कहा कि अमेरिकियों ने ईरानी जनता के दिलों पर गहरा घाव दिया है। उन्होंने ट्रंप को संबोधित करते हुए कहा कि अब अमेरिका को ईरान के प्रति अहंकारी या आक्रामक होने का कोई हक नहीं है। क्षेत्रीय स्थिरता पर बात करते हुए लारीजानी ने पड़ोसी देशों को भी सतर्क रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि यदि कोई भी क्षेत्रीय देश अपनी जमीन का इस्तेमाल ईरान के खिलाफ अमेरिकी हमलों के लिए होने देता है, तो ईरान को आत्मरक्षा में उन ठिकानों पर जवाब देने का पूरा अधिकार होगा। उन्होंने पड़ोसी देशों से अपील की कि वे अपनी संप्रभुता का उपयोग अमेरिका को रोकने के लिए करें। लारीजानी ने अमेरिका पर आंतरिक फूट डालने की कोशिशों का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने कुर्दों को ईरान के खिलाफ उकसाने का प्रयास किया, लेकिन वे यह भूल गए कि कुर्द मूल रूप से ईरानी हैं और वे अमेरिका के पिछले धोखों (सीरिया प्रकरण) को नहीं भूले हैं। उन्होंने ट्रंप को नीच व्यक्ति करार देते हुए कहा कि कोई भी सभ्य ईरानी यह स्वीकार नहीं करेगा कि उनके देश के भविष्य के नेतृत्व का फैसला कोई बाहरी व्यक्ति करे। इसके अलावा, लारीजानी ने अमेरिकी सेना द्वारा जारी किए गए आंकड़ों पर भी सवाल उठाए। उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से दावा किया कि अमेरिका अपने सैनिकों की मौत का झूठा आंकड़ा पेश कर रहा है, जबकि हकीकत यह है कि कई अमेरिकी सैनिकों को बंदी बना लिया गया है।

ट्रंप का बड़ा एक्शन! एआई कंपनी एंथ्रोपिक को खतरा बताकर लगाई रोक

वाशिंगटन। हाल ही में गूगल, माइक्रोसाफ्ट और ओपनएआई जैसी कंपनियों ने मिलकर अमेरिकी प्रशासन यानी ट्रंप सरकार से बातचीत की थी कि वह एंथ्रोपिक पर दबाव ना बनाए। इसके बावजूद ट्रंप सरकार ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कंपनी एंथ्रोपिक को सप्लाई चेन रिस्क घोषित किया है। इसका सीधा मतलब ये है कि सरकारी फर्म को एंथ्रापिक एआई चैटबाट के यूज को बंद करना पड़ेगा। पेंटागन ने बताया कि आधिकारिक तौर पर एंथ्रोपिक की लीडरशिप को बताया जा चुका है। अब उनकी कंपनी और उसके प्रोडक्ट्स को तत्काल प्रभाव से सप्लाई चेन जोखिम माना गया है। यह फैसला दिखाता है कि शायद एंथ्रोपिक के साथ आगे होने वाली बातचीत की संभावना लगभग खत्म हो चुकी है। ट्रंप सरकार का फैसला तब सामने आया है, जब करीब एक सप्ताह पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कंपनी पर नेशनल सिक्योरिटी को खतरे में डालने का आरोप लगाया था। ईरान युद्ध से ठीक पहले ट्रंप और हेगसेथ ने कई पेनाल्टी के बारे में बताया था। एंथ्रोपिक के सीईओ डारियो अमोदेई ने कहा था कि कंपनी के एआई प्रोडक्ट्स का यूज अमेरिकियों की सर्विलांस या आटोनोमस हथियार के लिए किया जा सकता है, जबकि वह ऐसा नहीं चाहते हैं।

पाप स्टार शकीरा ने एक बार फिर रच दिया इतिहास

लास एंजिल्स। दुनिया भर में स्टेज परफार्मेंस के लिए मशहूर कोलंबियाई पाप स्टार शकीरा ने एक बार फिर इतिहास रच दिया है। उन्होंने मेक्सिको सिटी के ऐतिहासिक चौक झोकालो पर चार लाख से ज्यादा लोगों के सामने परफार्म कर नया रिकार्ड बना दिया। वीकेंड पर आयोजित इस भव्य कान्सर्ट ने पूरी राजधानी को उत्सव के माहौल में बदल दिया। यह कार्यक्रम पूरी तरह मुफ्त था, जिसके कारण मैक्सिको के अलग-अलग शहरों और राज्यों से हजारों लोग शकीरा की लाइव प्रस्तुति देखने पहुंचे। भारी भीड़ के कारण सिर्फ मुख्य चौक ही नहीं, बल्कि आसपास की सड़कों और इलाकों में भी बड़ी स्क्रीन लगाई गई, ताकि दूर खड़े लोग भी कान्सर्ट का आनंद ले सकें। आयोजन स्थल पर लोगों की इतनी बड़ी मौजूदगी ने इसे जोकालो में आयोजित अब तक के सबसे बड़े कार्यक्रमों में शामिल कर दिया। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए स्थानीय प्रशासन ने विशेष इंतजाम किए थे। शहर के प्रमुख स्थानों जैसे अलमेडा सेंट्रल और मोनूमेंट टू द रिवोलूशन पर भी बड़ी स्क्रीन और अतिरिक्त व्यवस्थाएं की गईं।

युद्ध का असर : सात दिन और युद्ध चला तो हालात होंगे बेकाबू, 16 देशों में आ सकता है भारी संकट

लंदन, 08 मार्च (एजेंसियां)। मध्य-पूर्व में जारी भीषण युद्ध अब केवल क्षेत्रीय संघर्ष तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि इसने पूरी दुनिया की आर्थिक नींव हिलाने की चेतावनी दे दी है। स्काटलैंड की प्रतिष्ठित शोध संस्था वुड मैकेंजी ने एक सनसनीखेज रिपोर्ट जारी करते हुए आगाह किया है कि यदि ईरान-इजरायल और अमेरिका के बीच जारी यह जंग अगले सात दिनों तक और खिंचती है, तो वैश्विक अर्थव्यवस्था वर्ष 1929 की ग्रेट डिप्रेशन (महामंदी) जैसे भयावह दौर में प्रवेश कर सकती है। संस्था का दावा है कि हार्मुज जलडमरूमध्य में पैदा हुआ गतिरोध 1970 के दशक के ऐतिहासिक तेल संकट से भी कहीं अधिक घातक साबित हो सकता है।

ज्ञात हो कि 28 फरवरी को शुरू हुआ यह संघर्ष शनिवार को अपने आठवें दिन में प्रवेश कर गया है। इस युद्ध में अब तक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से 16 देश प्रभावित हो चुके हैं, जिससे करोड़ों लोगों की आजीविका पर संकट खड़ा हो गया है। वुड मैकेंजी के मुख्य अर्थशास्त्री पीटर मार्टिन के अनुसार, वर्तमान में कच्चे तेल की कीमतें 90 डालर प्रति बैरल के आसपास हैं। यदि हार्मुज के रास्ते होने वाली 1.2 से 1.4 करोड़ बैरल तेल की दैनिक आपूर्ति रुकती है, तो कीमतें तत्काल 150 डालर और अंतत: 200 डालर प्रति बैरल के पार जा सकती हैं। तेल की कीमतों में यह उछाल वैश्विक जीडीपी विकास दर को 2 फीसदी से नीचे धकेल देगा, जो आधिकारिक तौर पर दुनिया को एक लंबी मंदी और फिर डिप्रेशन की ओर ले जाएगा।

रिपोर्ट में न केवल तेल बल्कि गैस संकट को लेकर भी गंभीर चिंता जताई गई है। दुनिया की 20 फीसदी एलएनजी (तरल प्राकृतिक गैस) हार्मुज जलडमरूमध्य से गुजरती है। इसकी आपूर्ति बाधित होना 2022 के रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान हुई गैस कटौती से भी अधिक गंभीर होगा, जिससे यूरोप और एशिया में गैस की कीमतें 130 फीसदी तक बढ़ सकती हैं। यह स्थिति ठीक वैसी ही होगी जैसी 1929 में अमेरिका के वाल स्ट्रीट बाजार के धराशायी होने से शुरू हुई थी, जिसके परिणामस्वरूप करोड़ों लोग बेरोजगार हो गए थे और बैंकों के विफल होने से पूरी दुनिया में उत्पादन ठप हो गया था। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह सैन्य टकराव जल्द नहीं थमा, तो बढ़ती मुद्रास्फीति और बेरोजगारी के कारण आधुनिक इतिहास की सबसे भयंकर आर्थिक गिरावट देखने को मिल सकती है। हिंसा जिस तेजी से मध्य एशिया से यूरोप के छोर तक फैल रही है, उसने निवेशकों और वैश्विक बाजारों के बीच हड़कंप मचा दिया है। वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए अर्थशास्त्रियों ने चेतावनी दी है कि हम एक ऐसे अंधेरे आर्थिक युग की दहलीज पर खड़े हैं, जहां से वापसी का रास्ता अत्यंत कठिन और लंबा होगा।

ईरान का दावा–बहरीन स्थित अमेरिकी जुफैर सैन्य अड्डे पर मिसाइल हमला

तेहरान/मनामा, 08 मार्च (एजेंसियां)।

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच ईरान ने बहरीन में स्थित अमेरिकी सैन्य अड्डे पर मिसाइल हमला करने का दावा किया है। ईरान की सैन्य इकाई इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) ने कहा कि उसने बहरीन में स्थित जुफैर नेवल बेस को निशाना बनाया।

आईआरजीसी के अनुसार यह कार्रवाई उस कथित हमले के जवाब में की गई, जिसमें जुफैर बेस से ईरान के केशम द्वीप स्थित एक समुद्री जल शोधन संयंत्र पर हमला किया गया था। संगठन ने अपनी वेबसाइट पर जारी बयान में कहा कि सटीक निशाना लगाने वाली ठोस और तरल ईंधन से चलने वाली मिसाइलों से इस अमेरिकी ठिकाने पर हमला किया गया।

हालांकि इस हमले से हुए नुकसान या किसी के हताहत होने की स्वतंत्र पुष्टि अभी तक नहीं हो सकी है। इससे पहले, ईरान के एक सैन्य प्रवक्ता ने चेतावनी दी थी कि यदि अमेरिकी युद्धपोत पर्सियन गल्फ में प्रवेश करते हैं, तो उन्हें निशाना बनाया जा सकता है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिया था कि अमेरिकी नौसेना तेल टैंकरों की सुरक्षा के लिए जहाज तैनात कर सकती है। तेल टैंकरों के लिए यह मार्ग विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि वे अक्सर स्ट्रेट आफ होरमुडज से होकर गुजरते हैं, जो वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए अहम समुद्री रास्ता माना जाता है। विश्लेषकों का कहना है कि हालिया घटनाक्रम से क्षेत्र में तनाव और बढ़ सकता है तथा खाड़ी क्षेत्र की सुरक्षा स्थिति और जटिल हो सकती है।

अमेरिका रूसी तेल पर लगे कुछ और प्रतिबंधों में दे सकता है ढील

वाशिंगटन। वैश्विक ऊर्जा बाजार में बढ़ती अनिश्चितता के बीच अमेरिका ने रूसी तेल को लेकर बड़ा संकेत दिया है। अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी स्काट बेसेंट ने कहा है कि दुनिया में तेल की आपूर्ति बनाए रखने के लिए अमेरिका रूसी तेल पर लगे कुछ और प्रतिबंधों में ढील दे सकता है। इससे वैश्विक बाजार में सप्लाई बढ़ाने में मदद मिल सकती है। दरअसल अमेरिका ने भारत को समुद्र में पहले से मौजूद रूसी कच्चे तेल की खेप खरीदने की अनुमति दी है। इसी फैसले के बाद यह संकेत मिला है कि अमेरिका जरूरत पड़ने पर अन्य रूसी तेल पर लगे प्रतिबंध भी हटा सकता है। मीडिया रिपोर्ट में स्काट बेसेंट ने एक इंटरव्यू में कहा कि अमेरिकी ट्रेजरी ने अपने सहयोगी देशों को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया है। उन्होंने कहा कि भारत को उस रूसी तेल को खरीदने की अनुमति दी गई है जो पहले से समुद्र में मौजूद है और जिसे पहले प्रतिबंधों के कारण खरीदा नहीं जा सका था। उनका कहना है कि इस कदम का उद्देश्य वैश्विक बाजार में तेल की अस्थायी कमी को दूर करना है। अगर दुनिया में तेल की आपूर्ति कम होती है तो कीमतों में तेज उछाल आ सकता है, जिससे कई देशों की अर्थव्यवस्था प्रभावित हो सकती है। बेसेंट के मुताबिक इस समय समुद्र में बड़ी मात्रा में रूसी तेल मौजूद है जिस पर प्रतिबंध लागू हैं। अगर इन पर से प्रतिबंध हटाए जाते हैं तो बाजार में तुरंत अतिरिक्त सप्लाई आ सकती है।

ईरान की लाइफलाइन पर महाप्रहार, तेल डिपो और रिफाइनरियों पर बमबारी से दहल उठा तेहरान

तेहरान, 08 मार्च (एजेंसियां)। मिडिल-ईस्ट में जारी संघर्ष ने अब तक का सबसे भयावह रूप अख्तियार कर लिया है। शनिवार देर रात अमेरिका और इजरायली वायुसेना ने ईरान की राजधानी तेहरान पर अब तक के सबसे भीषण हवाई हमले किए। इस सैन्य कार्रवाई का मुख्य उद्देश्य ईरान की आर्थिक रीढ़ माने जाने वाले तेल डिपो और ऊर्जा बुनियादी ढांचों को ध्वस्त करना था। हमलों के बाद पूरी राजधानी धमाकों की गूंज से दहल उठी और आकाश में दूर-दूर तक आग की लपटें व धुएं का गुबार देखा गया।

ईरानी सूत्रों के अनुसार, दक्षिण तेहरान और उत्तर-पश्चिमी इलाके में स्थित शहरान तेल डिपो पर कई मिसाइलें दागी गईं। हमले इतने सटीक और विनाशकारी थे कि इनकी आवाज पड़ोसी शहर करज तक सुनी गई। सोशल मीडिया पर साझा की गई तस्वीरों और वीडियो में तेहरान के आसमान में आग के विशाल गोले साफ देखे जा सकते हैं। इजरायली सेना ने इन हमलों की जिम्मेदारी लेते हुए दावा किया है कि उन्होंने उन विशिष्ट ईंधन भंडारण केंद्रों को निशाना बनाया है, जिनका उपयोग ईरानी सशस्त्र बल अपनी सैन्य गतिविधियों के लिए कर रहे थे। इन हमलों की

चपेट में तेहरान के पास स्थित शहर-ए-रे जिले की मुख्य रिफाइनरी और अल्बोर्ज प्रांत के कई महत्वपूर्ण आयल डिपो भी आए हैं। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि ऊर्जा ठिकानों पर यह सीधा प्रहार ईरान की अर्थव्यवस्था और उसकी युद्ध लड़ने की क्षमता को पंगु बनाने की एक सोची-समझी रणनीति का हिस्सा है। पिछले एक सप्ताह से जारी इस जंग में यह पहली बार है जब ईरान के एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर को इतने बड़े स्तर पर निशाना बनाया गया है। यह कार्रवाई अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की उस चेतावनी के ठीक बाद हुई है, जिसमें उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा था कि आज ईरान पर बहुत बुरा असर पड़ेगा और कई अन्य ईरानी अधिकारी भी उनके निशाने पर होंगे।

कुवैत में ईरान ने की ड्रोन की बौछार, एयरपोर्ट का फ्यूल डिपो आग की लपटों में घिरा

कुवैत सिटी, 08 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका-इजराइल की ईरान के साथ चल रहे युद्ध के बीच कुवैत पर बड़ा ड्रोन हमला हुआ है। ईरान तेल अवीव के अमेरिका के सहयोगी फारस की खाड़ी देशों पर हमला कर रहा है। कुवैत ने कहा कि ड्रोन से सरकारी इमारत को निशाना बनाया गया। ड्रोन हमले में एयरपोर्ट के फ्यूल डिपो में भयंकर आग लग गई।

कुवैत की सरकारी न्यूज एजेंसी के हवाले से सीएनएन ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि कुवैत में एक सरकारी बिल्डिंग को ड्रोन हमले में निशाना बनाया गया। यहां पब्लिक इंस्टीट्यूशन फार सोशल सिक्योरिटी का हेडक्वार्टर भी है। हमले इस स्थान की सामग्री को नुकसान पहुंचा है। यह बिल्डिंग लगभग 22 मंजिला है और कुवैत सिटी सेंटर के पाश अल सूर डिस्ट्रिक्ट में है। इसके बगल में होटल फार सीजंस है। यहां से शापिंग माल्स कुछ फासले पर हैं।

पब्लिक इंस्टीट्यूशन फार सोशल सिक्योरिटी के कार्यवाहक निदेशक बताया कि बिल्डिंग के कई गार्ड्स को सुरक्षित निकाल लिया गया और किसी के घायल होने की खबर नहीं है। डेटा सुरक्षित है। इसके अलावा कुवैत इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर दो फ्यूल डिपो पर भी ड्रोन हमला हुआ।उनमें से एक में भयंकर आग लग गई। कुवैत फायर फोर्स ने कहा कि टीम अभी सरकारी बिल्डिंग और फ्यूल डिपो में लगी आग बुझाने का काम कर रही है। कुना का कहना है कि यह हमला ऐसे समय पर हुआ, जब कुवैत का एयर डिफेंस दुश्मन ड्रोन की लहर का सामना कर रहा है।

उल्लेखनीय है कि ईरान ने माफी मांगने के बावजूद फारस की खाड़ी के देशों पर बमबारी की है। इस बीच, लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने पुष्टि की सेंट्रल बेरूत में रमाडा होटल की बिल्डिंग के एक अपार्टमेंट पर इजराइली हमले में कम से कम चार लोग मारे गए और दस अन्य घायल हो गए। हैरानी की बात है कि इजराइल ने हिजबुल्लाह के नियंत्रण वाले दक्षिणी इलाकों के बजाय मध्य बेरूत के बीचों-बीच हमला किया।

इससे पहले फारस की खाड़ी के देशों ने रविवार सुबह हवाई हमलों और इंटरसेप्शन की रिपोर्ट दी है। कुवैती आर्मी ने कहा कि स्थानीय समय पर रविवार को ईरान ने कुवैत इंटरनेशनल एयरपोर्ट के फ्यूल स्टोरेज पर ड्रोन की बौछार कर दी। कुवैती आसमान में ड्रोन को इंटरसेप्ट किया जा रहा है। ड्रोन मलबे से कुछ नागरिक ढांचों को नुकसान हो रहा है।

सऊदी अरब के रक्षा मंत्रालय ने भी कहा है कि उसने ड्रोन हमलों का सामना किया और रविवार सुबह कम से कम 21 ड्रोन को इंटरसेप्ट किया। बहरीन में किंग फहद काज-वे के पार मीना सलमान बंदरगाह पर एक जगह पर आग लग गई है। बहरीन के गृह मंत्रालय ने इसे ईरानी हमला बताया है।

यह हमले ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन के माफी मांगने के बाद हुए हैं। उन्होंने शनिवार को खाड़ी देशों से पिछले हफ्ते इलाके में यूएस बेस पर ड्रोन और मिसाइल हमलों के लिए माफी मांगी थी। पेजेशकियन के कार्यालय ने बाद में साफ किया कि राष्ट्रपति का मतलब था अगर इलाके के देश अमेरिका के ईरान पर हमले में साथ नहीं देते हैं, तो हम उन पर हमला नहीं करेंगे।

नारी केवल समाज की आधारशिला ही नहीं, बल्कि राष्ट्र के भविष्य की निर्माता भी हैं : मुर्मु

नई दिल्ली, 08 मार्च (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि भारतीय समाज और राष्ट्र की प्रगति में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि शिक्षित, आत्मनिर्भर और सशक्त महिलाएं किसी भी देश के विकास की सबसे बड़ी शक्ति होती हैं। उन्होंने कहा कि भारत सिर्फ जमीन का टुकड़ा नहीं है, बल्कि राष्ट्र पुरुष और राष्ट्र माता है। राष्ट्रपति ने ये विचार नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित महिला विचारकों के दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन 'भारती- नारी से नारायणी' के समापन सत्र को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। यह सम्मेलन सात-आठ मार्च को आयोजित किया गया, जिसमें देशभर से विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी महिला विचारक शामिल हुईं। राष्ट्रपति ने कहा कि भारतीय परंपरा में नारी को केवल परिवार की संरक्षक के रूप में नहीं देखा गया है, बल्कि उसे ज्ञान, शक्ति और समृद्धि का प्रतीक माना गया है। उन्होंने कहा कि आज की भारतीय महिलाएं शिक्षा, विज्ञान, प्रशासन, खेल, उद्यमिता और सामाजिक सेवा जैसे अनेक क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कर रही हैं और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी समाज की वास्तविक प्रगति तभी संभव है, जब महिलाओं को समान अवसर, सम्मान और सुरक्षा प्राप्त हो। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि महिलाओं को निर्णय लेने की स्वतंत्रता, आत्मसम्मान के साथ जीवन जीने का अवसर और शिक्षा तथा रोजगार के समान अवसर मिलना अत्यंत आवश्यक है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि आज भारत में महिला-नेतृत्व वाले विकास की अवधारणा तेजी से आगे बढ़

रही है। उन्होंने युवतियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि वे अपने सपनों को साकार करने के लिए आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ें और देश के विकास में सक्रिय भूमिका निभाएं।

राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में कहा कि जब महिलाएं सशक्त होती हैं तो परिवार, समाज और राष्ट्र सभी मजबूत बनते हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भारत की महिलाएं अपने ज्ञान, नेतृत्व और संवेदनशीलता के माध्यम से देश को प्रगति और समृद्धि की नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगी।

समापन समारोह में राष्ट्र सेविका समिति की मुख्य संचालिका वी. शांता कुमारी ने कहा कि महिलाओं को समाज का प्रोत्साहन स्वीकार करना चाहिए। क्षमता बढ़ाने से सम्मान हमें स्वयं ही प्राप्त हो जाता है। हमारा व्यवहार ऐसा होना चाहिए कि समाज हमें प्रोत्साहन दे। प्रोत्साहन का उपयोग कर समाज के उत्थान का प्रयास करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि सम्मान प्राप्त करने के बाद यानी नारी से नारायणी बनने के बाद हम हर क्षेत्र में आगे जाएंगे। हमें भारतीय संस्कृति की जड़ों से जुड़कर काम करना है और उस पर अभिमान भी करना है। इस तरह हम दूसरों के लिए आदर्श बन सकते हैं। शांता कुमारी ने कहा कि भारतीय नारियों को अपने ज्ञान का उपयोग अपने आसपास के क्षेत्रों में करते हुए सकारात्मक वातावरण बनाना चाहिए। अपने परिवार को समर्थ बनाकर पूरे समाज को, पूरे राष्ट्र को सक्षम बनाने में योगदान देना चाहिए।

इस मौके पर भारतीय विद्वत परिषद की सचिव शिवानी वी. ने सम्मेलन के उद्देश्यों की जानकारी दी। सम्मेलन का उद्देश्य महिलाओं की 'मौन शक्ति से निर्णायक शक्ति' तक की यात्रा को सशक्त बनाना है। इस सम्मेलन में देशभर से लगभग 1500 महिला विचारकों ने भाग लिया और महिला सशक्तीकरण, शिक्षा, नेतृत्व, आत्मनिर्भरता और समाज में महिलाओं की भूमिका जैसे विषयों पर विचार-विमर्श किया गया।

सम्मेलन का आयोजन भारतीय विद्वत परिषद, राष्ट्र सेविका समिति और शरण्या संगठन ने किया। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य देश की महिलाओं को एक मंच पर जोड़ना, उनके अनुभवों और विचारों को साझा करना तथा महिला-नेतृत्व वाले राष्ट्र निर्माण की दिशा में ठोस पहल करना है।

अन्नाद्रमुक, सहयोगी पीएमके ने राष्ट्रपति मुर्मु के कथित अपमान के लिए बनर्जी की निंदा की

चेन्नई, 08 मार्च (एजेंसियां)। तमिलनाडु में मुख्य विपक्षी पार्टी अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) और उसके सहयोगी, पूर्व केंद्रीय मंत्री अंबुमणि रामदास के नेतृत्व वाले पीएमके ने रविवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के कथित अपमान के लिए पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की निंदा की।

तमिलनाडु में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का नेतृत्व कर रहे अन्नाद्रमुक के महासचिव एडप्पादी के पलानीस्वामी ने कहा कि किसी सार्वजनिक आयोजन में राष्ट्रपति के लिए कोई भी शर्मिंदगी, बेइज्जती या प्रक्रिया संबंधी चूक मंज़ूर नहीं है और यह बहुत अफसोस की बात है।

उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, किसी सार्वजनिक आयोजन में राष्ट्रपति से जुड़ी कोई भी बेइज्जती, प्रक्रियात्मक चूक, या टाली जा सकने वाली शर्मिंदगी बहुत अफसोस की बात है और मंज़ूर नहीं है। श्री पलानीस्वामी ने कहा, यह बहुत दुख की बात है कि हमारी माननीय राष्ट्रपति को ऐसी घटना पर सबके सामने दुख ज़ाहिर करना पड़ा। संवैधानिक पद सिर्फ़ औपचारिक निशानी नहीं हैं। वे हमारे गणतंत्र की गरिमा को दिखाते हैं। जिन्हें शासन की ज़िम्मेदारी सौंपी गयी है, उनकी यह ज़िम्मेदारी है कि प्रशासनिक व्यवहार हमेशा देश के सबसे बड़े पद के प्रति उचित सम्मान दिखाए।

इस बीच, यहां एक बयान में डॉ. अंबुमणि ने कहा कि आरोप लगे हैं कि सुश्री ममता बनर्जी ने सुश्री मुर्मु के संथाल आदिवासी समुदाय के सम्मेलन में शामिल होने के दौरे के दौरान जानबूझकर दो अलग-अलग तरीकों से राष्ट्रपति का अपमान किया।

उन्होंने कहा कि यह निंदनीय है कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने राजनीतिक मकसद से भारत के पहले नागरिक का अपमान किया है। उन्होंने कहा कि प्रोटोकॉल के अनुसार, जब भी राष्ट्रपति किसी राज्य का दौरा करती हैं, तो उस राज्य के मुख्यमंत्री या किसी मंत्री को उनका स्वागतकरना चाहिए। बागडोगरा हवाई अड्डे पर राज्य सरकार की ओर से केवल सिलीगुड़ी के मेयर ने राष्ट्रपति का स्वागत किया।

उन्होंने कहा कि यह कृत्य राष्ट्रपति के अपमान के इरादे से किया गया प्रतीत होता है और एक राज्य की मुख्यमंत्री होने के नाते सुश्री बनर्जी को ऐसा करने से बचना चाहिए।

बिहार संग्रहालय और पटना संग्रहालय को जोड़नेवाली सुरंग का किया कार्यारंभ

पटना, 08 मार्च (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने रविवार को 542 करोड़ की लागत से बिहार संग्रहालय और पटना संग्रहालय को जोड़नेवाली सुरंग का शिलापट्ट अनावरण कर कार्यारंभ किया। मुख्यमंत्री श्री कुमार ने निर्माण करनेवाली मशीन का बटन दबाकर कार्य की शुरूआत करायी। इस दौरान अधिकारियों ने मुख्यमंत्री श्री कुमार को सुरंग (टनल) के निर्माण कार्य की प्रक्रिया तथा इसे पूर्ण करने के संबंध में विस्तृत जानकारी दी।

श्री कुमार ने नेहरू पथ के समीप हड़ताली मोड़ स्थित निर्माणाधीन म्यूज़ियम सब-वे टनल के कार्यारंभ के दौरान अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि निर्माण कार्य बेहतर ढंग से जल्द पूर्ण हो, इसका विशेष रूप से ख्याल रखें।उन्होंने कहा कि इसके बन जाने से बिहार संग्रहालय और पटना संग्रहालय में लगे प्रदर्शों का लोग आसानी से एक जगह से दूसरी जगह जाकर अवलोकन कर सकेंगे। पर्यटकों की संख्या में काफी बढ़ोत्तरी होगी, इसे ध्यान में रखते हुए पार्किंग और अन्य जरूरी सुविधाओं की भी समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि टनल का निर्माण इस प्रकार कराये जिससे नेहरू पथ पर आवागमन में किसी प्रकार की कठिनाई न हो।

मुख्यमंत्री श्री कुमार ने इसके बाद बिहार संग्रहालय का परिभ्रमण किया। इस दौरान बिहार संग्रहालय के महानिदेशक अंजनी कुमार सिंह ने संग्रहालय परिसर में लगाए गए नए प्रदर्शों , पर्यटकों की संख्या, पार्किंग की व्यवस्था, संग्रहालय परिसर में उपलब्ध सुविधाओं आदि के संबंध में मुख्यमंत्री श्री कुमार को विस्तृत जानकारी दी। परिभ्रमण के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये।

राष्ट्रपति मुर्मु के अपमान के लिए टीएमसी को माफ नहीं करेगी बंगाल की जनता : मोदी

नई दिल्ली, 08 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के अनादर को लेकर एक बार फिर राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल की प्रबुद्ध जनता टीएमसी को एक नारी के अपमान के लिए, एक आदिवासी के अपमान के लिए और देश के महामहिम राष्ट्रपति के अपमान के लिए कभी माफ नहीं करेगी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, रविवार को देश अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मना रहा है और शनिवार को पश्चिम बंगाल में टीएमसी सरकार ने देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का घोर अपमान किया। द्रौपदी मुर्मु संथाल आदिवासी परंपरा के एक बड़े उत्सव में शामिल होने के लिए बंगाल गई थीं, लेकिन राष्ट्रपति और आदिवासी समाज के उस पवित्र और महत्वपूर्ण कार्यक्रम का टीएमसी ने बहिष्कार किया। पीएम मोदी ने यह भी कहा, पश्चिम बंगाल की प्रबुद्ध जनता टीएमसी को एक नारी के अपमान के लिए, एक आदिवासी के अपमान के लिए और देश के महामहिम राष्ट्रपति के अपमान के लिए कभी माफ नहीं करेगी। देश भी माफ नहीं करेगा। देश का आदिवासी समाज भी कभी माफ नहीं करेगा और देश की नारी शक्ति भी कभी माफ

नहीं करेगी।

इससे पहले, उन्होंने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा, आज भारत महिला सशक्तिकरण की नई गाथा लिख रहा है। यहां दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के सफल नेतृत्व में राजधानी का विकास हो रहा है। राजनीति, प्रशासन, खेल, विज्ञान या समाज सेवा का क्षेत्र, भारत की नारी शक्ति एक नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ रही है।उन्होंने आगे कहा, मैं पूरे देश की नारी शक्ति को आज महिला दिवस पर हृदय से बहुत-बहुत बधाई देता हूं और राष्ट्र के विकास में उनके असीमित योगदान के लिए ऋण स्वीकार करता हूं।

दिल्ली में 33,500 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं के शिलान्यास और लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने आम आदमी पार्टी पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा, आज का ये कार्यक्रम इस बात का भी प्रमाण है कि एक वर्ष पहले दिल्ली ने जिस 'आपदा' से मुक्ति पाई, वो कितनी जरूरी थी। अगर यहां पर 'आपदा सरकार' (आम आदमी पार्टी सरकार) न होती तो ये मेट्रो फेज 4 प्रोजेक्ट बहुत पहले ही पूरा हो चुका होता। लेकिन 'आपदा वालों' ने अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए दिल्ली के लाखों लोगों की सुविधा को ताक पर रख दिया था। पीएम मोदी ने कहा कि 'आपदा' वालों का तरीका था, काम कम और बहाने ज्यादा। आज दिल्ली में विकास का मॉडल है। पहले प्रोजेक्ट फाइलों में दम तोड़ते थे, आज प्रोजेक्ट जमीन पर उतरते हैं। यहां भाजपा सरकार बनने के बाद दिल्ली के चौतरफा विकास में तेजी आई है।

नीतीश कुमार जैसा ही होगा पलानीस्वामी का हाल : स्टालिन

चेन्नई, 08 मार्च (एजेंसियां)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को इस्तीफा देने पर मजबूर करने का आरोप लगाया है और कहा है कि इसके बाद उन्हें राज्यसभा उम्मीदवार बनाया गयाहै और आने वाले समय में अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के महासचिव एडप्पादी के पलानीस्वामी का भी वही हाल होगा।

उल्लेखनीय है कि श्री पलानीस्वामी आगामी तमिलनाडु चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के मुख्यमंत्री उम्मीदवार हैं। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के अध्यक्ष श्री स्टालिन ने शनिवार रात मदुरै में एक सार्वजनिक बैठक दावा किया कि उन्हें मिली जानकारी के अनुसार, भाजपा श्री पलानीस्वामी की जगह किसी और को अन्नाद्रमुक का महासचिव बना सकती है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा अन्नाद्रमुक का 'खून चूसेगी'। उन्होंने कहा कि

जैसा भाजपा ने श्री कुमार के साथ किया, वैसा ही श्री पलानीस्वमी के साथ होगा।

श्री स्टालिन ने दावा किया कि अगर उन्होंने राजग के साथ चुनावी गठबंधन करने के भाजपा के प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया होता, तो भगवा पार्टी ने कुछ समय पहले ही बदलाव की योजना बना ली होती।

श्री स्टालिन ने अपना वादा भी दोहराया कि एक बार जब उनके नेतृत्व वाली द्रविड़ मॉडल 2.0 सरकार सत्ता में वापस आ जाएगी और दूसरे कार्यकाल के लिए सरकार बनाएगी, तो महिलाओं को प्रति माह मिलने वाली 1,000 रुपये की मदद को बढ़ाकर 2,000 रुपये कर दिया जाएगा।

उन्होंने पन्नीरसेल्वम की तारीफ़ करते हुए कहा कि वे वफ़ादारी के लिए खड़े हैं, जबकि श्री पलानीस्वामी धोखे के लिए खड़े हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्होंने खुद को बचाने के लिए अन्नाद्रमुक को गिरवी रख दिया है। साथ ही उन्होंने भरोसा जताया कि द्रमुक के नेतृत्व वाला गठबंधन आने वाले चुनावों में जीत हासिल करेगा और फिर से सरकार बनाएगा।

सीबीआई ने 1085 करोड़ रुपये की पीएनबी धोखाधड़ी मामले में अनिल अंबानी के खिलाफ दर्ज किया नया केस

नयी दिल्ली, 08 मार्च (एजेंसियां) । केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) की शिकायत पर रिलायंस कम्युनिकेशंस के प्रमुख अनिल अंबानी के खिलाफ 1,085 करोड़ रुपये की ऋण धोखाधड़ी और आपराधिक साजिश का एक नया मामला दर्ज किया है। यह कार्रवाई पीएनबी के मुख्य प्रबंधक संतोषकृष्ण अन्नावरपु की एक शिकायत के आधार पर की गई है।

यूनीवार्ता के पास मौजूद इस प्राथमिकी की प्रति के अनुसार, इसमें आरोप लगाया गया है कि

वर्ष 2013 से 2017 के बीच अनिल अंबानी और रिलायंस कम्युनिकेशंस के तत्कालीन अधिकारियों ने कथित तौर पर पीएनबी के साथ 1,085 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की। बैंक का आरोप है कि रिलायंस कम्युनिकेशंस ने यह कर्ज वापस न करने की नीयत से प्राप्त किया। पीएनबी ने दावा किया कि कंपनी ने बैंक से प्राप्त धन को जानबूझकर अन्य उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल किया। ऐसा करना धोखाधड़ी और विश्वास के आपराधिक उल्लंघन के समान है।

सीबीआई द्वारा दर्ज इस प्राथमिकी में रिलायंस कम्युनिकेशंस, अनिल अंबानी के अलावा कुछ अन्य लोगों को भी आरोपी बनाया गया है। वह अब इस मामले में वित्तीय हेरफेर और धन के हस्तांतरण की कड़ियों की जांच करेगी।

ईरान ने जल शोधन संयंत्र पर हमले के बाद अमेरिकी सैन्य ठिकाने पर किया हमला

तेहरान, 08 मार्च (एजेंसियां)। ईरान ने दक्षिणी क्षेत्र में स्थित एक समुद्री जल शोधन संयंत्र पर हमले के बाद अमेरिकी सैन्य ठिकाने पर मिसाइल हमला करने का दावा किया है। ईरान के सरकारी समाचार प्रसारक प्रेस टीवी ने रविवार को यह जानकारी दी।

रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के सर्वोच्च परिचालन कमान खातम अल-अनबिया सेंट्रल हेडक्वार्टर के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल इब्राहिम ज़ोलफक़ारी ने शनिवार को कहा कि यह कार्रवाई अमेरिकी नौसेना के बहरीन स्थित नेवल सपोर्ट एक्टिविटी बहरीन अड्डे से कथित हमले के बाद की गयी। यह अड्डा अमेरिकी नौसैनिक बलों की केन्द्रीय कमान और पांचवें बेड़े का मुख्यालय है।

श्री ज़ोलफक़ारी ने कहा कि जुफ़ैर स्थित अमेरिकी अड्डे से क़ेश्म द्वीप के क़ेश्म डिसेलिनेशन प्लांट पर हमले के बाद इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) ने सटीक ठोस ईंधन वाली मिसाइलों से उस अमेरिकी ठिकाने को निशाना बनाया।

उन्होंने कहा कि यह हमला क़ेश्म द्वीप स्थित जल शोधन संयंत्र पर हुए हमले के सीधे जवाब के रूप में किया गया। प्रवक्ता ने ईरान द्वारा पहले किए गए जवाबी हमलों का भी उल्लेख करते हुए कहा कि उन कार्रवाइयों में विरोधी पक्ष की निगरानी प्रणालियों को काफी नुकसान पहुंचाया गया था।

उनके अनुसार दुश्मन के रडार सिस्टम पहले की कार्रवाई में नष्ट हो जाने के कारण अब लक्ष्यों को निशाना बनाना अपेक्षाकृत आसान हो गया है।

मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के बीच भारत ने अन्य देश से कच्चे तेल की खरीद बढ़ाई

नई दिल्ली, 08 मार्च (एजेंसियां)। मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के कारण भारत ने अन्य देशों से अतिरिक्त कच्चा तेल खरीदना शुरू कर दिया है। सूत्रों के मुताबिक, भारतीय कंपनियां अमेरिका, रूस और पश्चिमी अफ्रीका में मौजूद कच्चे तेल के आपूर्तिकर्ता देशों से कच्चा तेल खरीदने के लिए बातचीत कर रही हैं। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब क्षेत्र में बढ़ते तनाव के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल आपूर्ति बाधित होने की आशंका है। यह जलडमरूमध्य वैश्विक ऊर्जा बाजारों के लिए एक महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग है। फरवरी में भारत के कच्चे तेल के आयात का लगभग आधा हिस्सा इसी जलडमरूमध्य से होकर गुजरा था।

भारत अपनी कच्चे तेल की आवश्यकता का लगभग 88 प्रतिशत आयात करता है, इसलिए स्थिर आपूर्ति मार्ग देश की ऊर्जा सुरक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

संभावित व्यवधानों से निपटने के लिए, रिफाइनरियों ने नियोजित रखरखाव कार्यों को स्थगित कर दिया है और सामान्य प्रसंस्करण दर बनाए रखी है ताकि निकट भविष्य में मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त ईंधन का उत्पादन

किया जा सके।सूत्रों के अनुसार, जलडमरूमध्य के बाहर के स्रोत पूरी तरह से चालू हैं और देश संघर्ष रहित क्षेत्रों से अधिक आपूर्ति प्राप्त कर रहा है।

उन्होंने यह भी बताया कि 2025 में भारत के कच्चे तेल के आयात का लगभग 60 प्रतिशत हिस्सा होर्मुज जलडमरूमध्य के बाहर से आया था।

मध्य पूर्व संघर्ष में वृद्धि के बाद, यह हिस्सा बढ़कर लगभग 70 प्रतिशत हो गया है।

आपूर्ति की स्थिति को अमेरिकी वित्त विभाग द्वारा जारी एक अस्थायी छूट से भी समर्थन मिला है, जो 5 मार्च से पहले जहाजों पर लोड किए गए प्रतिबंधित रूसी कच्चे तेल की बिक्री और डिलीवरी की अनुमति देता है।

यह छूट 5 अप्रैल तक वैध है और पहले से ही ट्रांजिट में मौजूद माल को प्रतिबंधों का उल्लंघन किए बिना वितरित करने की अनुमति देता है।

इस बीच, केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा है कि भू-राजनीतिक तनाव के बावजूद भारत की ऊर्जा आपूर्ति की स्थिति स्थिर बनी हुई है।पत्रकारों से बात करते हुए पुरी ने कहा कि देश मौजूदा वैश्विक परिवेश में ऊर्जा की उपलब्धता, सामर्थ्य और स्थिरता सुनिश्चित करने की चुनौती का सफलतापूर्वक सामना कर रहा है।उन्होंने कहा, होर्मुज मार्ग के अलावा सभी मार्गों से देश में ऊर्जा आयात पूरी तरह से जारी है। हमारे नागरिकों की ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ण पूर्ति हो रही है। भारत एक मजबूत स्थिति में है और चिंता या अटकलों की कोई गुंजाइश नहीं है।

महिला दिवस पर आकांक्षा रंजन कपूर का बड़ा खुलासा

मैंने अपने एग्स फ्रीज़ करवाए !

अभिनेत्री आकांक्षा रंजन कपूर अपने दमदार और किरदार आधारित अभिनय से धीरे-धीरे मनोरंजन की दुनिया में अपनी अलग पहचान बना रही हैं। लेकिन इस बार अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर उन्होंने अपने करियर नहीं, बल्कि अपनी ज़िंदगी के एक बेहद निजी फैसले पर खुलकर बात की। आकांक्षा ने बताया कि उन्होंने अपने एग्स फ्रीज़ करवाए हैं और इस फैसले तक पहुंचने की पूरी मुश्किल और भावनात्मक यात्रा भी साझा की। एक साफ-सुथरी और ईमानदार सोशल मीडिया पोस्ट में आकांक्षा ने अस्पताल की कुछ तस्वीरें शेयर कीं और पिछले दो हफ्तों की शारीरिक और मानसिक चुनौतियों के बारे में बताया। यह एक ऐसी प्रक्रिया है जिससे कई महिलाएं गुजरती हैं, लेकिन खुलकर बात कम ही होती है। आकांक्षा की इस पोस्ट ने उसी चुप्पी को तोड़ने की कोशिश की।

अपने पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने लिखा, कल मैंने अपने एग्स फ्रीज़ करवाए!! सच कहूं तो इसे शेयर करने का कोई प्लान नहीं था, लेकिन आज लगा कि यही सही दिन हैमहिला का शरीर वाकई कमाल का होता है। पिछले दो हफ्ते बहुत तीव्र रहे। हर दिन खुद को मोटी सुई से इंजेक्शन लगाना, हार्मोन का असर, सूजन, मूड स्विंग, लगातार स्कैन, दवाइयां, आईवी ड्रिप और आखिर में सर्जरी। लेकिन बस इतना कहना चाहती हूं कि महिलाएं वाकई जबरदस्त होती हैंव और मैं अपने शरीर की समझदारी और ताकत को देखकर हैरान हूं।

दूसरी तस्वीर आज की है, उस काम के लिए तैयार हो रही हूं जो मैं करना चाहती हूं = स्पोर्टी कपड़े पहनकर अपनी दिनचर्या में लौटने की कोशिश। हालांकि बिल्डिंग के आसपास 20 मिनट चलना भी मुश्किल लग रहा था। लेकिन सच कहूं तो उतना ही काफी लगा! क्योंकि इस शरीर ने अभी-अभी कुछ बहुत कमाल किया है।

इस ईमानदार पोस्ट ने सोशल मीडिया पर कई लोगों को सोचने पर मजबूर कर दिया। एग्स फ्रीज़ कराने जैसा विषय, जिस पर अक्सर धीमी आवाज़ में बात होती है, अचानक महिला दिवस की बड़ी चर्चा का हिस्सा बन गया-जहां बात हो रही है महिलाओं की पसंद, सही समय और करियर, सपनों व निजी ज़िंदगी के बीच संतुलन की। वर्क फ्रंट की बात करें तो आकांक्षा रंजन कपूर के लिए आने वाला समय काफी व्यस्त रहने वाला है। वह जल्द ही फिल्म इक्का में नजर आएंगी, जो एक कोर्टरूम ड्रामा है। इस फिल्म में उनके साथ सनी देओल और अक्षय खन्ना भी दिखाई देंगे, जबकि इसका निर्देशन सिद्धार्थ पी. मल्होत्रा कर रहे हैं।

फिल्म धुरंधर द रिवेंज का ट्रेलर रिलीज़

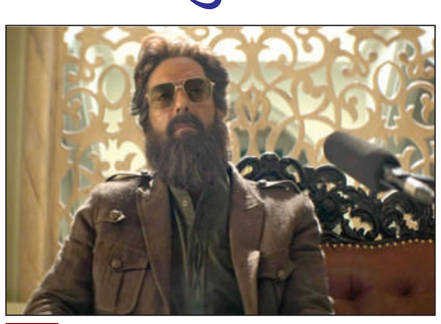

इंतज़ार आखिरकार खत्म हो गया है। फिल्म धुरंधर: द रिवेंज का बहुप्रतीक्षित ट्रेलर रिलीज़ हो गया है। ट्रेलर में रणवीर सिंह, अर्जुन रामपाल, संजय दत्त, आर माधवन और सारा अर्जुन जैसे कलाकार नजर आ रहे हैं। ट्रेलर में रणवीर सिंह के किरदार जस्किरत सिंह रंगी/हमजा मज़ारी और अर्जुन रामपाल के खतरनाक किरदार आईएसआई मेजर इकबाल के बीच बड़ी टक्कर की झलक दिखाई देती है। इस बार दांव पहले से ज्यादा बड़ा है और एक्शन भी पहले से ज्यादा दमदार नजर आ रहा है। अर्जुन रामपाल अपने ठंडे हावभाव, डरावनी मुस्कान, गोल्डन दांत और घनी दाढ़ी के साथ फिर से मेजर इकबाल के रूप में खौफ पैदा करते दिख रहे हैं। उनके डायलॉग और स्क्रीन प्रेज़ेंस कहानी में लगातार तनाव बनाए रखते हैं।

पहली फिल्म के बाद अब धुरंधर: द रिवेंज में मेजर इकबाल का किरदार और भी गहराई से सामने आएगा, जिसे देखने के लिए दर्शक काफी उत्साहित हैं।

जियो स्टूडियोज़ द्वारा प्रस्तुत और बी62 स्टूडियोज़ के बैनर तले बनी यह फिल्म 19 मार्च 2026 को रिलीज़ होगी। यह फिल्म हिंदी, तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ कुल पांच भाषाओं में रिलीज़ की जाएगी।

गुड़ी पड़वा और उगादी के मौके पर और ईद से पहले रिलीज़ हो रही यह हाई-ऑक्टेन स्पाई-एक्शन थ्रिलर आदित्य धर द्वारा लिखी, निर्देशित और प्रोड्यूस की गई है। फिल्म को ज्योति देशपांडे और लोकेश धर ने प्रोड्यूस किया है।

कई महीनों की चर्चाओं और दर्शकों की बढ़ती उत्सुकता के बाद अब 19 मार्च 2026 की रिलीज़ का काउंटडाउन शुरू हो चुका है।

हर दिन आपका है, अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर कंगना रनौत ने शेयर किया महिलाओं के नाम संदेश

अपने बेबाक बयानों के लिए प्रसिद्ध मंडी सांसद और बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत ने देश की सभी महिलाओं को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की बधाई दी है। अभिनेत्री का कहना है कि हर दिन महिलाओं का होता है और नारी महाशक्ति का स्वरूप है। कंगना रनौत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के जरिए सभी महिलाओं के नाम प्यारा संदेश लिखा। अभिनेत्री का कहना है कि महिलाओं के लिए अपनी शक्तियों को पहचानना बहुत जरूरी है और उनका सही उपयोग करना भी आना चाहिए। उन्होंने लिखा, हर दिन आपका दिन है। नारी होना एक महाशक्ति है। अपनी शक्तियों को पहचानें और समझें कि उनका उपयोग अपने लाभ के लिए कैसे करें, न कि कभी अपने ही विरुद्ध। उदार होने पर कभी पछतावा न करें, जो आप देते हैं वही आपको मिलता है, लेकिन यह शायद आपकी अपेक्षा के अनुसार न हो, इसलिए आगे बढ़ते रहें, मूर्ख बनने की चिंता न करें। उन्होंने आगे लिखा, हमेशा आशा रखें कि आप कभी किसी को मूर्ख न बनाएं या लोगों या परिस्थितियों का लाभ न उठाएं। खुशी की कुंजी यह है कि आप अपना सब कुछ अपने काम, अपने परिवार, अपने दोस्तों को दें, लेकिन याद रखें कि जो आप चाहते हैं वह किसी के पास नहीं है; आप केवल कृतज्ञता चाहते हैं और केवल आप ही खुद को इससे भर सकते हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात, उन्हें चुनें जिन्होंने आपको चुना है। उठो और चमको, प्यार करो और अपने स्वास्थ्य का ख्याल रखो। महिला दिवस की शुभकामनाएं।

बता दें कि कंगना की गिनती बेबाक एक्ट्रेसेस में होती है, और उनकी फिल्में भी महिलाओं को प्रेरणा देने वाली होती हैं। एक्ट्रेस की 'क्वीन', 'तेजस', 'पंगा', 'तनु वेड्स मनु', 'मणिकर्णिका', और 'सिमरन' जैसी फिल्मों को खूब सराहा गया। ये सभी फिल्में महिलाओं के अलग रूप और शक्ति को दिखाती हैं। जहां 'क्वीन' में कंगना ने एक अकेली लेकिन सशक्त महिला का रोल प्ले किया, वहीं 'मणिकर्णिका' में वे तेज-तर्रार योद्धा के रूप में दिखीं।

कंगना रनौत के अलावा, हिंदी सिनेमा से लेकर दक्षिण सिनेमा में भी सभी अभिनेता और अभिनेत्रियों ने महिला दिवस पर बधाई दी, जिनमें कमल हासन और अल्लू अर्जुन जैसे विख्यात कलाकार भी शामिल रहे।

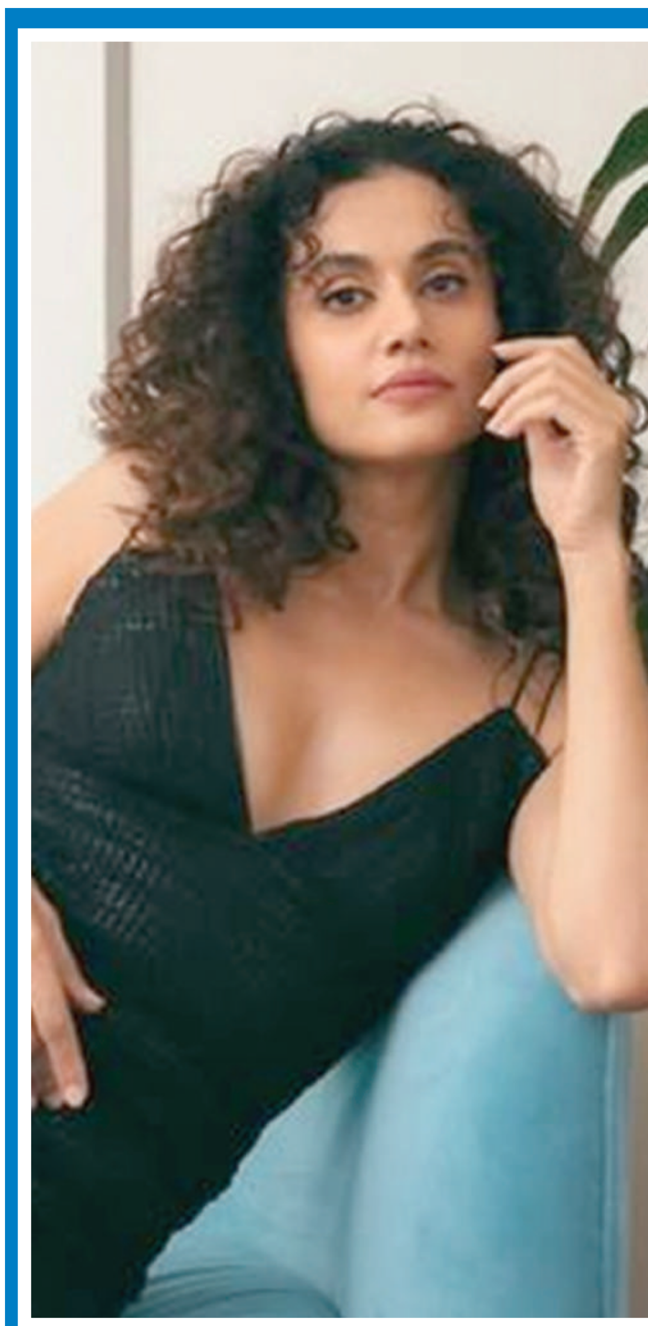

तापसी पन्नू ने विद्या बालन को बताया अपना 'हीरो', कहा

उनकी फिल्मों से मिला करियर में टिके रहने का भरोसा

हिंदी सिनेमा में हर कलाकार को किसी न किसी से प्रेरणा मिलती है, जिसकी मेहनत और काम देखकर वह आगे बढ़ने की हिम्मत पाता है। बॉलीवुड अभिनेत्री तापसी पन्नू के लिए ऐसी ही प्रेरणा विद्या बालन हैं। तापसी ने बताया कि विद्या बालन की फिल्मों ने उनके सोचने का तरीका बदल दिया। उन्होंने कहा कि जब वह हिंदी फिल्मों में अपना करियर शुरू कर रही थीं, तब विद्या बालन की कुछ फिल्मों ने उन्हें यह भरोसा दिया कि महिला कलाकार भी मजबूत कहानियों के साथ लंबे समय तक इंडस्ट्री में टिक सकती हैं। तापसी ने कहा, ''विद्या बालन ने सिर्फ फिल्मों में अभिनय नहीं किया, बल्कि उन्होंने यह भी दिखाया कि एक अभिनेत्री अपने दम पर कहानी को आगे बढ़ा सकती है। मेरे लिए विद्या बालन एक हीरो हैं। उनकी फिल्मों ने मुझे प्रेरित किया। जब मैंने 'द डर्टी पिक्चर' और 'कहानी' जैसी फिल्में देखीं, तो महसूस हुआ कि सिनेमा में महिलाओं के लिए भी मजबूत और अलग तरह की कहानियां बन सकती हैं। अगर ये फिल्में उस समय नहीं आई होतीं, तो शायद मेरे जैसे कई कलाकारों को यह विश्वास ही नहीं होता कि वे भी लंबे समय तक इंडस्ट्री में काम कर सकते हैं।''

उन्होंने कहा, ''उस समय मैं हिंदी सिनेमा में अपने करियर की शुरुआत कर रही थी और अक्सर यह सवाल मन में आता था कि एक अभिनेत्री का करियर कितने समय तक चल सकता है पर विद्या बालन की फिल्मों को सफल होते देख मेरा नजरिया पूरी तरह बदल गया। उनकी फिल्मों ने बताया कि कंटेंट-ड्रिवन सिनेमा में अभिनेत्री भी मुख्य भूमिका निभा सकती हैं और फिल्म की सफलता का केंद्र बन सकती हैं।''

दरअसल, विद्या बालन को हिंदी सिनेमा में महिला प्रधान फिल्मों के लिए जाना जाता है। पिछले दो दशकों में उन्होंने कई ऐसी फिल्मों में काम किया है, जिनमें कहानी का पूरा भार उनके किरदार पर टिका होता है। 'नो वन किल्ड जेसिका', 'तुम्हारी सुलु' और 'शेरनी' जैसी फिल्मों में उन्होंने अलग-अलग तरह के किरदार निभाए और अभिनय के जरिए दर्शकों का दिल जीत लिया। उनकी फिल्मों ने साबित किया कि बॉलीवुड में सिर्फ बड़े हीरो ही नहीं, बल्कि अच्छी कहानी और दमदार अभिनय भी फिल्म को सफल बना सकते हैं।

दिलचस्प बात यह है कि तापसी पन्नू और विद्या बालन एक साथ काम कर चुकी हैं। दोनों कलाकारों ने साल 2019 की चर्चित फिल्म 'मिशन मंगल' में एक साथ अभिनय किया था। इस फिल्म की कहानी भारत के ऐतिहासिक मार्स ऑर्बिटर मिशन से प्रेरित थी और इसमें वैज्ञानिकों की उस टीम को दिखाया गया था, जिसने इस मिशन को सफल बनाया। फिल्म में तापसी और विद्या दोनों ने वैज्ञानिकों का किरदार निभाया था।

'छाप तिलक' दिल के करीब खास है इसकी एनर्जी: मेधा शंकर

अविनाश तिवारी और मेधा शंकर की अपकमिंग फिल्म 'गिन्नी वेड्स सनी 2' का पहला गाना 'छाप तिलक' रिलीज हो चुका है। यह गाना रिलीज होते ही दर्शकों का दिल जीत रहा है। मेधा शंकर ने कहा कि यह गाना उनके दिल के बहुत करीब है और इसकी एनर्जी बेहद खास है। गाने में पारंपरिक भावना और मॉडर्न बीट्स का मेल है। फिल्म के पोस्टर लॉन्च के बाद मेकर्स ने इस हाई-एनर्जी ट्रैक को सोनी म्यूजिक के जरिए सभी स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध कराया है। गाने में अविनाश तिवारी और मेधा शंकर की जोड़ी की जबरदस्त केमिस्ट्री दिखाई देती है। साथ ही रैपर पैराडॉक्स की एंट्री गाने में आधुनिक टच जोड़ती है। तीनों की एनर्जी और मजेदार हुक स्टेप हैं। मेधा शंकर ने गाने की रिलीज पर खुशी जताते हुए कहा, मैं बहुत खुश हूं कि अब सब 'छाप तिलक' सुन पाएंगे। फिल्म का पहला गाना होने से इसकी एनर्जी बहुत खास है। यह मेरे दिल के करीब है और मैं खुद भी इस पर बार-बार थिरक रही हूं। हीर और अमान नूर ने इसे शानदार बनाया है। पैराडॉक्स के रैप ने और खास कर दिया। मुझे पूरा यकीन है कि यह इस सीजन का बड़ा डांस ट्रैक बनेगा।

अविनाश तिवारी ने कहा, फिल्म की कहानी को आगे बढ़ाने में संगीत बहुत महत्वपूर्ण होता है। 'छाप तिलक' हमारे लिए वही काम करता है। उम्मीद है कि यह लोगों की प्लेलिस्ट में जगह बनाएगा, जैसे मेरी प्लेलिस्ट में बना चुका है। सुनते ही खुद को नाचने से रोकना मुश्किल होगा।

यह गाना अमीर खुसरो के क्लासिक 'छाप तिलक सब छीनी' पर आधारित है, जिसे सिंगर-कंपोजर हीर ने गाया है। यह उनका बॉलीवुड डेब्यू है। अमान नूर ने कंपोजिशन और बोल लिखे हैं, जबकि पैराडॉक्स ने रैप से नया रंग भरा है। हीर ने कहा, हमने कोशिश की कि गाने में आत्मा भी रहे और डांस फ्लोर की एनर्जी भी। अमान के साथ काम और पैराडॉक्स का रैप इसे शानदरा बना देता है।

पैराडॉक्स ने कहा, मैं क्लासिक में कुछ नया लाना चाहता था। गाने की ग्रूवी एनर्जी त्योहारों के सीजन में खूब चलेगी।

अमान नूर ने बताया, क्लासिक को नए अंदाज में पेश करते समय पुरानी भावना और नया टच दोनों जरूरी हैं। हमने यही किया है।

रोमांटिक-कॉमेडी सीक्वल 'गिन्नी वेड्स सनी 2' जी स्टूडियोज की फिल्म है। निर्माता विनोद बच्चन और उमेश कुमार बंसल हैं। प्रशांत झा ने लेखन और निर्देशन किया है। फिल्म 24 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

10 को शीतला सप्तमी और 11 को होगी शीतलाष्टमी

होली के बाद सातवें और आठवें दिन देवी शीतला माता की पूजा की परंपरा है। इन्हें शीतला सप्तमी या शीतलाष्टमी कहा जाता है। शीतला माता का जिक्र स्कंद पुराण में मिलता है। पौराणिक मान्यता है कि इनकी पूजा और व्रत करने से चेचक के साथ ही अन्य तरह की बीमारियां और संक्रमण नहीं होता है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि चैत्र मास में शीतला माता के लिए शीतला सप्तमी 10 मार्च और अष्टमी 11 मार्च का व्रत-उपवास किया जाता है। इस व्रत में ठंडा खाना खाने की परंपरा है। जो लोग ये व्रत करते हैं, वे एक दिन पहले बनाया हुआ खाना ही खाते हैं। 9 और 10 मार्च को रांधा पुआ होगा। जहां पर शीतला सप्तमी मनाई जाएगी। वहां पर 9 मार्च को रांधा पुआ होगा। जहां पर शीतला अष्टमी मनाई जायेगी। वहां पर 10 मार्च को रांधा पुआ होगा। कहीं पर सप्तमी के दिन और कहीं पर अष्टमी के दिन ठंडा भोजन किया जाता है। दरअसल, ये समय शीत ऋतु के जाने का और ग्रीष्म ऋतु के आने का समय है। इस दौरान मौसमी बीमारियां होने की संभावनाएं बढ़ जाती हैं। शीतला सप्तमी और अष्टमी पर ठंडा खाना खाने से हमें मौसमी बीमारियों से लड़ने की शक्ति बढ़ती है। ऐसी मान्यता है।

बसौड़ा हिन्दू धर्म में एक महत्वपूर्ण त्योहार है। शीतला अष्टमी को 'बसौड़ा पूजा' के नाम से भी जाना जाता है। बसौड़ा पूजा, शीतला माता को समर्पित लोकप्रिय त्योहार है। यह त्योहार चैत्र मास की कृष्ण पक्ष की अष्टमी को मनाया जाता है। आमतौर पर यह होली के आठ दिनों के बाद पड़ता है लेकिन कई लोग इसे होली के बाद पहले सोमवार या शुक्रवार को मनाते हैं। बसौड़ा या शीतला अष्टमी का यह त्योहार उत्तर भारतीय राज्यों जैसे गुजरात, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में अधिक लोकप्रिय है। राजस्थान राज्य में शीतला अष्टमी का त्यौहार बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। इस अवसर मेलां व लोक संगीत के कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाता है। भक्त इस पर्व को बड़े ही हर्षोल्लास और भक्ति के साथ मनाते हैं। ऐसा माना जाता है कि इस चुने हुए दिन पर व्रत रखने से उन्हें कई तरह की बीमारियों से बचाव होता है।

बच्चों को बीमारियों से दूर रखने के लिए और उनकी खुशहाली के लिए इस त्योहार को मनाने की परंपरा बरसों से चली आ रही है। कुछ स्थानों पर शीतला अष्टमी को बासौड़ा भी कहा जाता है। इस दिन माता शीतला की बासी भोजन का भोग लगाने की परंपरा है और स्वयं भी प्रसाद के रूप में बासी भोजन ही करना होता है। नाम के अनुसार ही शीतला माता को शीतल चीजें पसंद हैं। मां शीतला का उल्लेख सर्वप्रथम स्कन्दपुराण में मिलता है। इनका स्वरूप अत्यंत शीतल है और कष्ट-रोग हरने वाली हैं। गधा इनकी सवारी है और हाथों में कलश, सूप, झाड़ू और नीम के पत्ते हैं। मुख्य रूप से इनकी उपासना गर्मी के मौसम में की जाती है।

शीतला सप्तमी और अष्टमी

कुछ जगह शीतला माता की पूजा चैत्र महीने के कृष्णपक्ष की सप्तमी को और कुछ जगह अष्टमी पर होती है। सप्तमी तिथि के स्वामी सूर्य और अष्टमी के देवता शिव होते हैं। दोनों ही उग्र देव होने से इन दोनों तिथियों में शीतला माता की पूजा की जा सकती है। निर्णय सिंधु ग्रंथ के मुताबिक इस व्रत में सूर्योदय व्यापिनी तिथि ली जाती है।

शीतला सप्तमी

वैदिक पंचांग के अनुसार, चैत्र माह के कृष्ण पक्ष की सप्तमी तिथि की शुरुआत 09 मार्च को देर रात 11:27 मिनट पर शुरू होगी और 10 मार्च को देर रात 01:54 मिनट पर समाप्त होगी। इस प्रकार यानी उदया तिथि से 10 मार्च को शीतला सप्तमी मनाई जाएगी। शीतला सप्तमी पर पूजा के लिए शुभ समय 10 मार्च को सुबह 06:24 मिनट से लेकर शाम 06:26 मिनट तक है। इस दौरान साधक देवी मां शीतला की पूजा कर सकते हैं।

शीतला सप्तमी शुभ योग

चैत्र माह के कृष्ण पक्ष की सप्तमी तिथि पर कई मंगलकारी योग बन रहे हैं। इस दिन हर्षण योग का संयोग सुबह 08:21 मिनट तक है। इसके साथ ही रवि योग का भी संयोग है। इन योग में मां शीतला की पूजा करने से शुभ कामों में सफलता एवं सिद्धि मिलेगी। साथ ही आरोग्यता का वरदान मिलेगा।

शीतला अष्टमी शुभ मुहूर्त

चैत्र माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि 10 मार्च को रात 01:54 मिनट पर हो रही है। वहीं इस तिथि का समापन अगले दिन 12 मार्च को सुबह 04:19 मिनट पर होगा। ऐसे में उदया तिथि के अनुसार इस साल शीतला अष्टमी का व्रत 11 मार्च को रखा जाएगा। इस दिन ही बसौड़ा मनाया जाएगा। चैत्र माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि पर मां शीतला की विशेष पूजा की जाती है। शीतला अष्टमी पर पूजा के लिए शुभ समय 11 मार्च को सुबह 06:03मिनट से लेकर शाम 05:56 मिनट तक है। इस दौरान साधक देवी मां शीतला की पूजा कर सकते हैं।

स्कन्द पुराण में माता शीतला की अर्चना का स्तोत्र 'शीतलाष्टक'

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

स्कन्द पुराण में माता शीतला की अर्चना का स्तोत्र 'शीतलाष्टक' के रूप में प्राप्त होता है। ऐसा माना जाता है कि- इस स्तोत्र की रचना स्वयं भगवान शंकर ने की थी। शास्त्रों में भगवती शीतला की वंदना के लिए यह मंत्र बताया गया है। मंत्र है-

वन्देऽहंशीतलांदेवीं रासभस्थांदिगम्बराम्।।
मार्जनीकलशोपेतां सूर्पालंकृतमस्तकाम्।।

अगर आप अपने घर की सुख-समृद्धि बनाये रखना चाहते हैं तो आपको स्नान आदि के बाद शीतला माता के इस मंत्र का 51 बार जप करना चाहिए। मंत्र इस प्रकार है- ऊँ ह्रीं श्रीं शीतलायै नमः। आज के दिन ऐसा करने से आपके घर की सुख-समृद्धि बनी रहेगी। साथ ही आपके परिवार के सदस्यों की सेहत भी अच्छी रहेगी।

अगर आप भय और रोग आदि से छुटकारा पाना चाहते हैं तो आपको देवी शीतला के इस मंत्र का 21 बार जप करना चाहिए। मंत्र है-

वन्देऽहं शीतलां देवीं सर्वरोग भयापहम्।
यामासाद्य निवर्तेत विस्फोटक भयं महत्।।

अगर आप अच्छे स्वास्थ्य की कामना रखते हैं। साथ ही लंबी आयु का वरदान पाना चाहते हैं, तो आपको शीतलाष्टक स्त्रोत में दी गई इन पंक्तियों का जाप करना चाहिए। पंक्तियां इस प्रकार हैं-

मृणाल तन्तु सदृशीं नाभि हृन्मध्य संस्थिताम्।
यस्त्वां संचिन्त येद्देवि तस्य मृत्युर्न जायते।।

ऐसी प्राचीन मान्यता है कि जिस घर की महिलाएं शुद्ध मन से इस व्रत को करती है, उस परिवार को शीतला देवी धन-धान्य से पूर्ण कर प्राकृतिक विपदाओं से दूर रखती हैं। मां शीतला का पर्व किसी न किसी रूप में देश के हर कोने में मनाया जाता है।

ठंडा खाने की परंपरा

शीतला माता का ही व्रत ऐसा है जिसमें शीतल यानी ठंडा भोजन करते हैं। इस व्रत पर एक दिन पहले बनाया हुआ भोजन करने की परंपरा है। इसलिए इस व्रत को बसौड़ा या बसियौरा भी कहते हैं। माना जाता है कि ऋतुओं के बदलने पर खान-पान में बदलाव करना चाहिए है। इसलिए ठंडा खाना खाने की परंपरा बनाई गई है। धर्म ग्रंथों के मुताबिक शीतला माता की पूजा और इस व्रत में ठंडा खाने से संक्रमण और अन्य बीमारियां नहीं होती। पश्चिमी उत्तर प्रदेश और राजस्थान व मध्य प्रदेश के कुछ समुदाय के लोग इस त्योहार को बासौड़ा कहते हैं। जो कि बासी भोजन के नाम से लिया गया है। इस त्योहार को मनाने के लिए लोग सप्तमी की रात को बासी भोजन तैयार कर लेते हैं और अगले दिन देवी को भोग लगाने के बाद ही स्वयं ग्रहण करते हैं। कहीं पर हलवा पूरी का भोग तैयार किया जाता है तो कुछ स्थानों पर गुलगुले बनाए जाते हैं। कुछ स्थानों पर गन्ने के रस की बनी खीर का भोग भी शीतला माता को लगाया जाता है। इस खीर को भी सप्तमी की रात को ही बना लिया जाता है।

बीमारियों से बचने के लिए व्रत

माना जाता है कि देवी शीतला चेचक और खसरा जैसी बीमारियों को नियंत्रित करती हैं और लोग उन बीमारियों को दूर करने के लिए उनकी पूजा करते हैं।

सुख-समृद्धि के लिए व्रत

हिन्दू धर्म के अनुसार सप्तमी और अष्टमी तिथि पर महिलाएं अपने परिवार और बच्चों की सलामती के लिए और घर में सुख, शांति के लिए बासौड़ा बनाकर माता शीतला को पूजती है। माता शीतला को बासौड़ा में कढ़ी-चावल, चने की दाल, हलवा, बिना नमक की पूड़ी चढ़ावे के एक दिन पहले ही रात में बना लेते हैं। अगले दिन ये बासी प्रसाद देवी को चढ़ाया जाता है। पूजा के बाद महिलाएं अपने परिवार के साथ प्रसाद ग्रहण करती हैं।

पौराणिक कथा

एक बार की बात है, प्रताप नगर में गांववासी शीतला माता की पूजा-अर्चना कर रहे थे और पूजा के दौरान गांव वालों ने गर्म नैवेद्य माता शीतला को चढ़ाया। जिससे देवी का मुंह जल गया। जिससे गांव में आग लग गई। लेकिन एक बुढ़िया का घर बचा गया था। गांव वालों ने बुढ़िया से घर न जलने की वजह पूछी तो बताया कि उसने माता शीतला को ठंडा प्रसाद खिलाया था और कहा कि मैंने रात को ही प्रसाद बनाकर ठंडा बासी प्रसाद माता को खिलाया। जिससे देवी ने प्रसन्न होकर मेरे घर को जलने से बचा लिया। बुढ़िया की बात सुनकर गांव वालों ने अगले पक्ष में सप्तमी/अष्टमी के दिन उन्हें बासी प्रसाद खिलाकर माता शीतला का बसौड़ा पूजन किया।

शत्रु संहार और दारिद्र्य नाश के साथ ही भक्तों की रक्षा करती हैं माता धूमावती

दशमहाविद्याओं में अपने विशेष स्वरूप के कारण माता धूमावती अलग ही दृष्टिगोचर होती हैं, इन्हें अलक्ष्मी कहते हैं क्योंकि ये धनहीन हैं, पति रहित होने के कारण विधवा कही जाती हैं, भयानक आकृति वाली होती हुई भी अपने भक्तों के लिये सदा तत्पर रहती हैं। सभी महाविद्याओं में धूमावती का रूप अत्यंत विद्रुप है। इन्होंने ऐसा रूप शत्रुओं के हृदय में भय-संचार के लिए अपना रखा है। इनका अंतर यद्यपि करुणा पूर्ण है, किंतु बाह्य रूप अत्यंत ही विकट है। विधवा हैं, वर्ण विवर्ण है, यह मलिन वस्त्र धारण करती हैं। केश उन्मुक्त और रुक्ष हैं।

इनके रथ के ध्वज पर काक का चिन्ह है तथा इनके पयोधर शिथिल और लटके हुए हैं। इन्होंने हाथ में शूर्प धारण कर रखा है। इनकी नाक बडी एवं फैली है तथा नेत्र कुटिल हैं। यह क्षुधा एवं पिपासा से सदैव पीडित रहती हैं (शत्रुओं के भक्षण एवं उनके रक्त-पान के लिए) यह भय-कारक एवं कलह-प्रिय हैं। जगत की अमांगल्यपूर्ण अवस्था की अधिष्ठात्री के रूप में ये देवी त्रिवर्णा, विरलदंता, चंचलाविधवा, मुक्तकेशी, शूर्पहस्ता, कलहप्रिया, काकध्वजिनी आदि विशेषणों से वर्णित हैं।

नैमिषारण्य काली पीठ में स्थित माता धूमावती का प्रसिद्ध मंदिर है, जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु माता धूमावती के दर्शन कर उन्हें धार्मिक मान्यता के अनुरूप काले तिल की पोटली व नारियल का गोला अर्पित कर मन्नत मांगते हैं। मां धूमावती का अष्टनामात्मक स्तोत्र पढ़ने से सर्वार्थ की सिद्धि होती है अतः भक्तों को श्रद्धा-विश्वास से धूमावती स्तोत्र का पाठ कर भगवती कृपा प्राप्त करनी चाहिए।

भद्रकाली महाकाली डमरूवाद्यकारिणी।
स्फारितनयना चैव टकटंकितहासिनी।।
धूमावती जगत्कर्ती शूर्पहस्ता तथैव च।
अष्टनामात्मकं स्तोत्रं यः पठेद्भक्तिसंयुक्तः।
तस्य सर्व्वार्थसिद्धिः स्यात्सत्यं सत्यं हि पार्वति।।

वास्तव में जीव को शिव तत्व से ज्ञान प्राप्त कराकर शिव में मिला देना और सभी कुछ प्रदान कर देना यही इनकी विशेषता है। इनकी साधना बिना योग्य गुरु के कभी भूल से भी नहीं करनी चाहिए, मोह का जो नाश कर दे वही धूमावती हैं। जीवन के हर क्षेत्र में व्यक्ति मोह से ग्रसित है जिसके कारण सभी के अंदर दैविक शक्ति के साथ आसुरी शक्ति भी विद्यमान है इस आसुरी शक्ति के मोह का यह नाश करती हैं तभी व्यक्ति अध्यात्म के डगर पर श्रद्धा से निर्भीक होकर पैर बढ़ाता हैं। माता धूमावती शत्रु संहार और दारिद्र्य नाश के साथ ही भक्तों की रक्षा करती हैं।

19 मार्च से हिंदू नव वर्ष आरंभ

राजा गुरु का ऐसा रहेगा प्रभाव

हिंदू नव वर्ष का आरंभ होने वाला है। दरअसल, चैत्र मास की शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से हिंदू नव वर्ष का आरंभ होगा। हिंदू नव वर्ष वैदिक कैलेंडर के हिसाब से तय किया जाता है। हिंदू कैलेंडर का नाम विक्रमी संवत है। इस साल विक्रमी संवत 2083 का आरंभ होगा। हिंदू नव वर्ष का आरंभ 19 मार्च से होने वाला है।

नव विक्रमी संवत् 2083 का आरंभ 19 मार्च 2026 को हो रहा है। संवत 2083 का नाम रौद्र होगा। बता दें कि हिंदू नव वर्ष का आरंभ उत्तराभाद्रपद नक्षत्र में और शुक्ल योग में मीन लग्न में होगा। शास्त्रों और प्रचलित परंपरा के अनुसार, नवसंवत के राजा का निर्णय चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के वार अनुसार ही किया जाता है। गुरुवार से नव संवत का आरंभ होने के कारण आगामी वर्ष (संवत्) का राजा 'गुरु' होंगे। साथ ही इस संवत का मंत्री मंगल होंगे।

रौद्र संवत का प्रभाव

मध्यसस्या भवेद्धात्री सामान्येन प्रवर्तनम् ।
दुर्मतीनां महत्त्वं स्याद् दुर्मतौ वर्णसंक्रमः ।।

इसका मतलब है कि रौद्र नामक वर्ष संवत का आरंभ होने का अर्थ है कि इस वर्ष बारिश पहले के मुकाबसे थोड़ा कम होगी। जिसका असर फसल पर भी दिखाई देगा। यानी इस साल फसलों का किमतों में भारी उछाल आएगा। संवत की गणना के अनुसार, इस साल सरकार कुछ ऐसा फैसले ले सकती है कि जिससे जनता में व्याकुलता बढ़ेगी। विभिन्न देशों के राष्ट्राध्यक्षों में वाद विवाद और विरोध होने की संभावनाएं हैं। जंगल या खलियानों में आग आदि लगने की आशंका है।

क्यों चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से ही आरंभ होता हिंदू नव वर्ष?

ब्रह्म पुराण के अनुसार, चैत्र शुक्ल प्रतिपदा तिथि को सूर्योदय के समय ही ब्रह्माजी ने इस सृष्टि की रचना की थी। इसके अलावा सतयुग का आरंभ भी इसी दिन हुआ था। इसी महत्व के कारण महामहिम सार्वभौम सम्राट विक्रामादित्य जी ने भी अपने संवत्सर का आरंभ चैत्र शुक्ल प्रतिपगा के दिन सूर्योदय के समय माना था। बता दें कि चैत्र शुक्ल प्रतिपदा तिथि जिन दिन होती है उस दिन के वार के अनुसार, ही हिंदू नव वर्ष का राजा तय किया जाता है अगर यह तिथि दो दिन लग रही हो तो पहले दिन के वार स्वामी को ही वर्ष का राजा माना जाता है।

हथेली में मौजूद मंगल पर्वत बताता है भविष्य और व्यक्तित्व

हस्तरेखा विज्ञान से जानें मंगल पर्वत की खास बातें

हस्तरेखा विज्ञान में हथेली की रेखाओं, पर्वत, बनावट आदि के बारे में बहुत कुछ बताया गया है। शास्त्र के अनुसार, किसी व्यक्ति की रेखाओं और ग्रहों के पर्वतों को देखकर उसके व्यक्तित्व और जीवन के बारे में काफी कुछ जाना जा सकता है। हथेली में मंगल पर्वत का बहुत खास महत्व बताया गया है। यह हथेली में दो प्रकार के होते हैं जिन्हें उन्नत और अवनत मंगल कहा जाता है। जीवन रेखा के नीचे और अंगूठे के बीच के स्थान को मंगल पर्वत कहते हैं। हस्तरेखा विज्ञान में इसे युद्ध का प्रतीक माना गया है। वहीं, दूसरा मंगल हृदय और मस्तिष्क रेखा के बीच वाला स्थान होता है।

पूर्ण विकसित मंगल पर्वत

जिन जातकों की हथेली में मंगल पर्वत पूरी तरह विकसित यानी बलवान होता है। वे साहसी और निडर व्यक्तित्व के होते हैं। ऐसे लोगों के जीवन में संतुलन और दृढ़ता देखने को मिल सकती है। ऐसे लोग मुश्किल परिस्थितियों का सामना भी डटकर करते हैं और उनका समाधान खोज लेते हैं। ये अपने जीवन में कई साहसिक निर्णय ले सकते हैं। इन्हें अपने जीवन में अन्याय पसंद नहीं होता है। हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार, मंगल पर्वत बलवान होने पर ऐसे व्यक्ति मिलिट्री या पुलिस विभाग में ऊंचे पर पहुंच सकते हैं। ये लोग समाज में नेतृत्व करने की भी क्षमता रखते हैं।

मंगल पर्वत का शुक्र की ओर झुकाव

अगर हथेली में मंगल पर्वत का झुकाव शुक्र की ओर हो तो ऐसे जातक अगर किसी से मित्रता कर लें तो उसके लिए कोई भी बलिदान करने के लिए तैयार रहते हैं। इसी तरह अगर इनका कोई शत्रु हो तो यह उनसे शत्रुता वाला ही व्यवहार करते हैं। हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार, ऐसे लोग रॉयल जीवन व्यतीत करना पसंद करते हैं। तथा इन्हें अपनी शान-शौकत दिखाना भी प्रिय होता है। अगर इनका कोई काम अटक जाए तो उसे पूरा करवाने में भी ये माहिर हो सकते हैं।

अत्यधिक विकसित मंगल पर्वत

हथेली में मंगल पर्वत अगर जरूरत से अधिक विकसित हो, तो इसे शुभ नहीं माना जाता है। हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार, ऐसे जातकों को कोई भी फैसला सोच-समझकर लेना चाहिए। ये स्वभाव से एकांत प्रिय होते हैं और समाज में कम घुलना मिलना पसंद करते हैं। ये किसी भी मामले में हार मानना पसंद नहीं करते हैं। अत्यधिक विकसित मंगल पर्वत का होना इस बात का संकेत हो सकता है की ऐसे जातक स्वभाव से थोड़े जिद्दी होते हैं। अगर ये किसी चीज के बारे में ठान लें तो उसे पूरा करके ही छोड़ते हैं। ये अपने अधिकार प्राप्त करने वाले होते हैं।

बलवान मंगल पर्वत और लाल हथेली

हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार, अगर हथेली में पर्वत अच्छी तरह विकसित हो और हथेली का रंग भी लालिमा लिए हुए हो तो इसे शुभ माना जाता है। मान्यता है की ऐसे जातक अपने करियर में ऊंचा पद हासिल कर सकते हैं। ऐसे व्यक्ति अपने जीवन में संघर्षों और परेशानियों से नहीं घबराते हैं। बल्कि इन्हें पार करते हुए अपने लक्ष्य पर पूरा ध्यान लगाए रखते हैं। साथ ही, सफलता भी प्राप्त करते हैं। वहीं, अगर हथेली का रंग पीला हो तो इसे शुभ नहीं माना जाता है। ऐसे जातकों कोई भी काम सतर्कता के साथ करना आवश्यक माना गया है।

जब ग्रह खराब होता है तो लाभ की बातें भी समझ में नहीं आती हैं

अच्छे से अच्छी बात को भी कभी-कभी जो कान केवल सुन भर लेते हैं, उनकी ओर व्यक्ति का मनोयोग नहीं होता, यानी व्यक्ति सुनकर भी उनका पालन नहीं करता है। इसलिए नीति शास्त्रों के विद्वानों के अनुसार हमें यह आशा कदापि नहीं करनी चाहिए कि केवल कल्याणकारी उपदेश देने अथवा कहने मात्र से किसी व्यक्ति का उपकार हो जाए अथवा अच्छी बातों के प्रभाव से कोई निष्ठुर व्यक्ति दयावान बन जाए या कोई हेरा-फेरी करने वाले तुरन्त साधु हो जाए। अगर कारण देखा जाए तो वह यह है कि आप किसी को कितनी भी अच्छी ज्ञानवर्धक अथवा नीति परख बात बता दें, जब तक उन बातों की छाप मानस पटल पर न उभरे, तब तक वह सब लाभप्रद बातें भी उसके लिए निरर्थक ही रहती हैं। कोई मार्मिक चित्र सामने न पाकर मानव हृदय उन कल्याणकारी बातों की अनुभूति की ओर प्रवृत्त ही नहीं हो पाता।

ज्योतिष जगत में भी यह देखा गया है कि जब व्यक्ति के ऊपर खराब ग्रहदशा का प्रभाव रहता है, तो उस व्यक्ति को कितनी भी कल्याणकारी बातों का सुझाव क्यों न दिया जाए, अनिष्ट ग्रह के प्रभाव से उस व्यक्ति को अपने कल्याण से सम्बन्धित बातें समझ में नहीं आती हैं, इसलिए ग्रह खराब होने पर उनके प्रभाव को कम करना

एक दुष्कर कार्य है। इसलिए गुरु बनाना आवश्यक है, क्योंकि ग्रह खराब होने पर भी जो अपने गुरु की बात को बिना संशय के क्रियान्वित करते हैं, उनके सभी निर्णय सफल होते हैं, जिसके कारण असफलता का मुंह उन्हें नहीं देखना पड़ता।

अक्सर देखने-सुनने में आता है कि बड़े-बुजुर्ग कल्याणकारी बात बताते हैं कि, व्यक्ति को परोपकार करना चाहिए, दूसरों पर दया करो, चोरी करना पाप है इत्यादि। परन्तु जितने भी लोग इन बातों को सुनते हैं, वे अक्सर एक कान से सुनकर दूसरे कान से निकाल देते हैं। मनोवैज्ञानिकों के अनुसार जब तक ऐसे वाक्यों का मर्म व्यक्ति के हृदय तक नहीं पहुंचता है, तब तक कितनी भी ज्ञान भरी बात बता दी जाए, वह ऊपर ही ऊपर रह जाती है। जब तक बात व्यक्ति के अंतर्मन तक न पहुंच जाए, तब तक वह बात अथवा कार्य क्रियान्वित नहीं होता है।

संपादकीय

पश्चिम एशिया में सुलगती चिंगारी

पश्चिम एशिया एक बार फिर विनाशकारी युद्ध के मुहाने पर आ खड़ा हुआ है। अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर किए गए समन्वित सैन्य प्रहार ने केवल क्षेत्रीय संतुलन को ही नहीं झकझोरा है, बल्कि पूरी दुनिया को एक संभावित वैश्विक संकट की ओर धकेल दिया है। यह हमला केवल किसी परमाणु खतरे को टालने की कोशिश नहीं, बल्कि पश्चिम एशिया की राजनीति को बलपूर्वक अपने सांचे में ढालने और तेहरान में संभावित सत्ता परिवर्तन की एक सुनियोजित चाल प्रतीत होता है। इतिहास गवाह है कि इराक और अफगानिस्तान जैसे देशों में बाहरी हस्तक्षेप ने केवल अनियंत्रित अस्थिरता को ही जन्म दिया है। सर्वोच्च नेतृत्व को निशाना बनाने की कोशिश और अंतरराष्ट्रीय कानूनों की अनदेखी एक स्पष्ट शक्ति प्रदर्शन है। अब जब ईरान निर्णायक पलटवार की कसम खा रहा है, तो यह तय है कि यह आग केवल तेहरान तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि खाड़ी देशों और वहां मौजूद विदेशी ठिकानों तक फैलेगी। इस टकराव का सबसे भयावह आर्थिक पहलू होर्मुज जलडमरूमध्य की सुरक्षा से जुड़ा है। यदि इस सामरिक समुद्री मार्ग पर कोई भी अवरोध उत्पन्न होता है, तो दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति की रीढ़ टूट जाएगी। भारत जैसे विकासशील देश, जो अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए बड़े पैमाने पर आयात पर निर्भर हैं, इस संकट से सीधे तौर पर प्रभावित होंगे। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें न केवल महंगाई को बेलगाम करेंगी, बल्कि राजकोषीय घाटे और आम नागरिक की जेब पर भी भारी दबाव डालेंगी। इसके अलावा, हवाई क्षेत्र बंद होने और अस्थिरता बढ़ने से पश्चिम एशिया में रह रहे लाखों प्रवासी भारतीयों की सुरक्षा हमारे लिए कूटनीतिक नहीं, बल्कि एक बड़ा मानवीय दायित्व बन गई है। इस सैन्य कार्रवाई ने विश्व बिरादरी को भी स्पष्ट खेमों में बांट दिया है, जो एक बहुध्रुवीय युद्ध की आशंकाओं को जन्म देता है। एक ओर जहां ऑस्ट्रेलिया जैसे देश अमेरिका के समर्थन में खड़े हैं, तो रूस ने इस हमले की कड़ी निंदा करते हुए इसे संयुक्त राष्ट्र के एक संप्रभु देश के खिलाफ अकारण और पूर्व नियोजित सशस्त्र आक्रामकता करार दिया है। रूस का यह स्पष्ट आरोप कि वाशिंगटन और तेल अवीव परमाणु चिंताओं की आड़ में सत्ता परिवर्तन की कोशिश कर रहे हैं, हालात की गंभीरता को और बढ़ाता है। फ्रांस, यूरोपीय संघ, स्पेन और पाकिस्तान जैसे देशों ने तत्काल कूटनीति की ओर लौटने और तनाव कम करने की अपील की है। वहीं, ब्रिटेन ने इन हमलों में किसी भी प्रकार की भागीदारी से इनकार करते हुए अपने नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताया है। इस वैश्विक संकट की घड़ी में भारत का रुख बेहद संतुलित और कूटनीतिक परिपक्वता से भरा है। भारत ने इस पूरे घटनाक्रम पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए सभी पक्षों से संयम बरतने, कूटनीति का मार्ग अपनाने, आम लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और एक-दूसरे की क्षेत्रीय अखंडता व संप्रभुता का सम्मान करने की सख्त अपील की है। आज विश्व को शक्ति प्रदर्शन और सैन्य आक्रामकता की नहीं, बल्कि संवाद, संयम और दूरदर्शी कूटनीति की आवश्यकता है। आक्रामकता से किसी एक पक्ष को अस्थायी बढ़त भले ही मिल जाए, लेकिन यह स्थायी शांति का विकल्प कभी नहीं हो सकती।

अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर किए गए समन्वित सैन्य प्रहार ने केवल क्षेत्रीय संतुलन को ही नहीं झकझोरा है, बल्कि पूरी दुनिया को एक संभावित वैश्विक संकट की ओर धकेल दिया है। यह हमला केवल किसी परमाणु खतरे को टालने की कोशिश नहीं, बल्कि पश्चिम एशिया की राजनीति को बलपूर्वक अपने सांचे में ढालने और तेहरान में संभावित सत्ता परिवर्तन की एक सुनियोजित चाल प्रतीत होता है। इतिहास गवाह है कि इराक और अफगानिस्तान जैसे देशों में बाहरी हस्तक्षेप ने केवल अनियंत्रित अस्थिरता को ही जन्म दिया है। सर्वोच्च नेतृत्व को निशाना बनाने की कोशिश और अंतरराष्ट्रीय कानूनों की अनदेखी एक स्पष्ट शक्ति प्रदर्शन है। अब जब ईरान निर्णायक पलटवार की कसम खा रहा है, तो यह तय है कि यह आग केवल तेहरान तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि खाड़ी देशों और वहां मौजूद विदेशी ठिकानों तक फैलेगी। इस टकराव का सबसे भयावह आर्थिक पहलू होर्मुज जलडमरूमध्य की सुरक्षा से जुड़ा है। यदि इस सामरिक समुद्री मार्ग पर कोई भी अवरोध उत्पन्न होता है, तो दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति की रीढ़ टूट जाएगी। भारत जैसे विकासशील देश, जो अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए बड़े पैमाने पर आयात पर निर्भर हैं, इस संकट से सीधे तौर पर प्रभावित होंगे। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें न केवल महंगाई को बेलगाम करेंगी, बल्कि राजकोषीय घाटे और आम नागरिक की जेब पर भी भारी दबाव डालेंगी। इसके अलावा, हवाई क्षेत्र बंद होने और अस्थिरता बढ़ने से पश्चिम एशिया में रह रहे लाखों प्रवासी भारतीयों की सुरक्षा हमारे लिए केवल कूटनीतिक नहीं, बल्कि एक बड़ा मानवीय दायित्व बन गई है।

यहूदी देश इजरायल को इस्लाम का दुश्मन घोषित करते हुए ईरान राष्ट्र का लक्ष्य धरती से उसका नामोनिशान मिटाना हो गया

खामेनेई का अंत और इस्लामी क्रांति

अवधेश कुमार

इस्लामी शासन होने के कारण वे व्यावहारिक रूप से ईरान के सर्वोच्च नेता थे। राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन की भूमिका खामेनेई की नीतियों के क्रियान्वयन की रही है। अयातुल्लाह होने के कारण उन्हें विश्व भर के शिया मुसलमान अपने शीर्ष मजहबी नेता के रूप में देखते थे। पाकिस्तान, ईरान, भारत सहित कई देशों में शिया मुसलमानों का विरोध सामने है। किंतु यहां महत्वपूर्ण बात यह है कि ईरान के एक भी पड़ोसी देश ने ईरान का पक्ष नहीं लिया है। हालांकि पिछले वर्ष जून में पहले इजरायल और बाद में अमेरिका के हमले के समय अटकलें लगी थी कि शायद वे देश छोड़कर चले गए। ऐसा हुआ नहीं। इस घटना की संपूर्ण परिणतियों का स्पष्ट पूर्वावलोकन अभी कठिन है।

अमेरिका और इजरायल के संयुक्त हमले में ईरान के सर्वोच्च मजहबी नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई का मारा जाना 21वीं सदी की ऐसी बड़ी घटना है जिसका प्रभाव कई रूपों में संपूर्ण विश्व पर पड़ेगा। इस्लामी शासन होने के कारण वे व्यावहारिक रूप से ईरान के सर्वोच्च नेता थे। राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन की भूमिका खामेनेई की नीतियों के क्रियान्वयन की रही है। अयातुल्लाह होने के कारण उन्हें विश्व भर के शिया मुसलमान अपने शीर्ष मजहबी नेता के रूप में देखते थे। पाकिस्तान, ईरान, भारत सहित कई देशों में शिया मुसलमानों का विरोध सामने है। किंतु यहां महत्वपूर्ण बात यह है कि ईरान के एक भी पड़ोसी देश ने ईरान का पक्ष नहीं लिया है। हालांकि पिछले वर्ष खामेनेई ने संपूर्ण विश्व के मुसलमानों की एकता का आह्वान किया था। ईरान और उसके बाहर उनके समर्थकों की कल्पना में कभी उनके इस तरह की मौत की बात नहीं आई होगी। हालांकि पिछले वर्ष जून में पहले इजरायल और बाद में अमेरिका के हमले के समय अटकलें लगी थी कि शायद वे देश छोड़कर चले गए। ऐसा हुआ नहीं। इस घटना की संपूर्ण परिणतियों का स्पष्ट पूर्वावलोकन अभी कठिन है। इतना स्पष्ट कहा जा सकता है कि ईरान में 1979 से इस्लामी क्रांति का एक दौर तत्काल समाप्त हो गया है। ऐसा नहीं है कि इस्लामी क्रांति के बाद हुए परिवर्तनों, स्थापित ढांचे, विचारधारायें समाप्त हो गई हैं पर कम से कम उस रूप में आने वाले लंबे समय तक मुक्त और स्वतंत्र शिया इस्लामी शासन नहीं हो सकता। यह कथन सामान्य क्रांतियों के संदर्भ में है कि क्रांति के शिशु ही क्रांति को खा जाते हैं। ईरान के इस्लामी क्रांति के बारे में भी तत्काल यह निष्कर्ष सही दिखता है। सामान्यतः आम इस्लामी देशों से थोड़ा उदार और खुले जीवन जीने वाले ईरान में 1979 के इस्लामी क्रांति और अयातुल्लाह के सर्वोच्च नेता के रूप में स्थापना संपूर्ण विश्व की दृष्टि से एक नई घटना थी। इसमें केवल ईरान नहीं संपूर्ण अरब और कुछ मायनों में इससे बाहर भी गैर इस्लामी या इस्लाम विरोधी शासकों के अंत और इसके विस्तार का विचार प्रबल था। यहूदी देश इजरायल को इस्लाम का दुश्मन घोषित करते हुए ईरान राष्ट्र का लक्ष्य धरती से उसका नामोनिशान मिटाना हो गया। अमेरिका और उसके नेतृत्व वाले पश्चिमी देशों को शैतान कहा गया। यह व्यावहारिक तौर पर विश्व में एक इस्लामी विद्रोह की सत्ता का स्वरूप था। सच कहें तो इसी अतिवादी भाव के व्यवहार ने ईरान को उस अवस्था में पहुंचा दिया जहां उसका शांत, स्थिर, सशक्त और सुरक्षित रहना असंभव था। जब आप किसी एक देश के धरती पर नहीं रहने के अधिकार की घोषणा करेंगे और उसके अनुसार देश का व्यवहार होगा, बाहर अलग-अलग हिंसक समूह पैदा कर उसकी मदद करेंगे तो इसकी प्रतिक्रिया आपको झेलनी पड़ेगी। आखिर कोई देश ऐसे शासन को कायम रहने देने के पक्ष में क्यों होगा जो उसके अंत को अपना लक्ष्य बनाकर काम कर रहा हो? इस्लामी क्रांति के साथ 1979 में अमेरिकी दूतावास पर हमले और उसके बाद की तस्वीरें

आज भी सिहरन पैदा करती हैं। अमेरिकी कर्मचारियों के हाथ बांध कर बाहर लाया गया, वे बंधक बनाये गये। तब से हर अमेरिकी राष्ट्रपति की कामना होती थी ईरान से इस्लामी शासन का अंत हो। तत्कालीन ईरानी शासक राजा शाह पहलवी को अपने परिवार और समर्थकों के साथ अमेरिका में शरण लेनी पड़ी। आज उनके पुत्र रेजा शाह पहलवी और परिवार अमेरिका में ही है। पिछले लगभग 3 महीने से ईरान के अंदर विरोध प्रदर्शनों में हमने देखा कि लोग उनकी तस्वीरें लिए वापस आओ के नारे लगा रहे थे। ये लोग अमेरिका से भी हस्तक्षेप की भी मांग कर रहे थे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने विरोधियों का समर्थन किया, ईरान को चेतावनी दी पर तत्काल सीधा हस्तक्षेप नहीं किया। कुछ वक्तव्यों और घटनाओं से लग रहा था कि डोनाल्ड ट्रंप इस बार परिणामकारी सैन्य हस्तक्षेप करने की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने खामेनेई शासन को चेतावनी दी, न्यूक्लियर कार्यक्रमों को समाप्त करने की शर्तें रखी, ओमान में बातचीत भी आरंभ की किंतु सब रणनीति के तहत था। उसके साथ-ईरान के आसपास अब्राहम लिंकन जैसा सबसे बड़ा नौसैनिक बेरा और अन्य तैयारी होती रही। दरअसल, 7 अक्टूबर ,2023 को हमास द्वारा उत्सव मना रहे निर्दोष निरपराध यहूदियों पर हमला कर लगभग 1200 लोगों का सरेआम कत्लेआम और बंधक बना लेने की घटना ने पश्चिम एशिया खासकर ईरान इजरायल ,ईरान अमेरिका संबंधों को ऐसे मोड़ पर ला दिया जिसे अयातुल्लाह सहित उनके परिवार के अनेक सदस्यों ,प्रमुख कमांडरों और रक्षा मंत्री आदि की मृत्यु की पृष्ठभूमि माना जा सकता है। गाजा में हमास , लेबनान में हिजबुल्लाह, यमन में हुती अयातुल्लाह के ईरान के ही गैर राज्यीय आतंकवादी समूह हैं। उस घटना ने विश्व के हर विवेकशील व्यक्ति और संतुलित राष्ट्रों को अंदर से हिला दिया। हालांकि यहूदियों के विरुद्ध इस्लामी मजहबी भाव को देखते हुए मुस्लिम देशों में आम भाव ऐसा नहीं था किंतु ईरान की तरह भूमिका दूसरे की नहीं थी। इजरायल और अमेरिका का ऑपरेशन तभी से आगे बढ़ने लगा। लेबनान में हिजबुल्लाह तथा गाजा में हमास को पूरी तरह समाप्त करने के लक्ष्य से इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतान्याहू ने कार्रवाई आरंभ की। हिजबुल्लाह प्रमुख नजीबुल्लाह और उसके ज्यादातर शीर्ष साथियों की मृत्यु ,उसके केंद्र काफी हद तक नष्ट होने आदि के साथ उसकी शक्ति इतनी क्षीण हो गई कि पहले की तरह संघर्ष नहीं कर सकते थे। गाजा में भी संघर्ष जारी रहा और अपने लोगों को सुरक्षित लाने की विवशता रहते हुए भी इजरायल ने हमास के ढांचे को जितना संभव था अंत करने की कोशिश की। डोनाल्ड ट्रंप के शासन में आने के बाद कुछ समय के लिए लगा कि शायद इजरायल की उनको लेकर अपेक्षाएं गलत साबित हो सकतीं हैं। लेकिन 22 जून 2025 को अमेरिका के शक्तिशाली जीबी 57ए/ बी मैसिव ऑर्डिनेंस पेनिट्रेट या एमोपी जिसे बंकर बस्टर बम भी कहा जाता है, के हमलों में ईरान के तीन महत्वपूर्ण फोर्डो, नतांज और इस्फाहान न्यूक्लियर ठिकानों को नष्ट किया। वस्तुतः अमेरिका और इजराइल क्रमबद्ध तरीके से यहां तक पहुंचे हैं। ईरान पर पिछले एक दशक से ज्यादा के प्रतिबंधों ने उसके तेल व्यापार को लगभग समाप्त कर दिया और आर्थिक संकट बढ़ता गया। डोनाल्ड ट्रंप ने उन प्रतिबंधों को सख्ती से लागू करने के उपाय किए और उनके तेवर ऐसे थे जिसका असर हुआ। इस बीच ईरान रिवॉल्यूशनरी कोर्प्स गार्ड से लेकर प्रमुख रक्षा वैज्ञानिकों आदि की हत्यायें होती रहीं । इजरायल ने भी बीच-बीच में हमले किये। हालांकि पिछले वर्ष ईरान के मिसाइल हमले से इजरायल को भारी तबाही का सामना करना पड़ा। उसके बाद ज्यादा सशक्त तैयारी का अहसास हुआ और वही किया गया। आयतुल्लाह के मारे जाने के कुछ घंटे पहले जब डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा किया कि ईरान के बहादुर लोगों से मेरा अनुरोध है कि आप अपने घरों में रहें ,चारों तरफ हमारे बम गिर रहे हैं और इस शासन से मुक्त कर आपको हम ईरान सौंप देंगे तब भी शायद बहुत बड़ी संख्या में लोगों को विश्वास नहीं हुआ होगा कि वे जो बोल रहे हैं वही करने की तैयारी से इस बार ईरान में हस्ताक्षेप हुआ है। देख लीजिए ट्रंप के बोर्ड ऑफ पीश में ज्यादातर मुस्लिम देश ही है। कहा तो यह भी जा रहा है कि सऊदी अरब के प्रधानमंत्री और क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने अमेरिका और इजरायल का पूरा साथ दिया है। ईरान जिस तरह सऊदी अरब ,बहरीन ,ओमान, कुवैत ,क़तर आदि सभी स्थानों के अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाने के नाम पर हमले कर रहा है उसके लगता है कि हर देश उसके विरुद्ध थे। वैसे 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद ईरान का सबसे पहला और लंबा युद्ध इराक के साथ हुआ जो स्वयं शिया बहुल देश है। अभी भविष्य की स्पष्ट तस्वीर नहीं प्रस्तुत की जा सकती। ईरान के बचे-खुचे कमांडर अपनी शक्ति से संघर्ष करेंगे, दुनिया भर के शिया अतिवादी समूह अपने स्तर से हिंसा और विरोध करेंगे, लेकिन ईरान के शासन का लंबे समय तक समूचे देश पर नियंत्रण रहना कठिन होगा। ईरान पर कब्जा कर किसी को सत्ता पर बिठाना अमेरिका के लिए कठिन है। बड़ी संख्या में ईरानी भी किसी बाहरी हस्तक्षेप वाले शासन को स्वीकार नहीं करेंगे। खामेनेई की मृत्यु के बाद तत्काल उनके प्रति सहानुभूति भी पैदा हुई है जो लोगों की प्रतिक्रियाओ में दिख रही है।

देश दुनिया से

अध्यात्म से राजनीति की ओर बढ़ते निशांत

आने वाले वर्षों में यह स्पष्ट होगा कि क्या निशांत वुमार अपने पिता की विरासत को आगे बढ़ा पाते हैं या वे बिहार की राजनीति में एक बिल्वुल अलग और नया अध्याय लिखते हैं। लेकिन फिलहाल इतना तय है कि उनका आगमन बिहार की राजनीति को एक नया विमर्श जरूर दे रहा है। अध्यात्म से राजनीति की ओर बढ़ते निशांत पिता नीतीश वुमार की समृद्ध राजनीतिक विरासत होने के बावजूद निशांत वुमार लंबे समय तक राजनीति के लिए लगभग 'र्वजिन' ही रहे। उन्होंने हमेशा खुद को सव्रिय राजनीति से दूर रखा। सार्वजनिक जीवन में उनकी उपस्थिति बेहद कम रही और जब भी वे कहीं दिखे, तो बिना किसी तड़क-भड़क के, शांत और साधारण रूप में ही नजर आए। निशांत वुमार की पहचान हमेशा एक ऐसे व्यक्ति की रही है जो भीड़ और प्रचार से दूर रहकर अपने निजी जीवन और आध्यात्मिक झुकाव के साथ जीना पसंद करता है। उन्होंने न कभी अपनी अलग राजनीतिक पहचान बनाने की कोईं जल्दी दिखाईं और न ही अपने पिता की प्रसिद्धि के सहारे खुद को स्थापित करने की कोशिश की। एक तरह से कहा जाए तो उन्होंने सत्ता और प्रसिद्धि की चमक-दमक से अलग रहकर बेहद साधारण और संयमित जीवन जिया। उनका झुकाव लंबे समय से अध्यात्म की ओर रहा है। वे अक्सर धरमिक और आध्यात्मिक गतिविधियों में रुचि लेते रहे हैं और जीवन को सरलता तथा अनुशासन के साथ जीने के लिए जाने जाते हैं। यही कारण है कि सार्वजनिक जीवन में भी उनका व्यक्तित्व एक शांत, संयमी और सहज इंसान के रूप में देखा गया है। लेकिन अब परिस्थितियाँ बदल चुकी हैं। बिहार की राजनीति में निशांत वुमार का प्रवेश हो रहा है और आने वाले समय में राज्य की राजनीति उनके इर्द-गिर्द घूमने की संभावना जताईं जा रही है, तो यह समझना जरूरी हो जाता है कि उनके हाथों में बिहार के भविष्य की दिशा और दशा वैसी हो सकती है। मुख्यमंत्री नीतीश वुमार की राजनीति और उनके निर्णयों को लेकर मतभेद हो सकते हैं। कईं बार उनके पैसलों को लेकर राजनीतिक बहस भी होती रही है, लेकिन यह लगभग र्निविवाद तथ्य है कि उनके सार्वजनिक जीवन पर आज तक किसी तरह का व्यक्तिगत दाग नहीं लगा है। उन्होंने अपने लंबे राजनीतिक जीवन में परिवारवाद को बढ़ावा देने से हमेशा दूरी बनाए रखी। ऐकला चलो फार्मूला के तहत निशांत वुमार भी अब तक इसी रास्ते पर बढ़ते आए हैं। उनके व्यक्तित्व को लेकर कोईं विवाद नहीं है। दरअसल, नीतीश वुमार उन नेताओं में रहे हैं जिन्होंने परिवारवादी राजनीति का खुलकर विरोध किया। विशेष रूप से लालू प्रसाद यादव के परिवारवादी राजनीतिक मॉडल की उन्होंने कईं बार आलोचना की। विधानसभा और सार्वजनिक मंचों पर भी उन्होंने इस मुद्दे को उठाया। ऐसे में जब उनके पुत्र निशांत वुमार के राजनीति में आने की चर्चा होती है, तो स्वाभाविक रूप से यह सवाल उठता है कि क्या यह वही रास्ता है जिसकी वे पहले आलोचना करते रहे हैं। हालाँकि राजनीतिक हलकों में यह भी कहा जा रहा है कि न तो नीतीश वुमार खुद अपने बेटे को राजनीति में लाने के इच्छुक रहे हैं और न ही निशांत वुमार की कभी कोईं राजनीतिक महत्वाकांक्षा सामने आईं है। यही कारण है कि उनका राजनीति में प्रवेश की बात कईं लोगों के लिए एक अप्रत्याशित घटनाव्रम जैसा है। फिर सवाल उठता है कि आखिर यह बदलाव क्यों आया? इस प्रश्न का उत्तर बिहार की वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों में छिपा हुआ है। आज भले ही जनता दल (यूनाइटेड) राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन का हिस्सा है और वेंद्र में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार का सहयोगी दल है, लेकिन जदयू की अपनी एक अलग राजनीतिक पहचान रही है। वैचारिक स्तर पर जदयू की भाषा और राजनीतिक दृष्टिकोण कईं बार भाजपा से अलग दिखाईं देता है। नीतीश वुमार के नेतृत्व में जदयू ने हमेशा समरस समाज और समावेशी विकास की बात की है। सामाजिक न्याय, विकास और संतुलित राजनीति का जो मॉडल उन्होंने प्रस्तुत किया, उसने बिहार के विभिन्न वर्गो को प्रभावित किया। यही कारण है कि मुसलमानों का एक बड़ा वर्ग भी जदयू के साथ सहज महसूस करता रहा है। यह नीतीश वुमार के व्यक्तित्व और राजनीतिक संतुलन का ही परिणाम रहा है कि भाजपा के साथ लंबे समय तक सत्ता में रहने के बावजूद उन्होंने अल्पसंख्यक समुदाय के विश्वास को पूरी तरह टूटने नहीं दिया। लेकिन पिछले वुछ समय से जिस तरह की घटनाएँ सार्वजनिक मंचों पर सामने आईं हैं, उनसे उनकी सेहत और सायिता को लेकर चर्चाएँ भी होती रही हैं। यह जीवन का स्वाभाविक सत्य है कि हर व्यक्ति के जीवन में एक समय ऐसा आता है जब उसे सव्रिय जिम्मेदारियों से थोड़ा पीछे हटने की जरूरत महसूस होती है। राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में भी यह चर्चा समय-समय पर होती रही है कि नीतीश वुमार ने बिहार के लिए जो किया, उसके बाद अब उन्हें अपेक्षावृत कम साियि भूमिका निभानी चाहिए। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह बनता है कि जदयू के भविष्य की बागडोर किसके हाथों में होगी। यहीं पर निशांत वुमार का नाम स्वाभाविक रूप से सामने आता है। पाटा के भीतर भी कईं नेता यह मानते हैं कि यदि नीतीश वुमार धीरे-धीरे सायि राजनीति से दूरी बनाते हैं, तो जदयू को एक ऐसे चेहरे की जरूरत होगी जो उनकी राजनीतिक विरासत को संभाल सके और पाटा को एकजुट रख सके। निशांत वुमार इस संदर्भ में एक स्वाभाविक विकल्प के रूप में देखे जा रहे हैं। जदयू के भीतर एक ऐसा समूह भी है जो भाजपा के साथ अत्यधिक निकटता को लेकर सहज नहीं रहा है। यह समूह अक्सर उन नेताओं की आलोचना करता रहा है जो भाजपा के साथ कदमताल करने के पक्षधर माने जाते हैं। ऐसे माहौल में यदि निशांत वुमार आगे आते हैं, तो वे एक संतुलनकारी भूमिका निभा सकते हैं, एक ऐसा नेतृत्व जो पाटा की मूल विचारधारा को भी बनाए रखे और राजनीतिक व्यावहारिकता को भी समझे। निशांत वुमार की सबसे बड़ी ताकत शायद यही हो सकती है कि वे पारंपरिक राजनीति के शोर-शराबे से दूर रहे हैं। उनका शांत और संयमित व्यक्तित्व उन्हें एक अलग तरह का नेता बना सकता है। यदि वे अपने पिता की प्रशासनिक दृष्टि और अपनी आध्यात्मिक प्रवृत्ति के बीच संतुलन स्थापित कर पाते हैं, तो बिहार की राजनीति में एक नईं शैली देखने को मिल सकती है। हालाँकि राजनीति आसान रास्ता नहीं है। सार्वजनिक जीवन में आलोचना, संघर्ष और कठोर निर्णयों का सामना करना पड़ता है। इसलिए यह कहना अभी जल्दबाजी होगी कि निशांत वुमार किस तरह के नेता साबित होंगे। लेकिन इतना जरूर है कि उनका राजनीतिक प्रवेश केवल एक व्यक्ति की कहानी नहीं हो सकती है। यह बिहार की राजनीति के उस अगले अध्याय की शुरुआत भी हो सकता है जिसमें एक नईं पीढ़ी, नईं सोच और नईं चुनौतियों के साथ सामने आएगी। आने वाले वर्षो में यह स्पष्ट होगा कि क्या निशांत वुमार अपने पिता की विरासत को आगे बढ़ा पाते हैं या वे बिहार की राजनीति में एक बिल्वुल अलग और नया अध्याय लिखते हैं। लेकिन फिलहाल इतना तय है कि उनका आगमन बिहार की राजनीति को एक नया विमर्श जरूर दे रहा है।

आप का नज़रिया

आतंकवाद के विरुद्ध 'प्रहार'

केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा देश की पहली व्यापक आतंकवाद निरोधी और साइबर सुरक्षा नीति 'प्रहार' का लोकार्पण भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के दृष्टिकोण से ऐतिहासिक और दूरदर्शी कदम है। यह नीति स्पष्ट करती है कि भारत आतंकवाद के विरुद्ध केवल प्रतिक्रियात्मक रवैया नहीं अपनाएगा, बल्कि हिंसक उग्रवाद को जड़ से समाप्त करने के लिए एक सुदृढ़ और रणनीतिक रूपरेखा के साथ आगे बढ़ेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आगे बढ़ रहे भारत ने पहले से यह स्पष्ट कर रखा है कि आतंकवाद पर भारत शून्य सहनशीलता की नीति का पालन करता है। इसी का परिणाम है कि अब सीमा पार से आतंकवादी हमला होने पर भारत घर में घुसकर जवाब देता है। आतंकवाद पर निर्णायक प्रहार के लिए भारत को ठोस नीति की आवश्यकता थी। इस संदर्भ में 'प्रहार' को देखना चाहिए। आतंकवाद को जड़ से उखाड़ फेंकने में भारत को यह नीति सहयोग करेगी। उल्लेखनीय है कि आज आतंकवाद केवल सीमाओं पर घुसपैठ या भौतिक हमलों तक सीमित नहीं रह गया है। यह जल, थल और नभ के साथ-साथ अब आभासी दुनिया (साइबर स्पेस) तक अपने पैर पसार चुका है। 'प्रहार' नीति इस कटु सत्य को स्वीकार करती है कि आतंकी संगठन अब संसाधनों और युवाओं की भर्ती के लिए संगठित आपराधिक नेटवर्क का सहारा ले रहे हैं। सोशल मीडिया, त्वरित संदेश प्रणालियों, कूटलिखित उपकरणों, डार्क वेब और आभासी मुद्रा का उपयोग आतंकी वित्तपोषण और गुप्त गतिविधियों के लिए धड़ल्ले से हो रहा है। इसके अतिरिक्त, प्रहार नीति में रासायनिक, जैविक, रेडियोधर्मी, परमाणु, विस्फोटक और डिजिटल सामग्रियों तक आतंकियों की पहुँच और गैर-राज्य तत्वों द्वारा ड्रोन तथा रोबोटिक्स के दुरुपयोग को एक गंभीर चुनौती माना गया है। आधुनिक तकनीक से लैस इन अदृश्य खतरों का मुकाबला पारंपरिक तरीकों से संभव नहीं था; अतः तकनीकी मोर्चे पर साइबर हमलों को रोकने वाली यह नीति समय की नितांत आवश्यकता थी। 'प्रहार' का सबसे सशक्त और परिपक्व पक्ष इसका वैचारिक दृष्टिकोण है। यह नीति स्पष्ट उद्घोष करती है कि "भारत आतंकवाद को किसी विशेष धर्म, नस्ल, राष्ट्रीयता या सभ्यता से नहीं जोड़ता"। यह भी ध्यान में आ रहा है कि सीमापार से संचालित होने वाले चरमपंथी गुट अब भारत में हमले करने के लिए स्थानीय बुनियादी ढांचे, रसद और क्षेत्रीय जानकारी पर अत्यधिक निर्भर हो गए हैं। इस सीमापार आतंकवाद के जाल को काटने के लिए 'प्रहार' नीति राष्ट्रीय उपायों के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय सहयोग की अनिवार्यता पर बल देती है। जब तक आतंकवाद पर अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय सहयोग की रचना खड़ी नहीं होगी, तब तक आतंकवाद का समूल नाश कठिन है। कहना होगा कि 'प्रहार' नीति केवल एक सरकारी दस्तावेज नहीं है, बल्कि यह तकनीक और कट्टरपंथ के घातक गठजोड़ को तोड़ने के लिए राष्ट्र का एक सुस्पष्ट संकल्प-पत्र है। इसने सुरक्षा एजेंसियों को एक स्पष्ट दिशा और आधुनिक वैधानिक आधार प्रदान किया है। अब आवश्यकता इस बात की है कि केंद्र, राज्य सरकारें और जांच एजेंसियां पूर्ण समन्वय के साथ इस नीति के प्रावधानों को उसी दृढ़ता से धरातल पर उतारें, जिस दूरदर्शिता के साथ इसे तैयार किया गया है। नए युग के इस जटिल युद्ध में 'प्रहार' निस्संदेह भारत का एक अभेद्य सुरक्षा कवच सिद्ध होगा। यह नीति भारत सरकार की आतंकवाद पर स्पष्ट सोच को भी सामने लाती है।

साइबर सुरक्षा नीति 'प्रहार' का लोकार्पण भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के दृष्टिकोण से ऐतिहासिक और दूरदर्शी कदम है। यह नीति स्पष्ट करती है कि भारत आतंकवाद के विरुद्ध केवल प्रतिक्रियात्मक रवैया नहीं अपनाएगा, बल्कि हिंसक उग्रवाद को जड़ से समाप्त करने के लिए एक सुदृढ़ और रणनीतिक रूपरेखा के साथ आगे बढ़ेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आगे बढ़ रहे भारत ने पहले से यह स्पष्ट कर रखा है कि आतंकवाद पर भारत शून्य सहनशीलता की नीति का पालन करता है। इसी का परिणाम है कि अब सीमा पार से आतंकवादी हमला होने पर भारत घर में घुसकर जवाब देता है। आतंकवाद पर निर्णायक प्रहार के लिए भारत को ठोस नीति की आवश्यकता थी। इस संदर्भ में 'प्रहार' को देखना चाहिए। आतंकवाद को जड़ से उखाड़ फेंकने में भारत को यह नीति सहयोग करेगी। उल्लेखनीय है कि आज आतंकवाद केवल सीमाओं पर घुसपैठ या भौतिक हमलों तक सीमित नहीं रह गया है। यह जल, थल और नभ के साथ-साथ अब आभासी दुनिया (साइबर स्पेस) तक अपने पैर पसार चुका है। 'प्रहार' नीति इस कटु सत्य को स्वीकार करती है कि आतंकी संगठन अब संसाधनों और युवाओं की भर्ती के लिए संगठित आपराधिक नेटवर्क का सहारा ले रहे हैं। सोशल मीडिया, त्वरित संदेश प्रणालियों, कूटलिखित उपकरणों, डार्क वेब और आभासी मुद्रा का उपयोग आतंकी वित्तपोषण और गुप्त गतिविधियों के लिए धड़ल्ले से हो रहा है।

कुछ अलग

हम जैसा सोचेंगे, वैसा ही जीवन बनता जाएगा

एक लोक कथा है। एक छोटे से गांव में एक व्यक्ति को नशे की बहुत बुरी लत थी। उसके दो बेटे थे, उसकी पत्नी का निधन हो चुका था, इसलिए घर की जिम्मेदारी उसी पर थी, लेकिन वह अपने बच्चों की देखभाल ठीक से नहीं करता था। दोनों बेटे रोज अपने पिता को नशा और झगड़ा करते देखते थे। समय बीतता गया और दोनों बेटे बड़े होने लगे। कुछ वर्षों बाद उनके पिता की भी मृत्यु हो गई। अब दोनों भाइयों को अपने जीवन का रास्ता खुद तय करना था। बड़ा बेटा अपने पिता को ही अपना आदर्श मान बैठा। उसने वही रास्ता अपनाया, जो उसके पिता ने अपनाया था। धीरे-धीरे वह भी नशे की लत में फंस गया। उसका जीवन बर्बादी की ओर बढ़ने लगा। न तो उसके पास कोई काम था और न ही कोई सम्मान। उसकी हालत बिल्कुल अपने पिता जैसी हो गई। दूसरी ओर छोटा बेटा बिल्कुल अलग सोच रखता था। उसने अपने पिता के जीवन को ध्यान से देखा था, लेकिन उसने पिता के जीवन से एक अलग सीख ली। वह सोचता था कि अगर उसने भी वही रास्ता अपनाया, तो उसका जीवन भी खराब हो जाएगा। इसलिए उसने तय किया कि वह मेहनत करेगा, पढ़ाई करेगा और अपने जीवन को बेहतर बनाएगा। उसने कठिन परिस्थितियों के बावजूद पढ़ाई पर ध्यान दिया। कई बार उसे परेशानियां भी आईं, लेकिन उसने हार नहीं मानी। धीरे-धीरे उसकी मेहनत रंग लाने लगी। पढ़ाई पूरी करने के बाद उसे एक नौकरी मिल गई। उसके पास सुख-सुविधाएं थीं और सम्मान भी मिलने लगा। लोगों को यह देखकर बहुत आश्चर्य होता था कि एक ही घर में पले-बढ़े दो भाइयों का जीवन इतना अलग कैसे हो सकता है।

दृष्टि कोण

छह दिन की जंग में इजरायल-अमेरिका–ईरान लड़ाई में कौन मजबूत ?

पश्चिम एशिया में ईरान, इजरायल और अमेरिका के बीच बढ़ता सैन्य टकराव केवल क्षेत्रीय संघर्ष नहीं रहा बल्कि इसका असर पूरी दुनिया की राजनीति और अर्थव्यवस्था पर दिखाई देने लगा है। बीते छह दिनों में हालात इतने तेजी से बदले हैं कि खाड़ी क्षेत्र के कई देश भी इसकी चपेट में आ गए हैं। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि इस अल्प समय में इन देशों को कितना नुकसान हुआ और आगे इसका असर कितना व्यापक हो सकता है। सबसे पहले यदि इजरायल की बात करें तो उसे सुरक्षा और आर्थिक दोनों स्तरों पर भारी दबाव का सामना करना पड़ा है। मिसाइल और ड्रोन हमलों के कारण कई सैन्य ठिकानों और नागरिक इलाकों को नुकसान पहुंचा है। युद्ध के माहौल ने पर्यटन, व्यापार और निवेश को भी प्रभावित किया है। इजरायल को अपने रक्षा तंत्र को लगातार सक्रिय रखना पड़ रहा है, जिससे उसकी आर्थिक लागत तेजी से बढ़ रही है। दूसरी ओर ईरान भी इस संघर्ष में आर्थिक और सैन्य दबाव झेल रहा है। पहले से ही अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों का सामना कर रहे ईरान के लिए युद्ध जैसी स्थिति उसकी अर्थव्यवस्था पर अतिरिक्त बोझ डाल रही है। तेल निर्यात, व्यापारिक मार्ग और आंतरिक सुरक्षा पर दबाव बढ़ा है। यदि यह संघर्ष लंबा खिंचता है तो ईरान की आर्थिक स्थिति और कमजोर हो सकती है। अमेरिका इस संघर्ष में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों रूपों में शामिल है। पश्चिम एशिया में अपने सैन्य ठिकानों की सुरक्षा और सहयोगी देशों की रक्षा के लिए उसे भारी सैन्य संसाधन लगाने पड़ रहे हैं। इससे न केवल रक्षा खर्च बढ़ रहा है बल्कि वैश्विक कूटनीतिक दबाव भी अमेरिका पर बढ़ रहा है। अमेरिका के लिए सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह इस संघर्ष को नियंत्रित रखे ताकि यह व्यापक क्षेत्रीय युद्ध में न बदल जाए। खाड़ी देशों जैसे सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और कतर पर भी इस संकट का असर स्पष्ट दिख रहा है। इन देशों की अर्थव्यवस्था तेल और व्यापार पर निर्भर है, इसलिए क्षेत्र में अस्थिरता से

निवेश और व्यापारिक गतिविधियां प्रभावित हो रही हैं। तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव ने वैश्विक बाजारों को भी अस्थिर किया है। साथ ही सुरक्षा जोखिम बढने से इन देशों को अपने रक्षा इंतजाम मजबूत करने पड़ रहे हैं। दरअसल, इस संघर्ष का सबसे बड़ा नुकसान केवल इन देशों तक सीमित नहीं है। वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा बाजार और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा व्यवस्था पर भी इसका असर पड़ रहा है। तेल और सोने जैसी वस्तुओं की कीमतों में तेजी, शेयर बाजारों में अस्थिरता और वैश्विक कूटनीतिक तनाव इस बात का संकेत हैं कि यह संकट व्यापक रूप ले सकता है। अंततः यह स्पष्ट है कि छह दिनों का यह टकराव ही सभी पक्षों के लिए महंगा साबित हो रहा है। यदि समय रहते कूटनीतिक प्रयास नहीं किए गए तो यह संघर्ष लंबा खिंच सकता है और इसका नुकसान केवल पश्चिम एशिया ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया को उठाना पड़ सकता है। इसलिए आवश्यक है कि सभी पक्ष संयम बरतें और संवाद के रास्ते समाधान खोजने की कोशिश करें, क्योंकि युद्ध किसी भी समस्या का स्थायी समाधान नहीं होता। इजरायल -अमेरिका ईरान के बीच संभावित युद्ध में किसके पास कितनी ताक़त और लंबी लड़ाई में किसे ज़्यादा नुकसान होगा, इसे कुछ मुख्य पहलुओं से समझा जा सकता है। जैसे अगर सैन्य ताक़त की बात करें तो अमेरिका दुनिया की सबसे शक्तिशाली सेना है जिसका रक्षा बजट लगभग 800-900 अरब डॉलर/वर्ष है। अत्याधुनिक हथियार, स्टील्थ विमान, परमाणु हथियार सहित वैश्विक सैन्य ठिकाने और नौसैनिक बेड़े है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आप पैसा बना सकते हैं, बशर्ते आप अपनी जमा-पूंजी पारम्परिक तौर पर निवेश करें। आपके आकर्षण और व्यक्तित्व के ज़रिए आपको कुछ नए दोस्त मिलेंगे। मुहब्बत और रोमांस आपको ख़ुशमिज़ाज रखेंगे। लोगों के साथ बात करने में आज आप अपना बहुमूल्य समय बर्बाद कर सकते हैं। आपको ऐसा करने से बचना चाहिए। आज आप अपने जीवनसाथी के साथ सैर-सपाटे का मज़ा ले सकते हैं। साथ में समय गुज़ारने का यह बढ़िया मौक़ा है। आज आप गुस्से में परिवार के किसी सदस्य को भला-बुरा कह सकते हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आपके भाई-बहन आपसे आर्थिक मदद मांग सकते हैं और उनकी मदद करके आप खुद आर्थिक दबाव में आ सकते हैं। हालांकि स्थिति जल्द ही सुधर जाएगी। आप अपने बच्चों से कुछ सबक़ सीखने वाले हैं। उनकी मासूमियत उनके आस-पास के लोगों में स्नेह व उत्साह के बल पर औरों में बदलाव ला सकती है। पैसा, प्यार, परिवार से दूर होकर आज आप आनंद की तलाश में किसी आध्यात्मिक गुरु से मिलने जा सकते हैं। आज आपके वैवाहिक जीवन के सबसे अच्छे दिनों में से एक हो सकता है। आपकी तंदरुस्ती आज आपके घर वालों को खुशी देगी।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

दोस्त आपका परिचय किसी ख़ास इंसान से कराएंगे, जो आपकी सोच पर गहरा प्रभाव डालेगा। आर्थिक तंगी से बचने के लिए अपने तयशुदा बजट से दूर न जाएँ। पुराने परिचितों से मिलने-जुलने और पुराने रिश्तों को फिर से तरोताज़ा करने के लिए अच्छा दिन है। किसी छोटी-मोटी बात को लेकर भी आपके प्रिय से आपकी नोंक-झोंक हो सकती है। गप्पबाज़ी और अफ़वाहो से दूर रहें। खुशी आपके अंदर ही छुपी है आज बस आपको अपने अंदर झांकने की जरुरत है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आपकी लगन और मेहनत पर लोग ग़ौर करेंगे और आज इसके चलते आपको कुछ वित्तीय लाभ मिल सकता है। आपका मज़ाकिया स्वभाव आपके चारों ओर के वातावरण को ख़ुशनुमा बना देगा। मुहब्बत के मोर्चे पर आज आपकी तूती बोलेगी, क्योंकि आपका महबूब आपकी रसिक कल्पनाओं को अमली जामा पहनाने के लिए तैयार है। शादीशुदा ज़िन्दगी के मोर्चे पर हालात वाक़ई थोड़े मुश्किल रहे हैं, लेकिन अब आप सुधरते हालात महसूस कर सकते हैं। किसी पेड़ मे जल डालना आज आपको सुकून मिलेगा। जीवन को आज आप नजदीक से जान पाएंगे।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपकी सेहत ठीक रहेगी, लेकिन यात्रा आपके लिए थकाऊ और तनावपूर्ण साबित हो सकती है। जो लोग शादीशुदा हैं उन्हें आज अपने बच्चों की पढ़ाई पर अच्छा खासा धन खर्च करना पड़ सकता है। आज आप जिस सामाजिक कार्यक्रम में जाएंगे, वहाँ आप सबके ध्यान का केन्द्र होंगे। संभव है कि कोई आपसे अपने प्यार का इज़हार करे। समय का सदुपयोग करना सीखें। यदि आपके पास खाली वक्त है तो कुछ रचनात्मक करने की कोशिश करें। वक्त को बर्बाद करना अच्छी बात नहीं है। आप अपने जीवन की कुछ यादगार शामों में से एक आज अपने जीवनसाथी के साथ बिता सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

यदि शादीशुदा हैं तो आज अपने बच्चों का विशेष ख्याल रखें क्योंकि यदि आप ऐसा नहीं करते तो उनकी तबीयत बिगड़ सकती है और आपको उनके स्वास्थ्य पर काफी पैसा खर्च करना पड़ सकता है। इस राशि के उम्रदराज जातक आज के दिन अपने पूराने मित्रों से खाली समय में मिलने जा सकते हैं। उतावलापन अच्छा नहीं है, आपको किसी भी काम को करने में उतावलापन नहीं दिखाना चाहिए। इससे काम के खराब होने की संभावना बढ़ जाती है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

अच्छी चीज़ों को ग्रहण करने के लिए आपका दिमाग़ खुला रहेगा। अगर आप लम्बे वक़्त के लिए निवेश करें, तो अच्छा-ख़ासा फ़ायदा हासिल कर सकते हैं। आपका मज़ाकिया स्वभाव सामाजिक मेल-जोल की जगहों पर आपकी लोकप्रियता में इज़ाफ़ा करेगा। शाम के वक्त आज आप किसी करीबी के घर वक्त बिताने जा सकते हैं लेकिन इस दौरान आपको उनकी कोई बात बुरी लग सकती है और आप तय समय से पहले वापस लौट सकते हैं। अगर आप अपने मन की सुनें, तो यह दिन ख़रीदारी के लिहाज़ से उम्दा है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आपके जीवन-साथी का प्यारा बर्ताव आपका दिन ख़ुशनुमा बना सकता है। आज सिर्फ़ बैठने की बजाय कुछ ऐसा कीजिए जो आपकी कमाई में इज़ाफ़ा कर सके। दोस्त और रिश्तेदार आपकी मदद करेंगे और आप उनके साथ काफ़ी ख़ुशी महसूस करेंगे। आज आप ख़ुद को लोगों के ध्यान के केंद्र में पाएंगे, जब कोई आपके सहयोग की वजह से पुरस्कृत होगा या सराहा जाएगा। लेकिन आज जब आपके वैवाहिक जीवन से जुड़ी कई प्यारी चीज़ें आपके सामने आएंगी, तो आप भावुक हुए बिना नहीं रह सकेंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आपको लंबे समय से महसूस हो रही थकान और तनाव से आराम मिलेगा। इन परेशानियों से स्थायी निजात पाने के लिए जीवन-शैली में बदलाव लाने का सही समय है। आज आपको अपने उन रिश्तेदारों को पैसा उधार नहीं देना चाहिए जिन्होंने आपका पिछला उधार अब तक वापस नहीं किया है। आपने बीते दिनों कार्यक्षेत्र में कई काम अधूरे छोड़े हैं जिसका भुगतान आज आपको करना पड़ सकता है। आज आपका खाली वक्त भी ऑफिस के काम को पूरा करने में ही लगेगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आपका स्पष्ट और निडर नज़रिया आपके दोस्त के अहम्को ठेस पहुँचा सकता है। ऐसा लगता है आप जानते हैं कि लोग आपसे क्या चाहते हैं– लेकिन आज अपने ख़र्चों को बहुत ज़्यादा बढ़ाने से बचें। व्यक्तिगत मामलों को सुलझाते समय उदारता दिखाएँ, लेकिन अपनी जुबान पर क़ाबू रखें ताकि उन्हें चोट न पहुँचे जो आपसे प्यार करते हैं और आपकी परवाह करते हैं। जीवनसाथी के साथ वाद-विवाद होने की काफ़ी संभावना है। दोस्त अकेलापन दूर करने के सबसे अच्छे माध्यमों में से एक हैं। दोस्तों के साथ समय बिताकर आज के दिन आप बेहतरीन चीज़ में समय निवेश कर सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

मुस्कुराएँ, क्योंकि यह सभी समस्याओं का सबसे उम्दा इलाज है। अपने लिए पैसा बचाने का आपका ख्याल आज पूरा हो सकता है। आज आप उचित बचत कर पाने में सक्षम होंगे। डाक या ई-मेल से आया कोई महत्वपूर्ण संदेश पूरे परिवार के लिए ख़ुशख़बरी लाएगा। दूसरों को यह बताने के लिए ज़्यादा उतावले न हों कि आज आप कैसा महसूस कर रहे हैं। जीवनसाथी के ख़राब व्यवहार का नकारात्मक असर आपके ऊपर पड़ सकता है। आपका संगी आज आपके लिए घर पर कोई सरप्राइज डिश बना सकता है जिससे आपके दिन की थकान मिट जाएगी।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

काम का दबाव और घरेलू मतभेद तनाव की वजह बन सकते हैं। दीर्घावधि निवेश से बचिए और अपने दोस्तों के साथ बाहर जाकर कुछ ख़ुशी के पल बिताएँ। परिवार के साथ सामाजिक गतिविधियाँ सभी को ख़ुश रखेंगी। आज आपका प्रिय आपके साथ में समय बिताने और तोहफ़े की उम्मीद कर सकता है। हितकारी ग्रह कई ऐसे कारण पैदा करेंगे, जिनकी वजह से आज आप ख़ुशी महसूस करेंगे। जीवन की सबसे चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में आपको अपने जीवनसाथी से पूरा सहयोग मिलेगा।

आज का पंचांग

दिनांक : 09 मार्च 2026 , सोमवार
विक्रम संवत : 2082
मास : चैत्र ,कृष्ण पक्ष
तिथि : षष्ठी रात्रि 11:30 तक
नक्षत्र : विशाखा सायं 04:12 तक
योग : व्याघात प्रातः 07:34 तक
करण : गर प्रातः 10:19 तक
चन्द्रराशि : तुला प्रातः 09:30 तक
सूर्योदय : 06:28, सूर्यास्त 06:24 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:31, सूर्यास्त 06:29 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:23, सूर्यास्त 06:21 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:20, सूर्यास्त 06:16 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रातः 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : एकनाथ षष्ठी , भद्रा रात्रि 11:28 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

नारी सुरक्षा के लिए राजस्थान सरकार प्रतिबद्ध : भजनलाल

हनुमानगढ़, 08 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि महिलाएं समाज की वह धुरी हैं, जिनके सशक्त होने से ही समाज प्रगति और देश विकास करता है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर महिला अधिकार, सम्मान और समान अवसरों के प्रति जागरूकता का आह्वान करते हुए आधी आबादी की शिक्षा, स्वास्थ्य और आत्मनिर्भरता पर विशेष जोर दिया। शर्मा रविवार को हनुमानगढ़ के धान मंडी में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नारी शक्ति हम सबके लिए प्रेरणा स्रोत हैं। देश की पहली आदिवासी महिला राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और ऑपरेशन सिंदूर के दौरान कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने देश का गौरव बढ़ाया है। वहीं, पीवी सिंधु, स्मृति मंधाना, मीराबाई चानू, हरमनप्रीत कौर, मनु भाकर, अवनी लेखरा ने विश्वभर में खेल के क्षेत्र में देश का नाम रोशन किया है। प्रधानमंत्री ने महिलाओं को केन्द्र में रखकर किया नीतियों का निर्माण

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महिलाओं को केन्द्र में रखकर नीतियों का निर्माण किया है। उन्होंने महिलाओं की सुरक्षा और गरिमा के लिए स्वच्छ भारत अभियान के अन्तर्गत 12 करोड़ से अधिक शौचालयों का निर्माण करवाया है। उज्ज्वला योजना में 11 करोड़ से अधिक गैस कनेक्शन, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बने 70 प्रतिशत से अधिक घर महिलाओं के नाम या संयुक्त नाम पर होने से तथा नारी शक्ति वंदन अधिनियम के तहत संसद और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण से महिला उत्थान और सशक्तीकरण का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार आधी आबादी के सशक्तीकरण और उनकी सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है। राज्य में 16 लाख से अधिक लखपति दीदी बनाई गईं है। वहीं, 1 लाख 39 हजार स्वयं सहायता समूहों को 679 करोड़ रुपये की आजीविका सहायता उपलब्ध कराई गई है। मुख्यमंत्री एकल नारी सम्मान पेंशन योजना के अंतर्गत 19 लाख से अधिक महिला पेंशनरों को 6 हजार 876 करोड़ रुपये और मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के तहत 27 हजार से अधिक कन्याओं के विवाह के लिए लगभग 101 करोड़ रुपये की सहायता उपलब्ध करवाई गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बालिकाओं के स्वास्थ्य एवं शिक्षा के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने में लाडो प्रोत्साहन योजना बड़ी भूमिका निभा रही है। योजना के अन्तर्गत सात किस्तों में डेढ़ लाख रुपये की राशि दी जा रही है। जिससे अब तक 6 लाख से अधिक बालिकाओं को लाभ मिला है। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, मा वाउचर योजना सहित विभिन्न योजनाओं ने भी महिला कल्याण में सशक्त भूमिका निभा रही है। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार के प्रभावी प्रयासों के फलस्वरूप महिला अत्याचार के प्रकरणों में अनुसंधान पूर्ण करने का औसत समय वर्ष 2020 के 128 दिन से घटकर 52 दिन रह गया है। वहीं, राज्य में वर्ष 2023 की तुलना में महिला अत्याचार के प्रकरणों में लगभग 10 प्रतिशत की कमी आयी है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के सभी अंचलों का विकास सुनिश्चित कर रही है। वित्तीय वर्ष बजट 2026 में गेहूं की एमएसपी पर 150 रुपये के अतिरिक्त बोनस से गंगानगर-हनुमानगढ़ क्षेत्र के किसानों को विशेष रूप से लाभ होगा। वहीं, आईजीएनपी और गंगनहर में पुनर्निर्माण और फिरोजपुर फीडर विकास कार्य से किसानों की समृद्धि का मार्ग प्रशस्त हुआ है। उन्होंने कहा कि हनुमानगढ़ में खालों के निर्माण के लिए 500 करोड़ रुपये भी दिए है।

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार डीबीटी के माध्यम से विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ महिलाओं को सुनिश्चित कर रही है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, साथिनों और सहायिका के मानदेय में 10 प्रतिशत बढ़ोतरी से महिलाओं के सशक्तीकरण का मार्ग प्रशस्त होगा। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने कहा कि मुख्यमंत्री ने पेट्रोल और डीज़ल के मूल्य में कमी कर श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ जिलों को बड़ी राहत दी है। वहीं, बिजली आपूर्ति के साथ-साथ नहरी पानी की उपलब्धता के लिए 5 हजार करोड़ रुपये देकर किसानों को बड़ी सौगात मिली।

इस दौरान शर्मा ने हनुमानगढ़ में 1 हजार करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों का शिलान्यास और लोकार्पण किया। उन्होंने लाडो प्रोत्साहन योजना पोर्टल लॉन्च किया। लाडो प्रोत्साहन योजना, मुख्यमंत्री मातृत्व पोषण योजना और बालिका दूरस्थ शिक्षा योजना के तहत लाभार्थियों को डीबीटी के माध्यम से राशि का अंतरण किया। साथ ही, पीएम स्वनिधि योजना, मुख्यमंत्री नारी शक्ति उद्यम प्रोत्साहन योजना और स्वयं सहायता समूहों को ऋण वितरण के प्रतीकात्मक चेक भी सौंपे। साथिन मार्गदर्शिका का डिजिटल लॉन्च और पन्नाधाय सुरक्षा एवं सम्मान योजना के तहत पुरस्कार भी वितरित किए। इससे पहले मुख्यमंत्री ने महिलाओं से जुड़ी योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने यहां गर्भवती महिला दिव्या की गोद भराई कर पोषण किट दिया। साथ ही, 6 महीने के शिशु को अन्नप्राशन भी करवाया। मुख्यमंत्री ने दिव्यांगजनों को व्हीलचेयर और श्रवण यंत्र भी वितरित किये। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर हनुमानगढ़ में आयोजित प्रदर्शनी और कार्यक्रम स्थल पर महिला पुलिसकर्मियों ने सुरक्षा की जिम्मेदारी संभाली।

भजनलाल सरकार की योजनाओं से महिलाओं के जीवन में आए सकारात्मक बदलाव : कर्नल राज्यवर्धन राठौड़

जयपुर, 08 मार्च (एजेंसियां)। उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि महिलाओं की तरक्की में सामाजिक जागरूकता की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू की गई 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' योजना से धरातल पर सकारात्मक बदलाव सामने आने लगे हैं। आज देश के हर क्षेत्र में महिलाएं बेहतरीन प्रदर्शन कर रही हैं। वर्ष 2014 के बाद से महिला सशक्तीकरण की दिशा में एक नई चर्चा शुरू हुई है। कर्नल राठौड़ रविवार को कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित महिला सम्मान समारोह एवं परिचर्चा को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार की योजनाओं से महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव आए हैं। महिलाओं को उद्यम से जोड़ने के लिए उद्योग विभाग की विभिन्न योजनाओं में अतिरिक्त सब्सिडी सहित अन्य प्रावधान किए गए हैं। उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था में महिलाओं की बड़ी भूमिका है। विकसित भारत-2047 के विजन में गांव-कस्बों में महिलाओं द्वारा चलाए जाने वाले छोटे-छोटे उद्यमों का महत्वपूर्ण योगदान होगा। आज औद्योगिक क्षेत्र में भी महिलाएं बेहतरीन प्रदर्शन कर रही हैं। उन्होंने सफल महिला उद्यमियों से आह्वान किया कि वे अधिक से अधिक महिलाओं को प्रोत्साहित करें और उन्हें केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं से जोड़ें, ताकि सभी को इनका लाभ मिल सके।

कर्नल राठौड़ ने उद्यमी, खिलाड़ी और अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली 11 महिलाओं को एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित किया। विभाग में कार्यरत महिला कार्मिकों को भी विशेष कार्यों के लिए सम्मानित किया। साथ ही, एक शहीद आश्रित की पुत्री को उद्योग प्रसार अधिकारी पद के लिए नियुक्ति पत्र भी प्रदान किया। योजनाओं के तहत 2 महिलाओं को ऋण के चेक, 9 महिलाओं को स्वीकृति पत्र और 2 महिलाओं को रीको के तहत भूमि आवंटन पत्र भी प्रदान किए गए। इस दौरान एक लाइव गेम का आयोजन किया गया, जिसमें एक ई-साइकिल और एक स्पोर्ट्स साइकिल प्रदान की गई। इससे पहले ओडीओपी नीति के तहत आईसीईएस की 'कौशल वाहिनी-स्किल ऑन व्हील्स' को झंडी दिखाकर शिल्पकारों के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारंभ किया।

चूरू में सेना का शक्ति प्रदर्शन, मिलिट्री पाइप बैंड की गूंज के बीच दिखा युद्ध कौशल

चूरू, 08 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय सेना ने रविवार को साहसिक सैन्य गतिविधियां व सैन्य हेलीकॉप्टरों द्वारा युद्ध कौशल प्रदर्शन किया। सेना के जवानों ने सैन्य उपकरणों का प्रदर्शन भी तथा इस दौरान मिलिट्री पाइप बैंड की प्रस्तुति दी गई। दरअसल, भारतीय सेना की सप्त शक्ति कमान की देखरेख में सेना की रणबांकुरा डिवीजन ने रविवार को 'गौरव सेनानी रैली' का आयोजन किया। यह आयोजन राजस्थान के चूरू में किया गया। यह एक भव्य पूर्व सैनिक रैली एवं चिकित्सा शिविर था। साई स्टेडियम में आयोजित इस कार्यक्रम में दस हजार से अधिक पूर्व सैनिकों, वीर नारियों, वीर माताओं एवं उनके परिजन शामिल हुए। पूर्व सैनिकों के कल्याण के साथ साथ कार्यक्रम में सैन्य आयोजन व आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं। यहां सैनिक परंपरा और राष्ट्रनिर्माण में पूर्व सैनिकों की महत्वपूर्ण भूमिका का उत्कृष्ट प्रदर्शन भी किया गया। रैली में विभिन्न रिकॉर्ड ऑफिस, बैंकों तथा

सरकारी कल्याणकारी एजेंसियों जैसे ऐडब्लूपीओ, ईसीएचएस और जिला सैनिक बोर्ड द्वारा सहायता काउंटर एवं स्टॉल स्थापित किए गए। ये ऐसे विशेष काउंटर थे जहां पूर्व सैनिकों की शिकायतों के निवारण की पूरी व्यवस्था थी। दस्तावेजों के अद्यतन, पेंशन संबंधी प्रश्नों और रोजगार के अवसरों के संबंध में पूर्व सैनिकों को सहायता प्रदान की गई।

सैन्य अधिकारियों का कहना है कि पहली बार रेवेन्यू डिपार्टमेंट द्वारा स्टॉल स्थापित करना इस आयोजन की एक विशेष पहल रही।

कांग्रेस ने जमीनी कार्यकर्ता को दी राज्यसभा की टिकट, जीत पक्की : भूपेंद्र

चंडीगढ़, 08 मार्च (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा है कि राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस की जीत पक्की है। क्योंकि पार्टी ने एक जमीनी कार्यकर्ता को उम्मीदवार बनाया है और इस फैसले की चौतरफा सराहना हो रही है। हुड्डा यहां पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे। इससे पहले आज उन्होंने असम में सुखोई फाइटर प्लेन क्रैश में शहीद हुए एयरफोर्स के स्काड्रन लीडर अनुज शर्मा के परिवार से मुलाकात की। हुड्डा ने शहीद को नमन किया और भावभीनी श्रद्धांजलि दी। साथ ही उन्होंने परिवार को ढांढस बंधाया। उन्होंने कहा कि अनुज के रूप में भारत माता ने एक होनहार बेटा खोया है। उनकी तमाम सेवाएं और ऑपरेशन सिंदूर में उनका योगदान देश हमेशा याद रखेगा। हुड्डा ने तेल आयात जैसे महत्वपूर्ण फैसलों पर अमेरिकी दबाव पर बोलते हुए केंद्र सरकार की विदेश नीति को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि आज की स्थिति ऐसी हो गई है कि तेल लाने जैसे बुनियादी निर्णयों के लिए भी सरकार को दूसरे देशों से सर्टिफिकेट लेना पड़ रहा है, यह शर्मनाक है। हम एक आजाद देश हैं, बावजूद इसके विदेशी दबाव में कोई भी डील होती है तो हमारी सम्प्रभुता पर सवाल उठता है। भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि बीजेपी सरकार में महंगाई लगातार विकराल रूप लेती जा रही है। गैस सिलेंडर के दामों में हुई बढ़ोतरी ने गरीब व मध्यम वर्ग की जेब पर डाका डाला है।

महिला सशक्तिकरण से ही समाज का सर्वांगीण विकास संभव : गंगवा

चंडीगढ़, 08 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा के लोक निर्माण एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा है कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस महिलाओं के सम्मान, अधिकारों और उनके योगदान को याद करने का महत्वपूर्ण अवसर है। महिलाएं आज हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही हैं और समाज के विकास में अहम भूमिका निभा रही हैं। कैबिनेट मंत्री रविवार को हिसार मे अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में महान समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फुले और सावित्री बाई फुले को नमन करने उपरांत अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण के बिना किसी भी समाज का समुचित विकास संभव नहीं है। हरियाणा सरकार महिलाओं की शिक्षा, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता के लिए अनेक योजनाएं चला रही है, जिनका लाभ समाज की बेटियों और महिलाओं को मिल रहा है। कैबिनेट मंत्री ने छात्राओं को शिक्षा के माध्यम से आगे बढ़ने और अपने जीवन में ऊंचे लक्ष्य निर्धारित करने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाने का उद्देश्य समाज में महिलाओं के प्रति सम्मान और समानता की भावना को मजबूत करना है।

ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों में सामाजिक जागरूकता और सकारात्मक सोच विकसित होती है। इस अवसर पर स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए।

महिलाओं का सशक्तिकरण ही मजबूत राष्ट्र की आधारशिला : आरती सिंह राव

चंडीगढ़, 08 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर प्रदेश की समस्त मातृशक्ति को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं की गरिमा, सुरक्षा और स्वावलंबन ही एक सशक्त राष्ट्र की असली आधारशिला है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के सम्मान और सशक्तिकरण के बिना किसी भी समाज या देश की प्रगति संभव नहीं है। इस दिशा में केंद्र तथा हरियाणा सरकार लगातार कार्य कर रही है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि आज की महिलाएं अपनी प्रतिभा और कड़ी मेहनत के बल पर शिक्षा, स्वास्थ्य, प्रशासन, विज्ञान, खेल और राजनीति जैसे हर क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छू रही हैं।आरती सिंह राव ने कहा कि महिलाओं की उन्नति से ही समाज का समग्र विकास जुड़ा है। यदि महिलाएं सशक्त होंगी, तो परिवार और राष्ट्र स्वतः ही मजबूत होंगे।

उन्होंने समाज के प्रति महिलाओं के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि दादी, मां, बहन, पत्नी और बेटी के रूप में वे अपने स्नेह और त्याग से समाज को संवारने का कार्य करती हैं।

सरकार की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि केंद्र और राज्य सरकार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ', 'प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना' और 'सुकन्या समृद्धि योजना' जैसी कई महत्वपूर्ण योजनाएं प्रभावी ढंग से चला रही हैं।

नामधारी समाज का इतिहास त्याग, बलिदान और देशभक्ति की प्रेरणादायक गाथा : सैनी

चंडीगढ़, 08 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने रविवार को सिरसा जिले के नामधारी गुरुद्वारा श्री जीवननगर में आयोजित भव्य होला मोहल्ला कार्यक्रम में शिरकत की और संत समाज का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर देश-विदेश से बड़ी संख्या में आई नामधारी संगत को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पावन आश्रम में आयोजित गौरवशाली पर्व होला मोहल्ला के अवसर पर आप सबके बीच आकर उन्हें अत्यंत प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है। उन्होंने संत दिलीप सिंह जी महाराज के चरणों में नमन करते हुए कहा कि संत समाज प्रेम, सेवा, भाईचारे और आध्यात्मिकता के माध्यम से समाज को जोड़ने का महान कार्य कर रहा है। सिरसा की पावन धरती संतों और महापुरुषों की तपोभूमि मुख्यमंत्री ने कहा कि सिरसा की पावन भूमि संतों और महापुरुषों की तपोभूमि रही है। वर्ष 1507 में प्रथम पातशाही श्री गुरु नानक देव जी के चरण इसी धरती पर पड़े थे। उनकी शिक्षाओं को आगे बढ़ाने के लिए यहां गुरुद्वारा श्री चिल्ला साहिब की स्थापना की गई।

उन्होंने कहा कि बाबा सरसाईं नाथ, बाबा भूमण शाह जैसे अनेक संतों ने इसी भूमि से समाज को आध्यात्मिकता, सेवा और मानवता का संदेश दिया। इन संतों की शिक्षाएं आज भी समाज को सही दिशा प्रदान कर रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि होला मोहल्ला केवल एक उत्सव नहीं बल्कि हमारी समृद्ध भारतीय संस्कृति, वीरता और आध्यात्मिक परंपरा का जीवंत प्रतीक है। यह पर्व हमें जीवन में साहस और भक्ति दोनों के संतुलन की प्रेरणा देता है।

उन्होंने कहा कि यह उत्सव केवल रंगों का त्योहार नहीं है बल्कि अन्याय के विरुद्ध खड़े होने के संकल्प और पुरुषार्थ का प्रतीक भी है। दशमेश पिता श्री गुरु गोबिंद सिंह जी ने होली के उत्साह के साथ खालसा परंपराओं को मजबूत करने और समाज में भाईचारे व एकता की भावना को बढ़ावा देने के लिए होला मोहल्ला मनाने की परंपरा शुरू की थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि नामधारी समाज का इतिहास त्याग, तपस्या और बलिदान से भरा हुआ है।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

निर्मल: छात्र संगठन टीएसएएस ने आरजीयूकेटी –बासर में अनियमितताओं का लगाया आरोप, जांच की मांग की

निर्मल, 08 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना स्टूडेंट्स एसोसिएशन फॉर सॉलिडेरिटी (टीएसएएस) ने राजीव गांधी यूनिवर्सिटी ऑफ नॉलेज एंड टेक्नोलॉजीज (आरजीयूकेटी)–बासर के प्रबंधन से संस्थान को नवनियुक्त कुलपति और उनकी टीम के कथित निहित स्वार्थों से बचाने का आग्रह किया है।

कुलपति पर कई गंभीर आरोप लगाते हुए छात्र संगठन ने शनिवार शाम अपने एक्स (एक्स) हैंडल और व्हाट्सएप चैनल पर एक बयान जारी किया। टीएसएएस ने आरोप लगाया कि कुलपति ने विश्वविद्यालय के मेस के अनुबंध उन एजेंसियों को सौंप दिए हैं, जिन्हें पहले लंबे समय तक छात्रों को खराब गुणवत्ता वाला भोजन देने और अतीत में अनियमितताएं बरतने के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा था। आरोप है कि इन एजेंसियों ने केवल अपने नाम बदलकर फिर से अनुबंध हासिल कर लिए हैं। टीएसएएस ने यह भी मांग की कि विश्वविद्यालय प्रबंधन मेस के टेंडर रद्द करे और तुरंत नए टेंडर आमंत्रित करे। संगठन ने प्रशासनिक विभाग में फर्जी पद सृजित कर सत्ता के कथित दुरुपयोग और सार्वजनिक धन के दुरुपयोग के लिए कुलपति के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। छात्र संगठन ने सरकार से शिक्षण और गैर–शिक्षण दोनों विभागों में लंबे समय से खाली पड़े पदों को भरने की मांग की।

इसके अलावा, एसोसिएशन ने प्रबंधन से उन छात्रों को डराने, धमकाने और प्रताड़ित करने से रोकने का अनुरोध किया जो अधिकारियों की अनियमितताओं और गलत कामों पर सवाल उठाते हैं। उन्होंने अधिकारियों से इंजीनियरिंग प्रथम वर्ष के छात्रों को तुरंत लैपटॉप प्रदान करने का भी आग्रह किया।

करीमनगर: तेलुगु कविता प्रतियोगिता जीतने पर कक्षा 4 की छात्रा सम्मानित

करीमनगर, 08 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। करीमनगर के एमडी डॉ. धरम रघुराम द्वारा अपने माता–पिता के नाम पर स्थापित 'धरम सुशीला ट्रस्ट' ने तेलुगु कविता प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीतने पर कक्षा 4 की छात्रा नक्षा आरुष्या को सम्मानित किया।

कंडीकटकुर के मंडल परिषद प्राथमिक विद्यालय में पढ़ने वाली आरुष्या ने हाल ही में आयोजित मंडल स्तरीय प्रतियोगिता में धाराप्रवाह कविता पाठ करके प्रथम स्थान प्राप्त किया। बालिका की प्रतिभा की सराहना करते हुए, ट्रस्ट ने कंडीकटकुर के मंडल परिषद प्राथमिक विद्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में उन्हें सम्मानित किया और एक स्वर्ण पदक, स्मृति चिन्ह, कहानी की किताबें और उपहार भेंट किए। कार्यक्रम में भाग लेते हुए मंडल शिक्षा अधिकारी सीएच श्रीनिवास गौड़ ने छात्रा को पुरस्कार प्रदान किए।

स्कूल की प्रधानाध्यापिका रिज़वाना बेगम और शिक्षक रमेश माधवी एवं रविंदर ने कार्यक्रम में भाग लिया और पुरस्कार प्रदान करने के लिए धरम सुशीला ट्रस्ट के प्रति विशेष आभार व्यक्त किया।

मंचेरियाल: पिता की डांट से क्षुब्ध होकर कक्षा 10 के छात्र ने की आत्महत्या

मंचेरियल, 08 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। रविवार तड़के मंदामर्री शहर के अंगदीबाजार में कक्षा 10 के एक छात्र ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। हालांकि इस कठोर कदम का सटीक कारण अभी पूरी तरह स्पष्ट होना बाकी है, लेकिन प्रारंभिक जानकारी सामने आई है।

पुलिस के अनुसार, 16 वर्षीय क्याथम तनय ने अपने आवास पर फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। परिवार के सदस्यों ने सुबह करीब 7 बजे उसका शव छत से लटका हुआ पाया। उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचित किया, जिसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए मंचेरियल के सरकारी सामान्य अस्पताल ले जाया गया।

तनय द्वारा कथित तौर पर लिखे गए एक सुसाइड नोट के अनुसार, वह पढ़ाई पर ध्यान देने के लिए अपने पिता द्वारा फटकार लगाए जाने के बाद उदास था। उसने हाल ही में संपन्न हुई वार्षिक परीक्षाओं में भाग लिया था, लेकिन बताया जा रहा है कि उसका प्रदर्शन खराब रहा, जिसके कारण उसके पिता ने उसे डांटा था। छात्र के पिता सत्यनारायण ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। मामले की जांच जारी है।

आदिलाबाद के जंगलों में महाराष्ट्र के बाघ का डेरा छह महीने से वन विभाग रख रहा है नज़र

आदिलाबाद, 08 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। महाराष्ट्र का एक बाघ आखिरकार आदिलाबाद जिले के जंगलों को अपना घर बना चुका है, और वन अधिकारी अब इसकी गतिविधियों पर कड़ी नजर रख रहे हैं।

वन अधिकारियों ने पुष्टि की है कि पड़ोसी महाराष्ट्र के यवतमाल जिले के टिपेश्वर वन्यजीव अभयारण्य से एक युवा नर बाघ लगभग छह महीने पहले पेनगंगा नदी पार करके आदिलाबाद रेंज के भीमपुर और थामसी मंडलों की ओर आ गया था। माना जाता है कि इसने क्षेत्र (टेरिटरी) और साथी की तलाश में जिले में प्रवेश किया था, क्योंकि सर्दियों को प्रजनन का मौसम माना जाता है।

बाघ की निगरानी में लगी टीम के एक वन अधिकारी ने 'तेलंगाना टुडे' को बताया, वर्तमान में, बाघ ने शिकार के आधार, शांतिपूर्ण वातावरण और पीने के पानी के स्रोतों जैसी अनुकूल परिस्थितियों को देखते हुए इस रेंज में 2,000 से 3,000 हेक्टेयर के क्षेत्र में अपना ठिकाना बना लिया है। विशेष ध्यान देते हुए बाघ की आवाजाही को बारीकी से ट्रैक किया जा रहा है। ग्रामीणों के बीच बाघ की मौजूदगी और सावधानियों के बारे में जागरूकता पैदा की जा रही है।

अधिकारियों ने खुलासा किया कि बाघ ने अब तक जंगल में चरने वाले पांच मवेशियों को मार डाला है। पशु मालिकों को प्रति गाय औसतन 30,000 का मुआवजा

दिया गया। बाघ ने अब तक मनुष्यों को कोई नुकसान नहीं पहुँचाया है, हालाँकि इसे रेंज के कई गाँवों के किनारों पर देखा गया है और किसानों द्वारा नियमित अंतराल पर इसके पदचिह्न (पगमार्क) देखे गए हैं।

बाघ को ट्रैक करने के लिए दो टीमें और 14 कैमरा ट्रैप तैनात

अधिकारियों के अनुसार, बाघ का पीछा करने के लिए 10 कर्मियों वाली दो टीमें तैनात की गई हैं, जबकि संरक्षण प्रयासों के हिस्से के रूप में इसकी तस्वीरें लेने और स्थान को ट्रैक करने के लिए परिदृश्य के विभिन्न हिस्सों में 14 सीसीटीवी कैमरा ट्रैप लगाए गए हैं। गाँवों में पोस्टर लगाए गए हैं और ग्रामीण निवासियों को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर चल रही अफवाहों पर विश्वास न करने की सलाह दी गई है। वन सीमा वाले गाँवों और बाघ के आवास के करीब की बस्तियों के निवासियों से शाम 6 बजे के बाद जंगल में प्रवेश न करने का भी अनुरोध किया गया है।

हालाँकि, बाघ की उपस्थिति ने पेनगंगा नदी के किनारे और दोनों राज्यों की सीमाओं पर स्थित गोलाघाट, थामसी (के), पिप्पलकोट, गुंजाला और आसपास के गाँवों के निवासियों के बीच दहशत पैदा कर दी है। किसानों और खेतिहर मजदूरों ने कहा कि वे बाघ की आवाजाही के कारण खेती के कार्यों और कपास की कटाई को लेकर चिंतित हैं। उन्होंने अधिकारियों से मानवीय हताहतों को रोकने और जानवर को जंगलों के गहरे हिस्सों में मोड़ने का आग्रह किया।

तेलंगाना और महाराष्ट्र के बीच दो अन्य बाघों का आना–जाना

इस बीच, महाराष्ट्र के पेनगंगा वन्यजीव अभयारण्य में रहने वाले एक मादा और एक नर बाघ पिछले तीन महीनों से पड़ोसी राज्य के बोथ वन रेंज और किनवट के बीच आ–जा रहे हैं। इन दोनों के साथ, जिले के जंगल अब तीन बाघों का घर हैं, जो अधिकारियों द्वारा उन क्षेत्रों में बाघों को वापस आकर्षित करने के निरंतर प्रयासों को दर्शाते हैं जो कभी बाघों की अच्छी आबादी के साथ समृद्ध थे। वन अधिकारियों का मानना है कि यदि निवासी नर बाघ जल्द ही एक मादा के साथ जोड़ा बना लेता है, तो जिले के जंगलों में बाघों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि देखी जा सकती है।

नगर पालिका कार्यालय में धूमधाम से मनाया अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

बेल्लमपल्ली, 08 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर, नगर पालिका चेयरमैन, महिला पार्षद, एवं मेपमा स्टाफ ने रविवार को नगर पालिका कार्यालय में महिला सफाई कर्मचारियों को सम्मानित किया।

इस कार्यक्रम में चेयरमैन धवा स्वाति, आयुक्त जे. संपत, वाइस चेयरमैन रागमसेट्टी सत्यनारायण के साथ–साथ महिला काउंसलर्स, मेपमा स्टाफ और नगरपालिका स्टाफ ने भाग लिया।

कार्यक्रम का उद्देश्य महिला कर्मचारियों के प्रति सम्मान और उनकी मेहनत को सराहना था। इस अवसर पर उपस्थित सभी ने महिलाओं की भूमिका और योगदान को सराहा और उनके उत्थान के लिए एकजुटता दिखाने का संकल्प लिया।

बेल्लमपल्ली रेलवे लाइन पर अज्ञात व्यक्ति की लाश बरामद

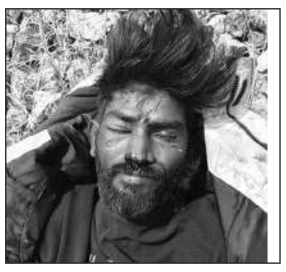

बेल्लमपल्ली, 08 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। बेल्लमपल्ली रेलवे स्टेशन के करीब कालटेक्स के रेलवे लाइन पर लगभग 30 वर्ष उम्र के एक अज्ञात व्यक्ति की लाश मिली है। मृतक ने काली टी–शर्ट, भूरे रंग की जैकेट, और हल्के नीले रंग की नाइट पैंट पहनी हुई है।

अगर किसी को मृतक के बारे में जानकारी है, तो वह बेल्लमपल्ली जीआरपी के हेड कांस्टेबल तिरुपति से संपर्क कर सकते हैं। उनका मोबाइल नंबर है: 8712538082।

इस घटना से स्थानीय लोगों में काफी दहशत का माहौल बन गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और मृतक की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मेगा रक्तदान शिविर का आयोजन

मंचेरियल, 08 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में, दान करो, पाओ विषय और रक्तदान करो, जीवन बचाओ और स्वास्थ्य पाओ नारे के तहत, लायंस क्लब और रेड क्रॉस सोसाइटी के तत्वावधान में वनिता वक्कू फाउंडेशन और नंदगोपाला टीम के सहयोग से सुरभि ग्रैंड के भूतल पर एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।इस अवसर पर फाउंडेशन की सह–संस्थापक तल्लापल्ली कविता और सुनीता भी उपस्थित रहीं। उन्होंने कहा कि यह रक्तदान शिविर एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है, जहां एक महिला (मां) अपने रक्तदान के माध्यम से बच्चे को जन्म देती है और अनेक लोगों को जीवनदान देती है।महिला दिवस के अवसर पर, यह कार्यक्रम महिलाओं की शक्ति को आगे बढ़ाने के लिए आयोजित किया गया। उन्होंने रक्तदान करने वाली प्रत्येक महिला का नाम लेकर धन्यवाद किया और बताया कि आज लगभग 17 महिलाओं ने रक्तदान किया। हालांकि, आगे आने वाली 100 महिलाओं में से केवल 17 ही रक्तदान के योग्य थीं।महिलाओं में एनीमिया की दर पुरुषों की तुलना में अधिक है, जिसका कारण मासिक धर्म और प्रसव के दौरान अत्यधिक रक्तस्राव हो सकता है। इस रक्तदान शिविर का मुख्य उद्देश्य इन समस्याओं को दूर करना और महिलाओं को पारिवारिक जिम्मेदारियों के साथ–साथ अपने स्वास्थ्य पर ध्यान देने के लिए जागरूक करना था।

लायंस क्लब ने रक्तदान करने वाली महिलाओं को प्रोत्साहन उपहार और शॉल देकर सम्मानित किया। इस शिविर में हेमा, लता, संध्या, कृष्णा, मंजुला, –पळींर, कल्पना, पद्मा, रजिता रानी, सत्य श्रीलता और शशिकला ने भाग लिया।

सदाशिवपेट : कांग्रेस पार्षद के पति साइबर धोखाधड़ी के शिकार, 7.79 लाख गंवाए

संगारेड्डी, 08 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। सदाशिवपेट में शनिवार रात एक कांग्रेस नगर पार्षद के पति साइबर जालसाजों की धोखाधड़ी का शिकार हो गए, जिसमें उन्होंने 7.79 लाख खो दिए।सदाशिवपेट नगरपालिका की कांग्रेस पार्षद उमारानी के पति उलिगद्दाला नागराजू ने कथित तौर पर एक धोखाधड़ी वाले लिंक (फ्रॉड लिंक) पर क्लिक किया, जिसके बाद उनके खाते से यह बड़ी राशि निकल गई।

उन्होंने सदाशिवपेट पुलिस स्टेशन में इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है।

हुजुराबाद: कर्तव्य में लापरवाही बरतने पर सहायक श्रम अधिकारी निलंबित

करीमनगर, 08 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। हुजुराबाद की सहायक श्रम अधिकारी (ALO) डी. चंदना को कर्तव्यों में लापरवाही और शक्तियों के दुरुपयोग के आरोप में निलंबित कर दिया गया है।

संयुक्त श्रम आयुक्त (वारंगल) विनीता ने एक जांच के आधार पर निर्णय लेते हुए रविवार को इस संबंध में आदेश जारी किए। निलंबन के कारणों के रूप में निर्माण और अन्य क्षेत्रों के श्रमिकों से संबंधित कल्याणकारी योजना के आवेदनों को लंबित रखने और उन्हें स्पष्ट करने में विफलता के साथ–साथ उच्च अधिकारियों को पूर्व सूचना दिए बिना कर्तव्यों से अनुपस्थित रहने का उल्लेख किया गया है।

उच्च अधिकारियों को चंदना के खिलाफ शिकायतें प्राप्त हुई थीं, जो कथित तौर पर मानदंडों का उल्लंघन कर रही थीं और अपनी शक्तियों का दुरुपयोग कर रही थीं।

शिकायतों के आधार पर, उप श्रम आयुक्त और सहायक श्रम आयुक्त ने जांच की और चंदना के खिलाफ लगाए गए आरोप सच पाए गए। इसके बाद, संयुक्त आयुक्त विनीता ने उन्हें निलंबित करने का निर्णय लिया और रविवार को आदेश जारी किए।

किसानों के समर्थन में बीआरएस का विरोध प्रदर्शन लंबित किसान निधि जारी करने की मांग

मंचेरियाल, 08 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। बीआरएस पार्टी के राज्य नेता नादिली विजय कुमार ने किसानों को आश्वासन दिलाने के उद्देश्य से एक विरोध कार्यक्रम आयोजित किया। मंचेरियल के पूर्व विधायक नदिल्ली दिवाकर राव की अध्यक्षता में मंचेरियल निर्वाचन क्षेत्र के दांडेपल्ली मंडल केंद्र में किसानों के साथ यह विरोध प्रदर्शन किया गया।

इस दौरान कांग्रेस सरकार द्वारा लंबित रखी गई तीन किसान आश्वासन निधियों को तत्काल जारी करने की मांग उठाई गई। नादिली विजय कुमार ने कहा कि किसानों से रोकी गई किसान गारंटी राशि तुरंत जारी की जानी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि अतीत में कांग्रेस सरकार ने केवल तीन एकड़ से कम भूमि वाले किसानों को ही आश्वासन दिया था, जबकि अन्य किसानों के साथ अन्याय हुआ है।

उन्होंने मांग की कि किसानों के लिए घोषित किसान बीमा निधि की तीनों किस्तें तुरंत उनके खातों में जमा की जाएं। उन्होंने कहा कि विधानसभा में किसानों को दिया गया आश्वासन शुरू से ही पूरी तरह लागू किया जाना चाहिए, अन्यथा मंचेरियल निर्वाचन क्षेत्र के सभी किसानों की ओर से कलेक्ट्रेट का घेराव किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि यदि किसानों के साथ अन्याय होता है तो बीआरएस पार्टी चुप नहीं बैठेगी और किसानों के अधिकारों के लिए संघर्ष करती रहेगी।

कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष चुंचू शीनिवास, दांडेपल्ली के पूर्व उप सरपंच अनिल, लक्षेट्टीपेट के पूर्व डीसीएमएस अध्यक्ष केथिरेड्डी शीनिवास रेड्डी, थिप्पानी लिंगैया सहित सरपंचों, पूर्व जनप्रतिनिधियों, नेताओं, कार्यकर्ताओं और बीआरएस पार्टी के अनेक सदस्यों ने भाग लिया।

जगतियाल: कथलापुर मंडल में भूकंप के झटके महसूस किए गए

जगतियाल, 08 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। जगतियाल जिले के कथलापुर मंडल के कई स्थानों पर रविवार को भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए, जिससे निवासियों में हड़कंप मच गया।

बताया गया है कि दोपहर लगभग 12:45 बजे करीब दो सेकंड तक धरती हिली। जमीन के अचानक हिलने और उसके साथ आई तेज आवाज ने लोगों को चौंका दिया, जिसके बाद लोग डर के मारे अपने घरों से बाहर निकल आए और कुछ देर तक सड़कों पर खड़े रहे।

हालांकि, नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र) की ओर से अभी तक इस संबंध में कोई आधिकारिक पुष्टि या जानकारी सामने नहीं आई है।

करीमनगर नगर निगम आयुक्त प्रफुल्ल देसाई के नाम पर रखा गया सड़क का नाम

करीमनगर, 08 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। करीमनगर नगर निगम आयुक्त प्रफुल्ल देसाई की विशिष्ट सेवाओं को मान्यता देते हुए, नगर निगम सीमा के भीतर एक सड़क का नाम उनके नाम पर रखा गया है। रविवार को अलुगुनूर क्षेत्र के आठवें डिवीजन में स्थित एक सड़क का नामकरण 'प्रफुल्ल देसाई मार्ग' के रूप में किया गया। सड़क का नामकरण करने का यह निर्णय शहर के सर्वांगीण विकास में आयुक्त की सक्रिय भूमिका और सार्वजनिक मुद्दों को प्राथमिकता के साथ हल करने के उनके निरंतर प्रयासों की सराहना में लिया गया है। यह कदम स्थानीय प्रशासन और जनता के बीच उनके प्रति विश्वास और सम्मान को दर्शाता है।

इस अवसर पर आयोजित प्रजापालना प्रगति प्रणालिका–99 कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, अलुगुनूर के आठवें डिवीजन में नई सड़कों के निर्माण के लिए आधारशिला भी रखी गई।

दिव्यांश सिंह पवार और ख्याति चौधरी ने 10 मीटर एयर राइफल में शीर्ष स्थान हासिल किया

नई दिल्ली, 08 मार्च (एजेंसियां)।

निशानेबाज दिव्यांश सिंह पवार और ख्याति चौधरी ने यहां हुए राष्ट्रीय चयन ट्रायल्स-3 के (ग्रुप एक) में शीर्ष स्थान हासिल किया है। दिव्यांश ने पुरुष वर्ग के 10 मीटर एयर राइफल में जबकि महिला वर्ग में ख्याति ने इसी वर्ग में नंबर एक स्थान हासिल किया। दूसरी ओर अनीश भानवाला ने 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल स्पर्धा के टी3 फाइनल में पहला स्थान हासिल किया। पंवार ने 252.5 अंक के साथ पहला जबकि पार्थ राकेश माने ने 251.5 अंक के साथ ही दूसरा स्थान हासिल किया। शाहू तुषार के 230.9 अंक के साथ ही तीसरे नंबर पर रहे। फाइनल में आठ खिलाड़ियों के बीच हुए मुकाबले में दिव्यांश भारी पड़े। वहीं महिलाओं के 10 मीटर एयर राइफल फाइनल में मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। ख्याति और महित संधू दोनों 24 शाट के बाद 251.4 अंक के साथ बराबरी पर थीं। इसके बाद हुए शूट-आफ में ख्याति ने शानदार 10.9 का स्कोर किया, जबकि महित ने 10.2 अंक हांसिल किये। इस तरह ख्याति ने पहला स्थान हासिल किया। तीसरे स्थान पर मेहुली घोस रहीं, जिन्होंने 230.1 अंक हासिल किए।दूसरी ओर पुरुष क्वालीफिकेशन में धनुष श्रीकांत शीर्ष पर रहे। पुरुषों की क्वालीफिकेशन राउंड में धनुष ने 633.2 अंक के साथ पहला स्थान हासिल किया। वहीं दूसरे स्थान पर महेश बाबू बथुला 632.6 रहे। राष्ट्रीय रिकार्डधारी हिमांशु ढिल्लों और नीरज कुमार ने 632.1 अंक के साथ ही तीसरा और चौथा स्थान हासिल किया। इसके बाद पार्थ माने, दिव्यांश और शाहू ने भी फाइनल के लिए प्रवेश हासिल किया। महिला क्वालीफिकेशन में मेहुली सबसे आगे रहीं। महिलाओं के क्वालीफिकेशन राउंड में मेहुल घोष ने 633.4 अंक के साथ ही नंबर एक स्थान हासिल किया। वहीं दूसरे स्थान पर सोनम उत्तम मास्कर 633.2 अंक लेकर रहीं। तीसरे स्थान पर तिलोत्तमा सेन 632.0 अंक के साथ रहीं। ख्याति के अलावा महित, विनोद, साक्षी सुनील पडेकर और ईशा अनिल टकसले ने भी फाइनल के लिए प्रवेश हासिल किया। 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल स्पर्धा में ओलंपियन भानवाला ने फाइनल में 33 अंक के साथ ही पहला स्थान हासिल किया।

न्यूज ब्रीफ

आईसीसी पर बरसे डी काक

कोलकाता। मध्यपूर्व में जारी तनाव के कारण अधिकतर उड़ानें बंद होने से आईसीसी टी20

विश्वकप क्रिकेट के लिए भारत आई टीमें टूर्नामेंट से बाहर आने के बाद भी स्वदेश नहीं लौट पा रही हैं। वेस्टइंडीज टीम के बाद दक्षिण अफ्रीका भी भारत में फंसी हुई है पर इंग्लैंड टीम स्वदेश वापसी करने में सफल रही है। जिसके बाद से ही अन्य टीमों के खिलाड़ी भड़के हुए हैं। इसी कारण दक्षिण अफ्रीका के क्विंटन डी काक ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को आड़े हाथों लिया है। डी काक ने सोशल मीडिया पर कहा कि यह अजीब बात है कि उनके बाद बाहर होने वाली इंग्लैंड उनसे पहले वापस चली गयी है। वहीं वेस्टइंडीज और हमारी टीम अभी भी कोलकाता में है। डी काक ने सोशल मीडिया में लिखा, मजेदार आईसीसी, हमने कुछ नहीं सुना। इस बीच, इंग्लैंड किसी तरह हमसे पहले निकल गयी है। वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका अब भी फंसी है। अजीब बात है कि अलग-अलग टीमों का दूसरों से अलग प्रभाव होता है। वहीं इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वान ने भी इसपर अपनी नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने लिखा, तो इंग्लैंड गुरुवार को बाहर हो गया, चार्टर होम ले लो। वेस्टइंडीज पिछले रविवार को बाहर हो गया और अभी भी कोलकाता में है। दक्षिण अफ्रीका उसी स्थिति में है। यहीं पर अपनी ताकत का प्रयोग गलत है। इस स्थिति में सभी टीमों के साथ एक जैसा व्यवहार किया जाना चाहिए। केवल इसलिए कि आप आईसीसी टेबल पर ज्यादा शक्तिशाली हैं, तो आपके साथ अलग व्यवहार होगा।

हंपी के बाद दिव्या भी शीर्ष दस महिला शतरंज खिलाड़ियों में शामिल

प्राग। भारत की दिव्या देशमुख विश्व शतरंज रैंकिंग में संयुक्त रुप से दसवें स्थान पर पहुंच गयी है।

दिव्या 2510 रेटिंग अंकों के साथ विश्व की शीर्ष दस महिला खिलाड़ियों में शामिल हो गयी हैं। दिव्या ने यहां जारी फ़ीडे कैंडिडेट के पहले प्राग चैलेंजर में 9 दौर के में 5 अंक प्राप्त कर तीसरा स्थान हासिल किया। वहीं भारत की ही कोनेरू हंपी 2535 अंकों के साथ शीर्ष पांच में बरकरार हैं। वहीं चीन की तीसरे नंबर की महिला खिलाड़ी जू जिनर भी 2.5 अंकों के साथ ही संयुक्त रुप से अंतिम स्थान पर रही। दूसरी ओर पूरुष वर्ग की बात करें तो भारत के सूर्य शेखर गांगुली 4 अंक हासिल करने के साथ ही आठवें नंबर पर आ गये हैं। वहीं चेक गणराज्य के फिनेक वैक्लेव 6.5 अंकों के साथ ही पहले और स्पेन के यूफ़ा डेनियल 6 अंक के साथ ही दूसरे स्थान पर रहे।

भारतीय वालीबाल के गाड जिम्मी जार्ज एक ऐसा खिलाड़ी जिसने खेल के लिए छोड़ दिया था मेडिकल करियर

नई दिल्ली। भारत में वालीबाल भी लोकप्रियता के मामले में क्रिकेट और अन्य बड़े खेलों से पीछे है, लेकिन इस खेल को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने वाले एक महान खिलाड़ी का नाम हमेशा याद किया जाता है जिम्मी जार्ज। उन्हें भारतीय वालीबाल का गाड कहा जाता है। उनका जन्म 8 मार्च 1955 को केरल के कन्नूर जिले के पेरवूर में हुआ था। उनके पिता जोसफ जार्ज एक वकील होने के साथ विश्वविद्यालय स्तर के वालीबाल खिलाड़ी भी थे, जबकि उनकी मां मैरी जार्ज थीं। परिवार में खेल का माहौल होने के कारण जिम्मी को बचपन से ही वालीबाल से लगाव हो गया था। जिम्मी पढ़ाई में भी काफी अच्छे थे और उन्होंने सरकारी कालेज में मेडिकल सीट हासिल कर ली थी, लेकिन वालीबाल के प्रति जुनून इतना ज्यादा था कि उन्होंने मेडिकल की पढ़ाई छोड़कर खेल को ही अपना करियर बना लिया। महज 16 साल की उम्र में वह केरल स्टेट टीम का हिस्सा बन गए थे। कालेज के दिनों में उन्होंने कई पुरस्कार जीते और केरला यूनिवर्सिटी की टीम को 1973 से 1976 के बीच लगातार चार आल इंडिया इंटर-यूनिवर्सिटी चैंपियनशिप दिलाने में अहम भूमिका निभाई। 1973 में वह टीम के कप्तान भी रहे। साल 1974 में तेहरान में हुए एशियन गेम्स में वह भारतीय राष्ट्रीय वालीबाल टीम का हिस्सा बने। हालांकि भारत उस टूर्नामेंट में ग्रुप स्टेज से आगे नहीं बढ़ सका, लेकिन 19 वर्षीय जिम्मी जार्ज की प्रतिभा ने सभी का ध्यान खींच लिया। 1976 में उन्होंने वालीबाल पर पूरा ध्यान देने के लिए मेडिकल कालेज छोड़ दिया और केरल पुलिस में शामिल हो गए। महज 21 वर्ष की उम्र में उन्हें अर्जुन अवार्ड से सम्मानित किया गया, जिससे वह इस पुरस्कार को पाने वाले सबसे युवा वालीबाल खिलाड़ियों में शामिल हो गए।

फीफा विश्व कप 2026 के लिए मेक्सिको में 1 लाख सुरक्षाकर्मियों की तैनाती

सरकार ने सुरक्षा तैयारियां तेज कीं

मेक्सिको सिटी, 08 मार्च (एजेंसियां)।

मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम ने घोषणा की है कि इस वर्ष होने वाले 2026 फीफा विश्व कप 23वां फीफा विश्व कप होगा जो कि फुटबाल का एक अंतर्राष्टीय टूर्नामेंट है के दौरान सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लगभग 1 लाख सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की जाएगी। उन्होंने जलिस्को राज्य की राजधानी ग्वाडालाजारा में आयोजित एक प्रेस कान्फ्रेंस के दौरान कहा कि देश विश्व कप की मेजबानी के लिए पूरी तरह तैयार है और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। शीनबाम ने कहा कि सरकार जलिस्को और पूरे देश के लोगों की शांति, सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम कर रही है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि विश्व कप के दौरान मेक्सिको आने वाले लाखों दर्शकों और खिलाड़ियों के लिए सुरक्षित माहौल उपलब्ध कराया जाएगा।

यह घोषणा ऐसे समय में की गई है जब हाल ही में एक सैन्य अभियान में कुख्यात कार्टेल सरगना की मौत के बाद देश के कई हिस्सों में हिंसा बढ़ गई है। 22 फरवरी को उसकी मौत के बाद जलिस्को न्यू जेनरेशन कार्टेल के सदस्यों ने मैक्सिकन सेना के साथ गोलीबारी की, सड़कों को जाम किया और कई वाहनों में आग लगा दी। सुरक्षा योजना के तहत 20,000 सैनिकों और 55,000 पुलिस अधिकारियों को तैनात किया जाएगा। इसके अलावा निजी सुरक्षा कंपनियों के कर्मियों को भी शामिल किया जाएगा। अधिकारियों के अनुसार सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए 2,500 सैन्य और नागरिक वाहन, 24 एयरक्राफ्ट, एंटी-ड्रोन सिस्टम और विस्फोटक व अन्य संदिग्ध वस्तुओं का पता लगाने के लिए प्रशिक्षित कुत्तों की मदद ली जाएगी। मेक्सिको के सैन्य अधिकारी को इस बड़े सुरक्षा अभियान की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्होंने कहा कि पहली चुनौती अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने एक भरोसेमंद, सुरक्षित और सुव्यवस्थित मेक्सिको पेश करना है। साथ ही, सरकार को उन खतरों का भी सामना करने के लिए तैयार रहना होगा जो राष्ट्रीय सुरक्षा को प्रभावित कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बलों ने जनवरी से विशेष प्रशिक्षण शुरू कर दिया है और आने वाले हफ्तों में इसे और तेज किया जाएगा। मेक्सिको, यूनाइटेड स्टेट और कनाडा के साथ मिलकर 11 जून से 19 जुलाई तक विश्व कप की सह-मेजबानी करेगा।

तजिंदरपाल सिंह ने बढ़ाया मान, 20 मीटर से अधिक के थ्रो के साथ गोला फेंक में जीता स्वर्ण पदक

नई दिल्ली । एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता और राष्ट्रीय रिकार्ड धारक तजिंदरपाल सिंह तूर ने शनिवार को इंडियन ओपन थ्रो प्रतियोगिता के पहले दिन गोला फेंक (शाट पुट) स्पर्धा में 20 मीटर से अधिक का थ्रो करके स्वर्ण पदक जीता। पंजाब के 31 वर्षीय एथलीट ने सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 20.51 मीटर की दूरी के थ्रो से स्वर्ण पदक जीता। अपने प्रदर्शन पर क्या बोले पटियाला स्थित राष्ट्रीय खेल संस्थान परिसर में दो दिवसीय प्रतियोगिता में शीर्ष स्थान हासिल करने के बाद तूर ने कहा, मैं अपने प्रदर्शन से संतुष्ट हूं। तूर ने दो अन्य प्रयासों (20.02 मीटर और 20.07 मीटर) में भी 20 मीटर का आंकड़ा पार किया जिससे संकेत मिलता है कि उनका प्रशिक्षण सत्र अच्छा चल रहा था। उनके अन्य तीन प्रयास विफल रहे। तूर का राष्ट्रीय रिकार्ड 21.17 मीटर जून 2023 में बना था। इस सत्र में उनका मुख्य लक्ष्य जापान के आइची-नागोया एशियाई खेलों में अपने खिताब को बरकरार रखने के लिए साल के अंत तक सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है। पटियाला में शनिवार को आयोजित हैमर थ्रो प्रतियोगिता में रिलायंस का प्रतिनिधित्व करने वाले स्वर्ण पदक विजेता दमनीत सिंह पर भी सबकी निगाहें टिकी थीं।

अगरकर ने कठिन फैसलों से बदली भारतीय टीम की दिशा

चीफ सिलेक्टर अजीत अगरकर के 3 साल पूरे

अहमदाबाद, 08 मार्च (एजेंसियां)।

अजीत आगरकर जब भारत की सीनियर चयन समिति के अध्यक्ष बने, तब परिस्थितियां काफी चुनौतीपूर्ण थीं। उन्हें यह जिम्मेदारी चेतन शर्मा की जगह दी गई थी, जिन्हें एक टीवी स्टिंग आपरेशन के बाद पद से हटना पड़ा था। अगरकर के तीन साल के कार्यकाल में कई ऐसे फैसले लिए गए जिन्हें उस समय साहसिक माना गया, लेकिन बाद में उनके सकारात्मक परिणाम सामने आए। क्रिकेट में चयनकर्ता की भूमिका अक्सर विकेटकीपर जैसी मानी जाती है। अच्छे फैसलों पर भले ही कम सराहना मिले, लेकिन एक गलती पर कड़ी आलोचना झेलनी पड़ती है। अगरकर के कार्यकाल में भी यही स्थिति देखने को मिली। वर्ष 2020-21 में जब चयन समिति के अध्यक्ष का पद खाली हुआ था, तब अगरकर ने भी आवेदन किया था, लेकिन उस समय चेतन शर्मा को यह जिम्मेदारी मिली। बाद में 2023 में अगरकर को यह पद सौंपा गया और इसके बाद वह अपने फैसलों के कारण लगातार चर्चा में रहे।

भारत की चयन समितियों के इतिहास में दिलीप वेंगसरकर और कृष्णाचारी श्रीकांत के बाद अगरकर का कार्यकाल भी काफी प्रभावशाली माना जा रहा है। पिछले तीन वर्षों में भारतीय टीम ने आईसीसी के चार बड़े टूर्नामेंट 2023 आईसीसी वर्ल्डकप, 2024 आईसीसी मेंस टी20 विश्वकप, 2025 आईसीसी चैम्पियनशिप ट्राफी और 2026 आईसीसी मेंस टी20 वर्ल्डकप के फाइनल में जगह बनाई है। अगर भारत न्यूजीलैंड को हराकर खिताब जीतता है तो यह तीन वर्षों में तीसरी बड़ी ट्राफी होगी। टीम की सफलता का श्रेय अक्सर खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ को मिलता है, लेकिन बड़े टूर्नामेंट के लिए मजबूत टीम तैयार करने में चयनकर्ताओं की भूमिका भी बेहद अहम होती है। अगरकर के कार्यकाल में कई ऐसे फैसले लिए गए जिनके लिए मजबूत विश्वास की जरूरत थी। उदाहरण के तौर पर हार्दिक पाण्डया की जगह सूर्यकुमार यादव को टी20 टीम का कप्तान बनाना एक बड़ा फैसला था। इसके अलावा वनडे टीम की कप्तानी से रोहित शर्मा को हटाने का निर्णय भी काफी संवेदनशील माना गया। इन दोनों मामलों में अगरकर ने आलोचनाओं से बचने की कोशिश नहीं की, बल्कि खुले तौर पर फैसलों का समर्थन किया। उनका मानना था कि टीम चयन केवल आंकड़ों के आधार पर नहीं किया जा सकता, बल्कि खिलाड़ियों की भूमिका, टीम संतुलन और रणनीतिक सोच भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है। अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति में एस शरत (जिनकी जगह बाद में प्रज्ञान ओझा आए), सुब्रता बनर्जी (जिनकी जगह आरपी सिंह को शामिल किया गया), एसएस दास और अजय रात्रा जैसे सदस्य शामिल रहे। इन सभी ने मिलकर भारतीय टीम के लिए एक मजबूत और संतुलित संयोजन तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

आईएसयू फिगर जूनियर विश्व चैम्पियनशिप

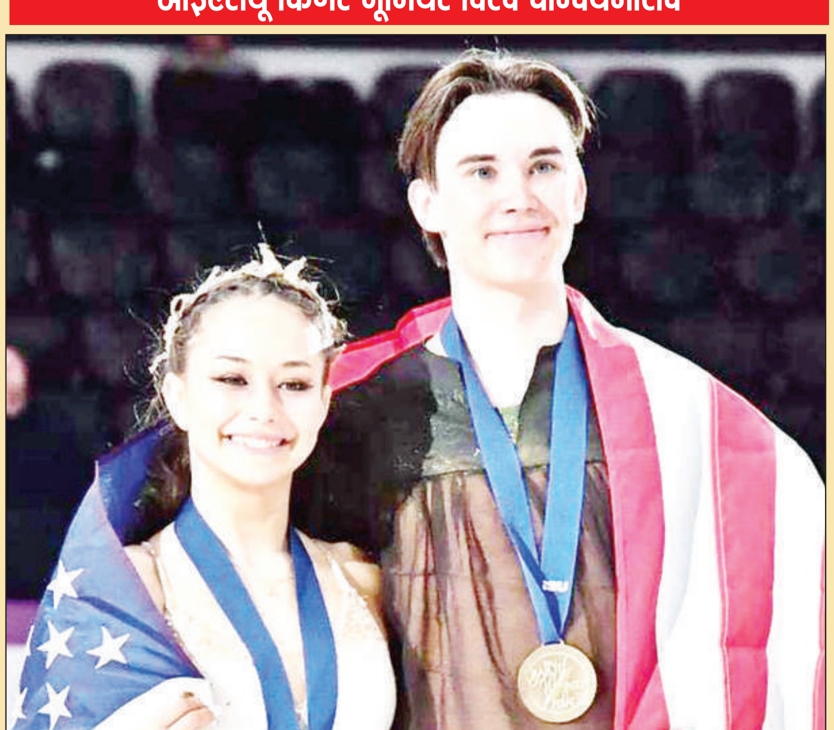

इस्टोनिया में आईएसयू फिगर जूनियर विश्व चैम्पियनशिप में पोज देती हुई अमेरिकी जोड़ी।

आईसीसी ने भारत में फंसी टीमों के लिए चार्टर फ्लाइट का किया इंतजाम

दुबई , 08 मार्च (एजेंसियां)।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने मध्यपूर्व में जारी संघर्ष को देखते हुए कोलकाता में फंसी टीमों के लिए विशेष उड़ान का इंतजाम किया है। : आईसीसी ने ये व्यवस्था इसलिए की है क्योंकि टूर्नामेंट से बाहर होने के बाद भी कुछ टीमें भारत में ही फंसी हुई हैं। इन्हीं टीमों के लिए विशेष व्यवस्था की गयी है। मध्य पूर्व में संघर्ष के कारण दुबई सहित कई जगहों से अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में बाधा आई है। इसी को देखते हुए आईसीसी ने वेस्टइंडीज, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका की टीमों के लिए चार्टर फ्लाइट बुक की है। इन तीनों टीमों की यात्रा में देरी हो रही थी, जिसके बाद आईसीसी ने खिलाड़ियों और सहायेगी स्टाफ को सुरक्षित तरीके से अपने-अपने देशों तक पहुंचाने के लिए चार्टर फ्लाइट बुक की है।

वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार इंग्लैंड टीम शनिवार शाम मुंबई से लंदन के लिए रवाना हुई जबकि वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीकी टीम को अलग चार्टर फ्लाइट के जरिए भेजा जाएगा। दक्षिण अफ्रीका की टीम पहले जोहान्सबर्ग पहुंचेगी, जबकि वेस्टइंडीज की टीम वहां से आगे एंटीगुआ के लिए रवाना होगी।

वेस्टइंडीज की टीम 1 मार्च से कोलकाता में ही रुकी हुई थी। कैरिबियाई टीम अपने अंतिम सुपर-8 मुकाबले में भारत से पांच विकेट से हार के बाद ही बाहर हो गयी थी। इसके बाद अमेरिका और इजराइल के ईरान पर किए गए हमलों के बाद उड़ाने बंद होने से टीम भारत में ही फंस गयी थी।

इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका की टीमें भी टूर्नामेंट से बाहर होने के बाद भी भारत में ही रुकी हुई थीं। इंग्लैंड को सेमीफाइनल में भारत के खिलाफ हार मिली थी। दक्षिण अफ्रीका को न्यूज़ीलैंड ने सेमीफाइनल में हराया था। इन हार के बाद दोनों टीमों को उड़नो शुरु नहीं होने से भारत में ही रहना पड़ा। वेस्टइंडीज के मुख्य कोच डैरेन सैमी ने भी इसको लेकर आईसीसी से नाराजगी जतायी थी। वहीं वेस्टइंडीज के स्पिनर अकील हुसैन ने भी सोशल मीडिया पर हंसते हुए लिखा, अब तो बेहतर होगा कि मैं स्टार फुटबाल स्टार से अपना जेट भेजकर मुझे यहां से ले जाने का अनुरोध करुं।इससे पहले जिम्मेबाब्वे भी कुछ दिन भारत में फंसी थी।

टी-20 विश्व कप : सबसे तेज शतक लगाने वालों में फिन एलेन सबसे आगे

नई दिल्ली, 08 मार्च (एजेंसियां)।

टी-20 विश्व कप में तेज शतक लगाने वालों में अगर छह लोगों की सूची देखा जाए तो उसमें कोई भी भारतीय नहीं हैं। इस सूची में एक समय पर क्रिस गेल का दबदबा था। जो इस विश्वकप में टूट गया हैं। 22 वर्षीय बाएं हाथ के बल्लेबाज ने वानखेड़े स्टेडियम में भारत के खिलाफ सिर्फ 45 गेंदों में शतक जड़ दिया और 48 गेंदों में 105 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इस प्रदर्शन के साथ बेथल टी-20 विश्व कप में सबसे तेज शतक लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में दूसरे स्थान पर आ गए। इससे पहले न्यूज़ीलैंड के फिन एलेन ने विश्व कप 2026 के पहले सेमीफाइनल में सिर्फ 33 गेंदों में शतक बनाकर यह टूर्नामेंट का सबसे तेज शतक दर्ज किया था। इस कारनामे के दौरान वेस्टइंडीज के धाकड़ बल्लेबाज क्रिस गेल का 10 साल पुराना रिकार्ड तोड़ दिया। गेल ने साल 2016 के टी-20 विश्व कप में इंग्लैंड के खिलाफ 47 गेंदों में शतक लगाया था, जिसे अब बेथल ने पीछे छोड़ दिया।

टी-20 विश्व कप के इतिहास में सबसे तेज शतक बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में क्रिस गेल की छाप अब भी बनी हुई है। गेल ने साल 2016 में 47 गेंदों में शतक लगाया और साल 2007 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 50 गेंदों में शतक जमाया था। उनके शतक में 57 गेंदों में 10 छक्के और 7 चौके शामिल थे, जिससे उन्हें यूनिवर्स बास का खिताब भी मिला।

इस सूची में पांचवें स्थान पर इंग्लैंड के हैरी ब्रूक का नाम है, जिन्होंने 2026 टी-20 विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ 50 गेंदों में शतक बनाया। वहीं, छहवें नंबर पर न्यूजीलैंड के ब्रेंडन मैक्कुलम का नाम है, जिन्होंने साल 2012 में बांग्लादेश के खिलाफ 51 गेंदों में शतक जड़ा था। जेकब बेथल का यह रिकार्ड उनके युवा करियर की एक और बड़ी उपलब्धि साबित हुआ है। इस शतक ने न केवल टीम इंग्लैंड को सेमीफाइनल में मजबूती दी, बल्कि टी-20 विश्व कप के इतिहास में बेथल का नाम भी सबसे तेज शतक लगाने वाले खिलाड़ियों की सूची में अमर कर दिया। उनके खेल से यह साफ हो गया कि युवा खिलाड़ी बड़े मुकाबलों में दबाव में भी शानदार प्रदर्शन कर सकते हैं।

टी-20 विश्व कप में सबसे तेज शतक लगाने वाले टाप-6 बैटर

- फिन एलेन- 33 गेंदों में बनाम साउथ अफ्रीका (2026)
- जेकब बेथल-45 गेंदों में बनाम भारत (2026)
- क्रिस गेल-47 गेदों में बनाम इंग्लैंड (2016)
- क्रिस गेल-50 गेंदों में बनाम साउथ अफ्रीका (2007)
- हैरी ब्रुक- 50 गेदों में बनाम पाकिस्तान (2026)
- ब्रैंडन मैक्कुलम- 51 गेंदों में बनाम बांग्लादेश (2012)है।

भारत में अब कुल 308 अरबपति मुकेश अंबानी बने सबसे अमीर

पिछले एक वर्ष में भारत में 57 नए अरबपति जुड़े, जबकि 27 लोग सूची से बाहर हुए

मुंबई, 08 मार्च (एजेंसियां)।

हुरुन ग्लोबल रिच लिस्ट 2026 की रिपोर्ट के अनुसार भारत में अब कुल 308 अरबपति हो गए हैं, जो पिछले साल से 24 अधिक हैं। इस बढ़ोतरी के साथ भारत अरबपतियों की संख्या के मामले में दुनिया में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है, केवल अमेरिका और चीन से पीछे। पिछले एक वर्ष में भारत में 57 नए अरबपति जुड़े, जबकि 27 लोग सूची से बाहर हुए। कुल अरबपतियों में लगभग 7 फीसदी महिलाएं हैं। रिपोर्ट बताती है कि भारतीय अरबपतियों की कुल संपत्ति में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। एक साल में उनकी संपत्ति लगभग 10 फीसदी बढ़कर 112.6 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गई। इस दौरान 199 अरबपतियों की संपत्ति में वृद्धि हुई, जबकि 109 की संपत्ति में कमी या कोई खास बदलाव नहीं हुआ। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी एक बार फिर भारत और एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति बने। उनकी कुल संपत्ति लगभग 9.8 लाख करोड़ रुपये है, जिसमें पिछले साल की तुलना में करीब 9 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। गौतम अडानी अडानी ग्रुप के प्रमुख दूसरे स्थान पर हैं, हालांकि उनकी संपत्ति में 14 फीसदी की गिरावट आई है और अब यह 7.5 लाख करोड़ रुपये रह गई है। तीसरे स्थान पर रोशनी नाडर मल्होत्रा, एचसीएल टेक्नोलाजी की चेयरपर्सन हैं। उनकी संपत्ति लगभग 3.2 लाख करोड़ रुपये है और वह भारत के शीर्ष 10 अमीरों में इकलौती महिला हैं। इस साल सबसे अधिक नए अरबपति हेल्थकेयर क्षेत्र से सामने आए हैं, कुल 53 नए नाम शामिल हुए। इसके बाद औद्योगिक उत्पाद क्षेत्र से 36 और उपभोक्ता वस्तु क्षेत्र से 31 नए अरबपति जुड़े। संपत्ति के मामले में ऊर्जा क्षेत्र सबसे आगे रहा। केवल 8 अरबपतियों के पास 18.3 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति है, जो भारत के कुल अरबपति धन का लगभग 16 फीसदी है। साइरस एस पूनावाला, सीरम इंस्टीट्यूट आफ इंडिया के संस्थापक और चेयरमैन, इस साल सबसे बड़े वेल्थ गेनर बने।

न्यूज ब्रीफ

मिडिल ईस्ट तनाव से एशिया में ऊर्जा संकट बढ़ा

मुंबई। मिडिल ईस्ट में हालिया सैन्य घटनाओं ने एशिया में ऊर्जा आपूर्ति पर सीधा असर डाला है। अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर हमलों के बाद शुरू हुई जवाबी कार्रवाई से तेल और गैस उत्पादन प्रभावित हुआ है। इसके साथ ही होर्मुज जलडमरूमध्य में आवाजाही लगभग ठप हो गई है। यह मार्ग खाड़ी क्षेत्र के बड़े तेल उत्पादक देशों से एशिया और दुनिया के अन्य हिस्सों तक ऊर्जा पहुंचाने के लिए अहम माना जाता है। ऊर्जा आपूर्ति में बाधा के कारण एशिया के कई देशों में संकट के संकेत दिखने लगे हैं। बिजली कंपनियों और रिफाइनरियों के पास ईंधन का भंडार घटने लगा है। सिंगापुर में जहाजों को ईंधन उपलब्ध कराने वाली कंपनियों ने आपूर्ति सीमित कर दी है। फिलीपींस ने सरकारी दफ्तरों के कामकाज के दिन कम कर दिए हैं, जबकि बांग्लादेश ने रमजान के दौरान सजावटी रोशनी सीमित की है। चीन ने घरेलू जरूरतों को सुरक्षित रखने के लिए रिफाइनरियों से ईंधन निर्यात कम करने के निर्देश दिए हैं। ऊर्जा संकट का असर उद्योगों पर भी पड़ रहा है। पाकिस्तान के एक कारोबारी का कहना है कि गैस की कमी और बढ़ती लागत के कारण उत्पादन में 35 प्रतिशत तक वृद्धि हुई है। वहीं कतर और संयुक्त अरब अमीरात में हवाई अड्डों के बंद होने से अंतरराष्ट्रीय ग्राहकों तक माल भेजना मुश्किल हो गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर यह स्थिति लंबी खिंचती है तो एशियाई देशों में ऊर्जा संकट और गंभीर हो सकता है। उत्पादन लागत और ईंधन कीमतें बढ़ सकती हैं, जबकि सरकारों को बचाव के अस्थायी उपाय करने पड़ सकते हैं।

भारत के कृषि निर्यात पर खतरा, पश्चिम एशिया में युद्ध से किसान प्रभावित

भारत का लगभग 1.06 लाख करोड़ का कृषि और खाद्य निर्यात खतरे में

नई दिल्ली, 08 मार्च (एजेंसियां)।

अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते युद्ध तनाव से भारत का लगभग 11.8 अरब डालर (1.06 लाख करोड़ रुपये) का कृषि और खाद्य निर्यात खतरे में है। एक रिपोर्ट के अनुसार, शिपिंग मार्गों में बाधाएं, बीमा लागत में तेजी और लाजिस्टिक्स की अनिश्चितता ने पश्चिम एशिया को भारत के लिए चुनौतीपूर्ण बाजार बना दिया है। भारत इस क्षेत्र को चावल, केला, प्याज, सब्जियां, दालें, मेवे, मसाले, काफी, चाय और डेयरी उत्पाद भेजता है। 2025 में भारत ने पश्चिम एशिया को 4.43 अरब डालर का चावल जो कुल वैश्विक चावल निर्यात का 36.7 प्रतिशत है, भेजा। अनाज और मसाले का निर्यात 7.48 अरब डालर रहा। इसके अलावा जायफल, इलायची और जावित्री का 295.5 मिलियन डालर, जीरा और धनिया का 163 मिलियन डालर, हल्दी और अदरक का 173 मिलियन डालर, काफी 240.7 मिलियन डालर और चाय 410.1 मिलियन डालर निर्यात हुआ। प्रोसेस्ड फूड और कोको उत्पाद का कारोबार 1.35 अरब डालर तक पहुंचा, जबकि मछली और मांस 1.81 अरब डालर रहा। डेयरी उत्पादों का 28.9 प्रतिशत (281.1 मिलियन डालर) निर्यात इसी क्षेत्र में गया। मादक और गैर-मादक पेय में भारत की निर्भरता और अधिक है, क्योंकि कुल निर्यात का 43.3 प्रतिशत पश्चिम एशिया खरीदता है। विशेषज्ञों के अनुसार युद्ध से सबसे बड़ी चुनौती बीमा लागत और शिपिंग रूट में आई बाधाएं हैं। जहाजों का लंबा और सुरक्षित मार्ग चुनना महंगा हो गया है। ताजे फल, सब्जियां और मसाले लंबे समय तक यात्रा नहीं सह सकते, जिससे करोड़ों रुपये का माल खराब होने का खतरा है। इससे पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और आंध्र प्रदेश के किसानों की आय पर सीधा असर पड़ेगा। अगर तनाव जल्द कम नहीं होता, तो यह सिर्फ निर्यात आंकड़ों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि भारत के आम किसान और कृषि उद्योग भी नुकसान उठाने को मजबूर होंगे। पश्चिम एशिया, जो भारत का प्राकृतिक और बड़ा बाजार है, अब युद्ध के कारण अस्थिर और चुनौतीपूर्ण बन गया है।

निसान मोटर कर रही है नई मिड-साइज एसयूवी टेक्टन पर काम

नई दिल्ली। अपने पोर्टफोलियो को मजबूत करने के लिए निसान मोटर कंपनी नई मिड-साइज एसयूवी टेक्टन पर काम कर रही है। हाल ही में 4.2 से 4.5 मीटर के एसयूवी सेगमेंट में आने वाली इस गाड़ी को टेस्टिंग के दौरान देखा गया है। जानकारी के मुताबिक यह माडल नई जनरेशन की रिनाल्ट डस्टर के प्लेटफार्म पर तैयार किया जा रहा है और फिलहाल पूरी तरह कैमोफ्लाज के साथ टेस्टिंग की जा रही है। माना जा रहा है कि लान्च से पहले वाहन अराई होमोलोगेशन टेस्ट से गुजर रहा है। डाइमेंशन के मामले में यह एसयूवी लगभग नई डस्टर के बराबर हो सकती है। डस्टर की लंबाई 4,345 मिमी, चौड़ाई 1,815 मिमी और ऊंचाई 1,703 मिमी है, जबकि इसका व्हीलबेस 2,657 मिमी है। स्पाई शाट्स में दिखी टेस्ट कार में स्टील व्हील्स लगे थे, जिससे अनुमान लगाया जा रहा है कि यह बेस वेरिएंट हो सकता है। डिजाइन की बात करें तो इसमें चौकोर व्हील आर्च, सी-पिलर पर लगे रियर डोर हैंडल और हल्की घुमावदार रूफलाइन दी जा सकती है। पीछे की तरफ रूफ माउंटेड स्पाइलर, रेक्ड विंडशील्ड और कनेक्टेड सी-शेप टेललैंप जैसे एलिमेंट देखने को मिल सकते हैं। फीचर्स के मामले में टेक्टन के टाप वेरिएंट में डुअल स्क्रीन सेटअप, पैनोरमिक सनरूफ, वेंटिलेटेड फ्रंट सीटें, डुअल-जोन आटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल, एयर क्वालिटी इंडिकेटर और वायरलेस चार्जिंग जैसे फीचर्स मिलने की उम्मीद है। साथ ही इसमें एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम (एडीएएस) भी दिया जा सकता है। इंजन विकल्पों की बात करें तो इसमें 1.0-लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन मिलने की संभावना है, जो करीब 100 पीएस की पावर और 160 एनएम टार्क जनरेट करेगा। इसके अलावा 1.3-लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन और स्ट्रान्ग हाइब्रिड पावरट्रेन का विकल्प भी दिया जा सकता है।

पेट्रोल व डीजल की कीमत बढ़ाने की योजना नहीं

नई दिल्ली, 08 मार्च (एजेंसियां)।

घरेलू गैस उपभोक्ताओं के लिए सरकार ने बड़ा फैसला लेते हुए एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी कर दी है। देर रात लिए गए इस फैसले के तहत घरेलू एलपीजी सिलेंडर 60 रुपये महंगा हो गया है, जबकि कामर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में 115 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। कीमत बढ़ने के बाद यह चर्चा तेज हो गई थी कि क्या आने वाले समय में पेट्रोल और डीजल के दाम भी बढ़ सकते हैं। हालांकि सरकार से जुड़े सूत्रों के अनुसार फिलहाल पेट्रोल और डीजल की कीमतों में किसी तरह की बढ़ोतरी की योजना नहीं है।

बताया जा रहा है कि सरकार ने ऊर्जा आपूर्ति को स्थिर रखने के लिए अन्य देशों से कच्चे तेल के आयात में लगभग 10 प्रतिशत तक बढ़ोतरी कर दी है। दरअसल हाल ही में पश्चिम एशिया में बढ़े तनाव ने वैश्विक ऊर्जा बाजार को प्रभावित किया है। 28 फरवरी को इजरायल और अमेरिका ने इरान पर हमला किया था। इसके बाद इस्लामिक रेवेल्यूशनरी गार्ड कार्प (आईआरजीसी) ने महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग स्ट्रेट आफ होर्मुज को बंद करने का ऐलान कर दिया था।

स्ट्रेट आफ होर्मुज संकट के बीच सरकार ने कच्चे तेल के वैकल्पिक स्रोत बढ़ाए

यह रास्ता वैश्विक तेल आपूर्ति के लिए बेहद अहम है, क्योंकि दुनिया के लगभग 20 प्रतिशत तेल का व्यापार इसी मार्ग से होता है। इस घटनाक्रम का असर भारत पर भी पड़ा है। रिपोर्टों के मुताबिक खाड़ी देशों ने भारत को होने वाली क्रूड आयल सप्लाई में कमी कर दी है। साथ ही एलएनजी और एलपीजी की आपूर्ति भी प्रभावित हुई है। वर्ष 2025 में इंडिया ने करीब 25 मिलियन टन एलएनजी आयात किया था, जिसमें से लगभग 14 मिलियन टन स्ट्रेट आफ होर्मुज के रास्ते आया था।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

शाबाश, टीम ...

शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों खिलाड़ियों ने 7.1 ओवरों में 98 रन की साझेदारी की। अभिषेक 21 गेंदों में 3 छक्कों और 6 चौकों की मदद से 52 रन बनाकर पवेलियन लौटे। यहां से संजू सैमसन ने ईशान किशन के साथ दूसरे विकेट के लिए 48 गेंदों में 105 रन जुटाकर टीम को 200 के पार पहुंचा दिया।

संजू ने लगातार तीसरी पारी में अर्धशतक लगाया। खिताबी मैच में उन्होंने 46 गेंदों में 8 छक्कों और 5 चौकों की मदद से 89 रन बनाए। टीम इंडिया को 16वें ओवर की पहली गेंद पर सैमसन के रूप में दूसरा झटका लगा। इसी ओवर की पांचवीं गेंद पर ईशान (54) और अंतिम गेंद पर कप्तान सूर्यकुमार यादव (0) भी पवेलियन लौट गए। ईशान ने 25 गेंदों में 4 छक्कों और इतने ही चौकों के साथ 54 रन बनाए। टीम इंडिया 204 के स्कोर तक अपने 4 विकेट खो चुकी थी।

यहां से तिलक वर्मा ने मोर्चा संभाला। उन्होंने हार्दिक पंड्या (18) के साथ 22 रन और शिवम दुबे (नाबाद 26) के साथ 29 रन की अटूट साझेदारी करते हुए भारत को 255 रन तक पहुंचाया, जो टी20 वर्ल्ड कप के नॉकआउट का सबसे बड़ा स्कोर भी है। मेहमान टीम की तरफ से जेम्स नीशम ने 4 ओवरों में 46 रन देकर 3 विकेट हासिल किए, जबकि रचिन रवींद्र और मैट हैनरी ने 1-1 विकेट निकाला।

बड़े लक्ष्य के आगे कीवी टीम छोटे-छोटे अंतराल पर विकेट गंवाती रही। उसे पहला झटका फिन एलन के रूप में लगा, जिन्हें 9 रनों के निजी स्कोर पर अक्षर पटेल ने तिलक वर्मा के हाथों कैच आउट कराया। इसके बाद जसप्रीत बुमराह ने अपने पहले ही ओवर की पहली गेंद पर रचिन रविंद्र को एक रन पर आउट कर दिया। ग्लेन फिलिप्स को अक्षर ने क्लीन बोल्ड कर दिया। वह 5 रन ही बना सके। मार्क चापमैन 3 रन बनाकर हार्दिक पंड्या की गेंद पर बोल्ड हो गए। धांसू अंदाज में बैटिंग कर रहे टिम सीफर्ट को 52 वरुण चक्रवर्ती ने आउट करके भारतीय खेमे में खुशी फैला दी। सीफर्ट ने 26 गेंदों में 2 चौके और 5 छक्के उड़ाए। इसके बाद निरंतर अंतराल पर विकेट गिरते गए और न्यूजीलैंड की टीम 159 रनों तक पहुंच सकी।

भारतीय क्रिकेट टीम ने न्यूजीलैंड को 95 रनों से मात देकर अपना तीसरा टी20 वर्ल्ड कप खिताब जीत लिया है। इसी के साथ भारतीय टीम ने सबसे ज्यादा टी20 वर्ल्ड कप ट्रॉफी अपने नाम कर ली हैं। इस मैच में पहले ओवर से लेकर न्यूजीलैंड की पारी के आखिरी ओवर तक भारतीय टीम ने अपना दबदबा बनाए रखा। वहीं मैच में कई ऐसे भारतीय खिलाड़ी रहे जिनके दम पर टीम इंडिया को वर्ल्ड चैंपियन बनने का गौरव हासिल हुआ।

संजू सैमसन की एक और दमदार पारी

संजू सैमसन इस पूरे टूर्नामेंट के सबसे बड़े मैच विनर साबित हुए। सेमीफाइनल में 89 रन बनाने के बाद फाइनल में भी उनका बल्ला जमकर बोला। उन्होंने कीवी गेंदबाजों की धज्जियां उड़ाते हुए सिर्फ 46 गेंदों पर 89 रन की पारी खेली। इस पारी में उन्होंने 5 चौके 8 छक्के लगाए। सैमसन ने भारत को उस विशाल स्कोर तक पहुंचाया, जहां से वापसी करना न्यूजीलैंड के लिए नामुमकिन हो गया।

अक्षर पटेल का गेम चेंजर स्पेल

जब शिवम दुबे ने खतरनाक फिन एलन का कैच टपकाया था तब लग रहा था कि मैच हाथ से निकल सकता है। लेकिन अक्षर पटेल ने अपनी चतुराई भरी गेंदबाजी से पासा पलट दिया। उन्होंने न केवल फिन एलन को मात्र 9 रन पर चलता किया, बल्कि उन्होंने ग्लेन फिलिप्स और डैरिल मिचेल जैसे खतरनाक बल्लेबाजों को भी आउट किया।

जसप्रीत बुमराह की यॉर्कर्स का जवाब नहीं

जसप्रीत बुमराह ने एक बार फिर दिखाया कि बड़े फाइनल में उनसे बेहतर कोई नहीं। उन्होंने न केवल किफायती गेंदबाजी की, बल्कि अहम मौकों पर विकेट चटकाकर न्यूजीलैंड की साझेदारी पनपने नहीं दी। बुमराह ने अरने स्पैल की पहली ही गेंद पर रचिन रविंद्र को आउट किया। इसके बाद उन्होंने अपने स्पैल के तीसरे ओवर में जेम्स नीशम और मैट हेनरी को बोल्ड किया। वहीं स्पैल के आखिरी ओवर में उन्होंने मिचेल सैंटनर को भी बोल्ड किया।

अभिषेक शर्मा की सही समय पर फॉर्म में वापसी

अभिषेक शर्मा ने फाइनल के मंच पर वैसी ही निडर बल्लेबाजी की जैसी उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में दिखाई थी। उन्होंने अपनी 21 गेंद पर 52 रन की अर्धशतकीय पारी के दौरान कीवी स्पिनरों और तेज गेंदबाजों को आड़े हाथों लिया। अभिषेक के गगनचुंबी छक्कों ने कीवी कप्तान को गेंदबाजी में बदलाव करने पर मजबूर कर दिया लेकिन अभिषेक का बल्ला नहीं रुका। उनकी इस पारी ने भारत को पावरप्ले में ही मैच पर पकड़ बनाने का मौका दिया।

ईशान किशन ने फिर किया धमाका

दूसरी छोर पर ईशान किशन ने अपनी क्लास दिखाई। ईशान ने अपनी शानदार फिफ्टी पूरी करते हुए यह साबित किया कि वह बड़े मैचों के खिलाड़ी हैं। उन्होंने 25 गेंद पर 54 रन की पारी खेली। ईशान की पारी की सबसे खास बात यह थी कि उन्होंने संजू के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए एक बड़ी साझेदारी की जिसने न्यूजीलैंड के मनोबल को पूरी तरह तोड़ दिया।

संसद में ...

सरकार का सतर्क रुख इस इलाके में भारत के बड़े रणनीतिक हितों से भी जुड़ा है। भारत अपनी तेल जरूरतों के लिए खाड़ी क्षेत्र पर काफी निर्भर है। इसके अलावा खाड़ी देशों में लाखों भारतीय नागरिक काम करते हैं।

विपक्ष का सरकार पर हमला, खड़गे ने ट्रंप को बताया तानाशाह

ऐसे में वेस्ट एशिया में बढ़ते तनाव का सीधा असर भारत की अर्थव्यवस्था और महंगाई पर पड़ सकता है। इसी वजह से सरकार इस मुद्दे पर बेहद संतुलित और सावधानी भरा रुख बनाए रखना चाहती है। दूसरी ओर विपक्षी दल इस मुद्दे पर सरकार से ज्यादा स्पष्ट रुख की मांग कर सकते हैं। कुछ विपक्षी नेताओं ने पहले ही इस संकट पर सरकार की कथित चुप्पी की आलोचना की है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने वेस्ट एशिया संकट और रूसी तेल सप्लाई पर अमेरिका के फैसले पर भारत के रुख को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला किया। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को तानाशाह कहा और आरोप लगाया कि पीएम उनके गुलाम की तरह काम कर रहे हैं। कर्नाटक के चित्तपुर में खड़गे ने कहा, 'वो (ट्रंप) एक तानाशाह हैं। मोदी उनके गुलाम हैं।'

हालांकि, माना जा रहा है कि सरकार अपने संतुलित रुख पर कायम रहेगी। राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखते हुए सभी पक्षों से संवाद बनाए रखने की कोशिश करेगी। इसी बीच कांग्रेस ने भी संसद में इस मुद्दे को जोर-शोर से उठाने की तैयारी कर ली है। पार्टी की पार्लियामेंट्री स्ट्रेटेजी ग्रुप की बैठक 10 जनपथ में हुई। इसमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी और राहुल गांधी समेत कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।

इस बैठक के बाद कांग्रेस सांसद नसीर हुसैन ने बताया कि पार्टी संसद में कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दे उठाएगी। उन्होंने कहा कि वेस्ट एशिया में जारी संकट और इसका भारत की ऊर्जा जरूरतों पर पड़ने वाला असर संसद में उठाया जाएगा। इसके साथ ही इंडो-यूएस ट्रेड डील का किसानों पर संभावित असर और देश के सामने खड़ी वित्तीय चुनौतियों पर भी चर्चा की जाएगी।

कांग्रेस ने संकेत दिए हैं कि संसद में जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने का मुद्दा भी उठाया जाएगा। इसके अलावा ग्रेट निकोबार आइलैंड को लेकर नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के हालिया आदेश, बेरोजगारी और डॉलर के मुकाबले रुपए की गिरती कीमत जैसे मुद्दों पर भी सरकार से जवाब मांगा जाएगा। पार्टी ने यह भी कहा है कि संसद में अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान विपक्ष स्पीकर के खिलाफ वोट करेगा।

भारतीय....

तेहरान में कुछ देर पहले कई धमाकों की आवाजें सुनी गई हैं।

ईरान बोला- नए सुप्रीम लीडर के चयन में बाहरी दखल नहीं

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि देश के नए सुप्रीम लीडर का चयन पूरी तरह ईरान का आंतरिक मामला है और इसमें बाहरी दखल नहीं होगा।

इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा था कि नए सुप्रीम लीडर के चयन में अमेरिका की भूमिका जरूरी है। ट्रम्प के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए अराघची ने कहा कि नए सुप्रीम लीडर का चयन ईरान की जनता का अधिकार है।

एनबीसी न्यूज को दिए इंटरव्यू में अराघची ने बताया कि राष्ट्रपति, कैबिनेट और संसद समेत देश की सभी राजनीतिक संस्थाएं सामान्य रूप से काम कर रही हैं।

उधर, मिडिल ईस्ट में जारी युद्ध के बीच कुवैत ने कहा है कि पिछले शनिवार से अब तक उस पर 234 मिसाइल और 422 ड्रोन दागे गए हैं। यह जानकारी कुवैत के विदेश मंत्रालय ने दी। मंत्रालय के मुताबिक इन हमलों में नागरिकों और सुरक्षाबलों के लोग भी हताहत हुए हैं। मृतकों में एक छोटी बच्ची, कुवैत की सशस्त्र सेनाओं के दो सदस्य और दो सीमा सुरक्षा गार्ड शामिल हैं।

पिछले 24 घंटों में ड्रोन हमलों के बाद दो जगह आग लगने की घटनाएं भी सामने आईं। इनमें एक सरकारी टावर और कुवैत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा शामिल हैं।

अधिकारियों ने बताया कि दोनों जगह लगी आग पर काबू पा लिया गया है और स्थिति फिलहाल नियंत्रण में है।

13 को ...

अन्य रिवरफ्रंट विकास का उदाहरण देते हुए मुख्यमंत्री ने साबरमती रिवरफ्रंट का उल्लेख किया, जहाँ लगभग 10,000 परिवार विस्थापित हुए थे। उन्होंने दिल्ली में यमुना और उत्तर प्रदेश में गंगा रिवरफ्रंट का भी जिक्र किया और सवाल उठाया कि तेलंगाना में मूसी नदी के इसी तरह के विकास का विरोध क्यों किया जा रहा है।

गांधी ज्ञान केंद्र और भविष्य की योजनाएं

गांधी ज्ञान केंद्र: प्रस्तावित 200 करोड़ रुपये के महात्मा गांधी ज्ञान केंद्र का बचाव करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भावी पीढ़ियों को लाभ पहुँचाने वाले बुनियादी ढांचे में निवेश करना गलत नहीं है।

प्रदूषण मुक्त शहर: प्रदूषण कम करने के लिए उद्योगों को आउटर रिंग रोड के बाहर स्थानांतरित करने के प्रयास जारी हैं।

महिला सशक्तिकरण: सरकार जिला कलेक्टर और एसपी जैसे प्रमुख पदों पर महिला अधिकारियों को प्राथमिकता दे रही है। जल्द ही कॉलेज की छात्राओं के लिए इलेक्ट्रिक स्कूटर योजना शुरू की जाएगी।

भ्रामक प्रचार पर लगाम: सोशल मीडिया पर झूठे प्रचार का मुकाबला करने के लिए एक मंच स्थापित किया जाएगा।

पत्रकार कॉलोनी: शहरी विस्तार रणनीति के तहत फोर्थ सिटी में एक पत्रकार कॉलोनी विकसित करने की योजना है।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क, मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, पोन्नम प्रभाकर, सांसद अनिल कुमार यादव और आईएंडपीआर कमिश्नर चेक्का प्रियंका सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

व्हाट्सअप से ...

प्रक्रिया: नागरिकों को बस समस्या की एक फोटो खींचनी है और स्थान के विवरण के साथ उसे व्हाट्सएप पर साझा करना है।

"संपर्क नंबर: शिकायत के लिए 8125966586 पर व्हाट्सएप संदेश भेजा जा सकता है या कॉल किया जा सकता है।

साइबराबाद और मल्कजगिरी में भी सेवा शुरू

हैदराबाद के अन्य क्षेत्रों में भी इसी तरह की सेवाएं शुरू की गई हैं ताकि निवासियों को निगम कार्यालयों के चक्कर न काटने पड़ें:

नगर निगम	व्हाट्सएप नंबर	शिकायत के प्रकार
साइबराबाद नगर निगम	9063421347	सार्वजनिक स्थानों पर कचरा डंपिंग, भरे हुए कूड़ेदान।
मल्कजगिरी नगर निगम	9063421300	कचरा संचय, ग्रीन वेस्ट, संवेदनशील कचरा बिंदु ()।

नगर निगम के अधिकारियों ने जोर देकर कहा कि व्हाट्सएप-आधारित यह प्रणाली प्रौद्योगिकी-संचालित शासन के माध्यम से स्वच्छता मानकों को बेहतर बनाने के व्यापक प्रयास का हिस्सा है। रिपोर्टिंग प्रक्रिया को सरल बनाकर, अधिकारियों को उम्मीद है कि अधिक से अधिक निवासी अपने पड़ोस को स्वच्छ, हरा-भरा और स्वच्छ रखने में सक्रिय रूप से भाग लेंगे।

सिर्फ एक फोटो और एक संदेश के साथ, स्वच्छता संबंधी चिंताएं अब तुरंत अधिकारियों तक पहुंच सकती हैं, जो हैदराबाद महानगरीय क्षेत्र में उत्तरदायी शहरी प्रशासन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

कर्ज में डूबे...

बाद निकाला जा सका। शवों को पानी से बाहर निकालने के लिए पेशेवर गोताखोरों की मदद ली गई।

सहायक पुलिस अधीक्षक चैतन्य रेड्डी ने बताया कि शनिवार दोपहर लगभग 3:30 बजे आरोपी पिता इस्माइल और उसकी पत्नी पुलिस स्टेशन पहुंचे और शिकायत की कि उनकी बेटियां सुबह 10 बजे से लापता हैं। पुलिस ने तत्काल पांच विशेष टीमों का गठन किया और सोशल मीडिया पर बच्चियों की तस्वीरें प्रसारित कीं। पूछताछ के दौरान इस्माइल ने दावा किया कि उसने बेटियों को नाश्ता कराया और कहीं छोड़ दिया, लेकिन उसके बयानों में विसंगति देख पुलिस को संदेह हुआ। पुलिस ने जब सीसीटीवी (सीसीटीवी) फुटेज और कॉल रिकॉर्ड खंगाले, तो सच सामने आ गया।

5 लाख का कर्ज बना हत्या की वजह

पुलिस की कड़ी पूछताछ में इस्माइल टूट गया और उसने कबूल किया कि उसने ही अपनी बेटियों को पेद्दाचेरुवू झील में फेंका है। उसने पुलिस को बताया कि वह परिवार का भरण-पोषण करने में असमर्थ था और उस पर 5 लाख रुपये से अधिक का कर्ज था। वारदात के समय उसकी पत्नी शबीना, जो एक दिहाड़ी मजदूर है, काम पर गई हुई थी। इस्माइल ने दावा किया कि वह तीन बच्चों की परवरिश का आर्थिक बोझ सहन नहीं कर पा रहा था।

आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेजा गया

पुलिस ने झील के किनारे से एक बच्ची का स्कार्फ बरामद किया, जिससे आरोपी के बयान की पुष्टि हुई। इस्माइल को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया गया, जहाँ से रविवार को उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि वे मामले की और गहनता से जांच के लिए आरोपी की पुलिस कस्टडी की मांग करेंगे। इस हृदयविदारक घटना ने पूरे क्षेत्र में शोक और आक्रोश की लहर पैदा कर दी है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

पैन-आईआईटी हैदराबाद शिखर सम्मेलन 2026

भारत की वैज्ञानिक और तकनीकी प्रतिभा की वैश्विक मांग है : ईटेला

हैदराबाद, 08 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। राष्ट्रीय स्तर के तकनीकी, शासन और उद्योग जगत के नेताओं को एक मंच पर लाने वाला एक दिवसीय 'पैन-आईआईटी हैदराबाद शिखर सम्मेलन 2026' रविवार को शहर के माधापुर स्थित 'द वेस्टिन' होटल में आयोजित किया गया। इस शिखर सम्मेलन में 250 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का आयोजन पैन-आईआईटी एलुमनाई इंडिया द्वारा किया गया था, जो पांच लाख से अधिक आईआईटी पूर्व छात्रों का प्रतिनिधित्व करने वाला एक छत्र संगठन है।

सांसद ईटेला राजेंद्र ने शिखर सम्मेलन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आईआईटी पारिस्थितिकी तंत्र पूरे भारत में उच्च गुणवत्ता वाली विज्ञान और प्रौद्योगिकी शिक्षा फैलाने में मदद कर रहा है। उन्होंने उल्लेख किया कि पारिस्थितिकी तंत्र के हितधारकों और अनुसंधान एवं विकास) संस्थानों के बीच सहयोग नवाचार के परिदृश्य को और मजबूत करेगा।

उन्होंने कहा कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी में भारतीय प्रतिभा की वैश्विक मांग है, और भारतीयों ने संयुक्त राज्य अमेरिका के जबरदस्त तकनीकी विकास में अत्यधिक योगदान दिया है, जो अपनी तकनीकी श्रेष्ठता के लिए जाना जाता है। हालांकि, उन्होंने देखा कि वही देश अब कुछ क्षेत्रों में दूसरों पर हावी होने की कोशिश कर रहा है। शिखर सम्मेलन में एकत्रित आईआईटी प्रतिभाओं को संबोधित करते हुए उन्होंने पूछा, हमें भारत को और भी मजबूत बनाने के लिए उसी प्रतिभा और शक्ति का उपयोग क्यों नहीं करना चाहिए?

अपने संदेश को दोहराते हुए उन्होंने कहा, भारत की वैज्ञानिक और तकनीकी प्रतिभा की वैश्विक मांग है-आइए हम इसका उपयोग अपने राष्ट्र को मजबूत करने के लिए करें। उन्होंने समुदाय से विनाश के बजाय निर्माण और विकास के लिए तकनीक बनाने का भी आग्रह किया।भारत में स्वास्थ्य सेवा परिवर्तन पर बोलते हुए, भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के सीईओ सुनील कुमार बर्नवाल ने खंडित स्वास्थ्य प्रणालियों की चुनौतियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि एक ही नागरिक के लिए कई स्वास्थ्य पहचान पत्र और एकीकरण की कमी के कारण जेब से होने वाला खर्च अधिक होता है।

उन्होंने समझाया कि भारत का स्वास्थ्य सेवा पारिस्थितिकी तंत्र एक महत्वपूर्ण परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। उन्होंने कहा, एक खंडित स्वास्थ्य प्रणाली से, अब हम एक बुद्धिमान और उत्पादक पारिस्थितिकी तंत्र की ओर बढ़ रहे हैं। 'इंडिया स्टैक' के माध्यम से, भारत तीनों मुख्य डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे (डी पीआई): डिजिटल पहचान, वास्तविक समय भुगतान और सहमति-आधारित डेटा साझाकरण को लागू करने वाला पहला देश बन गया है।

उन्होंने आगे कहा कि 2020 में, माननीय प्रधानमंत्री ने आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन की घोषणा की थी, जो डिजिटल स्वास्थ्य लेनदेन में अंतर-संचालनीयता की सुविधा के लिए डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे का लाभ उठाता है। अब भारतीय स्वास्थ्य सेवा की डिजिटल रीढ़ बन रहा है।

पैन-आईआईटी एलुमनाई इंडिया के अध्यक्ष प्रभात कुमार ने कहा कि आईआईटीयन्स ने न केवल भारत में राष्ट्र निर्माण में बल्कि दुनिया भर के कई देशों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने उल्लेख किया कि संयुक्त राज्य अमेरिका आईआईटी प्रतिभा का सबसे बड़ा आयातक है, और आईआईटीयन्स ने वैश्विक प्रौद्योगिकी नेतृत्व में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

आईआईटी (आईएसएम) धनबाद के निदेशक प्रो. सुकुमार मिश्रा ने कहा कि भारत की शिक्षा प्रणाली और आईआईटी पारिस्थितिकी तंत्र विज्ञान से अनुप्रयुक्त विज्ञान, इंजीनियरिंग और उन्नत तकनीक तक विकसित हुआ है, जो राष्ट्रीय विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

आईआईटी धारवाड़ के निदेशक प्रो. वेंकप्पय आर. देसाई ने सतत जल प्रबंधन पर सिंगापुर और नीदरलैंड के उदाहरण दिए। उन्होंने सिंगापुर की पहल का उल्लेख किया, जहां अपशिष्ट जल पुनर्चक्रण जल आपूर्ति के 2.5 प्रतिशत से बढ़कर लगभग 40 प्रतिशत हो गया है, जिससे देश को दुर्लभ संसाधनों को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने में मदद मिली है।

आईआईटी हैदराबाद के डीन प्रो. महेंद्रकुमार माधवन ने इस बात पर जोर दिया कि आईआईटी अब केवल शिक्षण संस्थान नहीं बल्कि मानवता के लिए नवाचार, आविष्कार और तकनीक के केंद्र हैं। उन्होंने एक महत्वपूर्ण नीतिगत प्रश्न उठाया, जिसमें सुझाव दिया गया कि अनुसंधान और विकास (आर एंड डी) पर खर्च को कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के तहत माना जाना चाहिए और सीएसआर फंड को आरएंडडी का समर्थन करने की अनुमति दी जानी चाहिए।भारत में स्वास्थ्य सेवा परिवर्तन पर एक अन्य सत्र में, श्री सुनील कुमार बर्नवाल ने दोहराया कि प्रौद्योगिकी, नीतिगत नवाचार और सहयोगी शासन भारत के स्वास्थ्य सेवा पारिस्थितिकी तंत्र को नया रूप दे रहे हैं, जिससे गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा लाखों लोगों के लिए अधिक सुलभ और न्यायसंगत बन रही है।

डीआरडीओ की पूर्व निदेशक डॉ. टेसी थॉमस ने विज्ञान, रणनीति और सुरक्षा पर बात की। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि अंतरिक्ष आधारित रक्षा बुनियादी ढांचा वैश्विक सुरक्षा के भविष्य को आकार देगा, और कृत्रिम बुद्धिमत्ता भविष्य के युद्धों के लड़ने के तरीके को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करेगी। उन्होंने जोर दिया कि रक्षा और एयरोस्पेस का भविष्य इस बात पर निर्भर करेगा कि भारत विज्ञान और प्रतिभा का कितनी प्रभावी ढंग से उपयोग करता है।

एक समर्पित स्टार्टअप सत्र ने स्टार्टअप्स को एंजेल निवेशकों और वेंचर कैपिटलिस्टों के सामने अपने विचार रखने का अवसर प्रदान किया। यह सत्र टी-हब और टी-वर्क्स के सहयोग से आयोजित किया गया था। पैन-आईआईटी के महासचिव श्री अशोक कुमार ने उद्घाटन समारोह के दौरान धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर राधे-राधे ग्रुप का अन्नदान, सेवा में बढ़-चढ़कर शामिल हुईं महिलाएं

हैदराबाद, 08 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान जरूरतमंदों को प्रेमपूर्वक भोजन वितरित कर सेवा और मानवता का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम में महिला शक्ति की विशेष भागीदारी देखने को मिली। समाजसेवियों ने कहा कि महिला शक्ति समाज की आधारशिला है और सेवा कार्यों में उनकी सक्रिय भागीदारी समाज को नई दिशा देती है। राधे-राधे ग्रुप द्वारा नियमित रूप से किए जा रहे अन्नदान कार्यक्रम से जरूरतमंदों को सहायता मिल रही है तथा समाज में सेवा और सहयोग की भावना भी मजबूत हो रही है।इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल, महेश अग्रवाल, शिव भगवान, अरुण विजयवर्गीय, गोविंद राम जी, महेश गोयल, लता गोयल, मीना चिंडालिया, पूजा सांघी, नीलम विजयवर्गीय और अनीता सुगंधा सहित कई सदस्य उपस्थित रहे और सभी ने मिलकर अन्नदान सेवा में सहयोग दिया।कार्यक्रम के दौरान मीना चिंडालिया का जन्मदिन भी हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। साथ ही महेश अग्रवाल एवं बबीता अग्रवाल की शादी की सालगिरह के अवसर पर सभी सदस्यों ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए उनके सुखद और मंगलमय वैवाहिक जीवन की कामना की।

दक्षिण भारतीय अग्रवाल समाज से जुड़ा अग्रवाल समाज वरंगल, एकता और सेवा पर जोर

हैदराबाद, 08 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। दक्षिण भारतीय अग्रवाल समाज के तत्वावधान में आज वारंगल में अग्रवाल समाज वारंगल द्वारा अग्रसेन भवन में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें अग्रवाल समाज वारंगल को औपचारिक रूप से दक्षिण भारतीय अग्रवाल समाज की सदस्यता प्रदान की गई। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज की एकता को मजबूत करना तथा सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करना था। इस अवसर पर मुख्य अतिथि दबास के सहमंत्री महेश अग्रवाल ने अग्रवाल समाज की एकता, सेवा और सामाजिक उत्तरदायित्व की परंपरा को आगे बढ़ाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि समाज के संगठित प्रयासों से सामाजिक, शैक्षिक और सेवा कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। कार्यक्रम में समाज के अनेक पदाधिकारी एवं गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

इस अवसर पर अखिल भारतीय अग्रवाल महासभा के कोषाध्यक्ष सुनील मित्तल, अग्रवाल समाज वारंगल के अध्यक्ष दौलत अग्रवाल, मानद मंत्री चंचल अग्रवाल, उपाध्यक्ष अनिल अग्रवाल, कोषाध्यक्ष कैलाश अग्रवाल, पदाधिकारी ललित अग्रवाल तथा अन्य समाजबंधु मौजूद रहे।अंत में सभी उपस्थित सदस्यों ने समाज की प्रगति और आपसी सहयोग की भावना को मजबूत करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

श्रीमद् भागवत कथा के संदर्भ में राजस्थानी जागृति समिति की बैठक सम्पन्न

✻ बाल विदुषी हरिप्रिया वैष्णवी करेंगी कथा वाचन ✻ यजमान बनने के लिए 28 मार्च तक कराया जा सकेगा पंजीकरण

हैदराबाद, 08 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्थानी जागृति समिति हैदराबाद के तत्वावधान में श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन 9 अप्रैल से 15 अप्रैल तक प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से सायं 7 बजे तक बाहेती भवन, सिद्धअम्बर बाजार, हैदराबाद में किया जाएगा। कथा वाचन बाल विदुषी सुश्री हरिप्रिया वैष्णवी जी द्वारा किया जाएगा, जो अपनी अमृतमयी वाणी से श्रद्धालुओं को श्रीमद् भागवत कथा का रसपान कराएंगी।

इस आशय की जानकारी समिति अध्यक्ष श्रीनिवास सोमानी ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी। उन्होंने बताया कि इस संबंध में रविवार सुबह 11:30 बजे बाहेती भवन, सिद्धअम्बर में एक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता श्री अशोक कुमार हिरावत जैन ने की।बैठक में श्री अशोक कुमार हिरावत जैन को श्रीमद् भागवत कथा का दैनिक यजमान बनाया गया। उन्होंने समाज के बंधुओं से अधिक से अधिक संख्या में यजमान बनने का आग्रह किया। समिति के पदाधिकारियों द्वारा विभिन्न धार्मिक बंधुओं से संपर्क किया गया, जिस पर कई लोगों ने अपनी स्वीकृति प्रदान की।

समिति ने बताया कि जो भी समाजबंधु श्रीमद् भागवत कथा में यजमान बनना चाहते हैं, वे समिति अध्यक्ष के पास अपना नाम दर्ज कराकर पंजीकरण कर सकते हैं। समाज के सदस्य अपने परिवार के पितरों की स्मृति में भी कथा में यजमान बनकर जुड़ सकते हैं। इसके लिए 28 मार्च से पहले पंजीकरण कराना आवश्यक है, ताकि मूल पाठ के लिए पंडित की व्यवस्था की जा सके।

श्रीमद् भागवत कथा के दौरान प्रतिदिन सायं आरती के पश्चात सभी श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसादी की व्यवस्था भी की जाएगी। समिति ने समाज के धार्मिक बंधुओं से तन, मन और धन से सहयोग कर पुण्य के भागी बनने का आग्रह किया है।कथा को भव्य रूप से सफल बनाने के लिए कलश यात्रा संयोजक, महाप्रसाद (भोजन) संयोजक, व्यास पीठ मंच संयोजक, पंडाल व्यवस्था संयोजक और अतिथि स्वागत संयोजक सहित अन्य जिम्मेदारियों के लिए नामों की घोषणा अगली बैठक में की जाएगी।

बैठक में श्रीनिवास सोमानी, अशोक कुमार हिरावत, संजय राठी, रमेश मोदनी, बालाप्रसाद लडा, महेश उपाध्याय सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे। समिति ने बताया कि श्रीमद् भागवत कथा के संदर्भ में अगली बैठक रविवार, 15 मार्च को सुबह 11:30 बजे बाहेती भवन, सिद्धअम्बर बाजार, हैदराबाद में आयोजित की जाएगी। सभी धार्मिक बंधुओं से अधिक से अधिक संख्या में बैठक में उपस्थित होने का आग्रह किया गया है।

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए 'स्वाभिमान परियोजना' की शुरुआत

हैदराबाद, 08 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

एई फाउंडेशन ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से 'स्वाभिमान परियोजना' केंद्र की शुरुआत की। इस केंद्र का उद्घाटन फलकनुमा के आरएनबी कॉलोनी स्थित बंजारा कल्याण सामुदायिक भवन में किया गया। इस पहल का उद्देश्य महिलाओं को व्यावसायिक प्रशिक्षण देकर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है।

इस कार्यक्रम के तहत हैदराबाद के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन डिजाइनिंग (एनआईएफएस) के विद्यार्थी स्थानीय महिलाओं को उन्नत सिलाई और दर्जी कार्य की तकनीकों का प्रशिक्षण देंगे। केंद्र में सिलाई मशीनें भी उपलब्ध कराई गई हैं, जिन्हें समाजसेवियों और सहयोगी व्यवसायियों गोपाल चौधरी तथा अजय कुमार शुक्ल द्वारा दान किया गया है।

यह केंद्र महिलाओं के लिए कौशल विकास और आजीविका के अवसर प्रदान करने वाला स्थायी प्रशिक्षण स्थल बनेगा। कार्यक्रम में संस्था की संस्थापक निदेशक संगीता मिश्रा, बंदलगुड़ा राजस्व विभाग के प्रवीण और मोहन, फलकनुमा पुलिस निरीक्षक जंगैया, अपराध निरीक्षक जाकिर हुसैन तथा उपनिरीक्षक राजेश्वर रेड्डी सहित कई अधिकारी और स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में नायक नगर कॉलोनी समिति के नेता शंकर नायक, कृष्णा नायक, श्रीनु नायक, दिनेश और अन्य सदस्य भी शामिल हुए। बड़ी संख्या में स्थानीय महिलाओं की उपस्थिति के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। संस्था ने भविष्य में 'स्वाभिमान परियोजना' के अंतर्गत और भी केंद्र स्थापित कर अधिक से अधिक महिलाओं को सशक्त बनाने का संकल्प व्यक्त किया।

सोमाजीगुड़ा स्थित तनिष्क शोरूम में महिला दिवस भव्यता के साथ मनाया गया। अवसर पर मुख्य अतिथि सपना, तनिष्क राधिका , तनिष्क डायरेक्टर किरण व अन्य उपस्थित थे।

आगामी 29 अप्रिल को देश भर में आयोजित गो सम्मान आहवान अभियान का गुजरात के राजकोट, मोरबी आदि क्षेत्र मे प्रचार किया गया साथ मे प्रसिद्ध समाज सेवी घनश्याम पटेल, स्मिथ पटेल को लव फॉर काऊ फाउंडेशन की जानकारी देते हुए चेयरमन जसमत पटेल।

डॉ. अश्विनी अमरेश्वर फाउंडेशन ने हैदराबाद में मनाया अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

विभिन्न क्षेत्रों की महिला विभूतियाँ सम्मानित

हैदराबाद, 08 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। डॉ. अश्विनी अमरेश्वर फाउंडेशन द्वारा हैदराबाद के हाईटेक सिटी स्थित होटल लेमन ट्री प्रीमियर में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में चिकित्सा, उद्यमिता, शिक्षा और नेतृत्व जैसे विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी प्रतिष्ठित महिलाओं ने शिरकत की और समाज के विकास में उनके योगदान पर चर्चा की गई।

विश्व प्रसिद्ध सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट, रोबोटिक सर्जन और ग्रेस कैंसर फाउंडेशन के संस्थापक डॉ. चिन्ना बाबू सुनकवल्ली ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। अपने संबोधन में उन्होंने विभिन्न व्यवसायों में महिलाओं की उपलब्धियों को पहचानने और उन्हें सम्मानित करने के लिए फाउंडेशन की पहल की सराहना की। उन्होंने महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य जागरूकता और नेतृत्व क्षमता को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयासों पर जोर दिया।

समारोह में चिकित्सा और व्यवसाय जगत की कई नामी हस्तियां शामिल हुईं, जिनमें प्रमुख हैं- 'डॉ. लक्ष्मी कुमारी कोना (यशौदा हॉस्पिटल), डॉ. टी. चिरंजीवी (किम्स सनशाइन), डॉ. दीप्ति (ओजोन हॉस्पिटल्स), डॉ. कीर्ति (पल्मोनोलॉजिस्ट), और डॉ. सुधा वाणी (श्री क्लिनिक)। डॉ. स्वाति रेड्डी (केयर कॉन्वॉय हॉस्पिटल), डॉ. श्रव्या गुरनूरकर (एनसीटा क्लिनिक), डॉ. निवेदिता साई चंद्रा (किम्स सनशाइन), और डॉ. अमिता रानी (लोक अदालत सदस्य)।

डॉ. पी. वेनिला (छत डेंटल क्लिनिक), डॉ. संगीता सेगु, डॉ. पूनम सिंघल (हैदराबाद विश्वविद्यालय), और उद्यमी हरप्रीत कौर बग्गा। मीडिया जगत से एस. भरत कुमार (मुख्य संपादक, ज़ी न्यूज़ तेलुगु) और एंकर राचा रामुलम्मा (रम्या कृष्णा) ने भी कार्यक्रम में भाग लिया।यह आयोजन स्वास्थ्य सेवा, कानून, शिक्षा, मीडिया और सामाजिक सेवा में उल्लेखनीय योगदान देने वाली महिला नेताओं के लिए एक साझा मंच साबित हुआ। सभा ने एक समावेशी और प्रगतिशील समाज के निर्माण के लिए महिला सशक्तिकरण और सहयोगात्मक प्रयासों के महत्व पर प्रकाश डाला।कार्यक्रम का समापन विशिष्ट अतिथियों के सम्मान के साथ हुआ। इस अवसर पर डॉ. अश्विनी अमरेश्वर फाउंडेशन ने महिलाओं के स्वास्थ्य, नेतृत्व और सामुदायिक विकास को समर्थन देने वाली पहलों को जारी रखने की अपनी प्रतिबद्धता दो-हराई।

सिखवाल ब्राह्मण समाज की होली गेर का भव्य आयोजन

हैदराबाद, 08 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिखवाल ब्राह्मण समाज 14 खेड़ा 7 खेड़ा कोलर बाघाना पट्टी द्वारा होली के उपलक्ष्य में भव्य गेर का आयोजन चौधरी श्री श्याम सुंदर जी उपाध्याय खड़तावत के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम में समाज के बड़े-बुजुर्गों, युवाओं एवं बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और समाज की एकता व परंपरा का परिचय दिया।

गेर श्री राम दरबार पंचायती बाड़ा से प्रारंभ हुई और शहर के विभिन्न क्षेत्रों में रहने वाले समाजबंधुओं के यहां पहुंची। इस दौरान 22 नवजात बच्चों की ढूंढ का पारंपरिक कार्यक्रम भी संपन्न हुआ।

इस अवसर पर विभिन्न स्थानों पर चौधरी श्री श्याम सुंदर जी उपाध्याय खड़तावत का समाजबंधुओं द्वारा स्वागत किया गया। पूरे कार्यक्रम के दौरान उत्साह, उमंग और भाईचारे का माहौल बना रहा।

गेर को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी समाजबंधुओं के प्रति चौधरी श्री श्याम सुंदर जी उपाध्याय खड़तावत, छड़ीदार जगदीश जी ओझा, कमल जी पांडे, जगदीश जी कोलरीया तथा सिखवाल ब्राह्मण समाज 14 खेड़ा 7 खेड़ा कोलर बाघाना पट्टी युवा समिति द्वारा हार्दिक आभार व्यक्त किया गया।

पर्पल राइड ने महिला निवारक स्वास्थ्य देखभाल को बढ़ावा दिया

हैदराबाद, 08 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) । अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रविवार को हैदराबाद में अपोलो हॉस्पिटल्स के सहयोग से महिलाओं के स्वास्थ्य जागरूकता के लिए मोटरसाइकिल रैली 'पर्पल राइड' के चौथे संस्करण का आयोजन किया गया। महिलाओं के लिए निवारक स्वास्थ्य देखभाल (ीर्शिींशपींळींश हशरश्रींहलरीश) को बढ़ावा देने के लिए इस रैली में 1,000 से अधिक मोटरसाइकिल सवारों ने भाग लिया।इस राइड को अपोलो हॉस्पिटल्स, जुबली हिल्स में अपोलो हॉस्पिटल्स की संयुक्त प्रबंध निदेशक डॉ. संगीता रेड्डी ने झंडी दिखाकर रवाना किया और इसका समापन फाइनेंशियल डिस्ट्रिक्ट परिसर में हुआ।

डॉ. संगीता रेड्डी ने महिलाओं से नियमित स्वास्थ्य जांच (हेल्थ स्क्रीनिंग) को प्राथमिकता देने का आग्रह किया। अपोलो हॉस्पिटल्स तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के क्षेत्रीय सीईओ तेजस्वी राव वीरेपल्ली ने कहा कि यह पहल महिलाओं की उपलब्धियों का जश्न मनाने के साथ-साथ निवारक स्वास्थ्य देखभाल और स्वस्थ जीवन शैली के प्रति जागरूकता को मजबूत करने की आवश्यकता पर प्रकाश डालती है।

नारी अब किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं, हर जिम्मेदारी निभाने में सक्षम : सुनीता अग्रवाल

हैदराबाद, 08 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) । राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265 ए के पास अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महिलाओं ने सेवा कार्य में बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए समाज में नारी शक्ति की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया।कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंद लोगों को भोजन वितरित किया गया और महिला सशक्तिकरण को लेकर विचार व्यक्त किए गए। इस अवसर पर सुनीता अग्रवाल ने कहा कि आज की नारी हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा और क्षमता का परिचय दे रही है। शिक्षा, व्यापार, सामाजिक सेवा, प्रशासन और राजनीति जैसे सभी क्षेत्रों में महिलाएं अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रही हैं। उन्होंने कहा कि आज की महिलाएं आत्मनिर्भर बनकर परिवार के साथ-साथ समाज और देश के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं।सुनीता अग्रवाल ने कहा कि महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए समाज को सकारात्मक सोच अपनानी होगी और उन्हें समान अवसर देने होंगे। जब महिलाएं सशक्त होंगी, तभी समाज और राष्ट्र का समग्र विकास संभव होगा। उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस हमें महिलाओं के सम्मान, अधिकार और उनकी उपलब्धियों को पहचानने का अवसर देता है।इस सेवा कार्यक्रम में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी विशेष रूप से देखने को मिली। सुनीता अग्रवाल, प्रीतिका अग्रवाल, किरण गोयल, शुचि गुप्ता, सुमन अग्रवाल और अनिता नथानी सहित अन्य महिलाओं ने अन्नदान सेवा में भाग लेकर जरूरतमंद लोगों की सेवा की।

कार्यक्रम को सफल बनाने में रामप्रकाश अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, दीपक अग्रवाल, जगन एलाकुर्ती, जयप्रकाश सारड़ा, नंद किशोर अग्रवाल और बिमल किशोर संघी सहित राधे-राधे ग्रुप के कई सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

रंग पंचमी के अवसर पर राष्ट्रपति रोड सिकंदराबाद स्थित सत्यनारायण मंदिर में होली उत्सव में भजन प्रस्तुत करते हुए श्री वैष्णव सत्संग मंडल सुल्तान बाजार एवं मधुर वाणी संस्था एवं मालानी परिवार।

अग्रवाल समाज अत्तापुर शाखा की कार्यकारिणी समिति की मासिक सभा सम्पन्न

हैदराबाद, 08 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। शाखा द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार अग्रवाल समाज अत्तापुर शाखा की कार्यकारिणी समिति की मासिक सभा श्री सत्यनारायण जी फोगला की अध्यक्षता में टीआईएनवाई स्टेप्स स्कूल, अत्तापुर में रविवार, 8 मार्च 2026 को आयोजित हुई।

सभा की शुरुआत में पिछली बैठक में लिए गए निर्णयों की समीक्षा की गई। तय कार्यक्रम के अनुसार श्री गोविंद राज अग्रवाल के सानिध्य में शाखा सदस्यों ने श्री श्याम मित्र मंडल, अत्तापुर और श्री श्याम प्रेमी सत्संग समिति, अत्तापुर द्वारा आयोजित श्री श्याम निशान शोभा यात्रा में भाग लिया। इस अवसर पर श्याम बाबा की पूजा-अर्चना की गई तथा निशान धारकों का पुष्प वर्षा और जलपान के साथ स्वागत किया गया। इसके साथ ही श्री खाटू श्याम परिवार अत्तापुर द्वारा आयोजित श्याम कथा के कथावाचक श्रद्धेय श्री पवन गुरु का सम्मान भी किया गया। सभा में उपस्थित सभी सदस्यों ने इस आयोजन की भूरी-भूरी प्रशंसा करते हुए अनुमोदन किया। साथ ही शाखा की मेंबरशिप ड्राइव जारी रहने की जानकारी दी गई।रविवार की मासिक बैठक के एजेंडा के अनुसार शाखा की आगामी साधारण वार्षिक सभा का आयोजन रविवार, 12 अप्रैल 2026 को प्रातः 10:30 बजे से टाईनी स्टेप्स स्कूल में किया जाएगा। इस कार्यक्रम के प्रबंधन की जिम्मेदारी श्री लोकेश पित्ती और देवेश अग्रवाल को सौंपी गई।बैठक में अत्तापुर महिला समिति द्वारा आयोजित किए जाने वाले गणगौर उत्सव में शाखा द्वारा यथासंभव सहयोग देने का निर्णय लिया गया। इसके अलावा आने वाली गर्मियों में आम जन और राहगीरों को राहत देने के उद्देश्य से तीन माह के लिए निःशुल्क शीतल जलशाला आरंभ करने का भी निर्णय लिया गया। इसके लिए अत्तापुर में उपयुक्त स्थान के चयन और संपूर्ण प्रबंधन की जिम्मेदारी श्री बद्रीप्रसाद जी सरायवाला को दी गई है। इस बैठक में सत्यनारायण जी फोगला, रामअवतार गुप्ता, मनोज गोयल, हनुमान प्रसाद भालवाले, बद्री प्रसाद सरायवाला, अशोक जालान, अंकुर बंसल, संजय गोयल, अभिषेक अग्रवाल, लोकेश पित्ती, देवेश अग्रवाल, हर्षित अग्रवाल, सुनील कुमार संघी आदि उपस्थित थे।

प्रजा पालना-प्रगति प्रणालिका कार्यक्रम के तहत विशेष स्वच्छता अभियान

हैदराबाद, 08 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना सरकार द्वारा शुरू किए गए 'प्रजा पालना-प्रगति प्रणालिका' कार्यक्रम के अंतर्गत मोतीगली स्थित सरकारी होम्योपैथिक अस्पताल और उसके आसपास के क्षेत्रों में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य अस्पताल परिसर और आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखकर मरीजों और आम जनता को साफ-सुथरा माहौल उपलब्ध कराना था।

अभियान के दौरान अस्पताल परिसर से कचरा हटाया गया, चारों ओर सफाई की गई तथा लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। यह विशेष अभियान अस्पताल की अधीक्षक डॉ. पी. लक्ष्मी देवी, एम.डी. (होमियो) के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया, जिसमें डॉक्टरों और कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

कार्यक्रम में शामिल प्रतिभागियों में डॉक्टरों में डॉ. पी. लक्ष्मी देवी, डॉ. ज्योति, डॉ. चि. अरुणा तथा डॉ. पी. राधाकृष्ण मोहन शामिल रहे। वहीं कर्मचारियों में श्रीमती भाग्यलक्ष्मी, श्रीमती नवनीता, श्रीमती वरलक्ष्मी, श्रीमती अनीता और श्री राजेश ने भी अभियान में भाग लिया। इसके अतिरिक्त हाउस सर्जन और जूनियर डॉक्टर भी इस अभियान में शामिल रहे।

अग्रसेन बायो-डाटा कमेटी की बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 08 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिकंदराबाद के पान बाजार स्थित कार्यालय में अग्रसेन बायो-डाटा कमेटी की बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में लोग अपने बच्चों के विवाह हेतु उचित रिश्तों की तलाश के लिए उपस्थित हुए।बैठक के दौरान समिति द्वारा उपस्थित परिवारों को उनकी पसंद और आवश्यकताओं के अनुसार बायो-डाटा दिखाए गए। साथ ही परिवारों को आपसी परिचय और चर्चा का अवसर भी प्रदान किया गया, जिससे उपयुक्त रिश्तों की तलाश में सहूलियत मिल सके।इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से दुर्गा प्रसाद बंसल, पंकज संघी, अरविंद गोयल, शिवराज अग्रवाल, रवि अग्रवाल, कमलकांत, परिक्षित अग्रवाल, विकास अग्रवाल, सुशील श्रॉफ, संतोष तिबरेवाल, पंकज अग्रवाल, नवरतन कनोड़िया, संगीता कनोड़िया, अर्चना, पूजा अग्रवाल तथा संतोष देवी बंसल उपस्थित रहे।

श्री शंखेश्वर भक्ति एवं सेवा मंडल के तत्वाधान में नवकार महामंत्र जाप का आयोजन हैदरगुड़ा स्थित सुखसागर हॉल में श्री तेजराज, कवरलाल, सुमित चौपड़ा परिवार की ओर से संयोजक विजय लुणावत द्वारा सम्पन्न हुआ। अवसर पर मंडल के पदाधिकारी एवं सदस्यगण उपस्थित रहे।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर 'नेस्ट फीटल मेडिसिन सेंटर' का उद्घाटन, उन्नत भ्रूण देखभाल की दिशा में बड़ा कदम

हैदराबाद, 08 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो): अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आज हैदराबाद के जुबली हिल्स स्थित वेस्टेंड मॉल में 'नेस्ट फीटल मेडिसिन सेंटर' का औपचारिक उद्घाटन किया गया। अपनी निदेशक डॉ. अमिता इंदरसेन के नेतृत्व में यह केंद्र विशेष और व्यापक भ्रूण देखभाल (षशींरश्र लरीश) प्रदान करने का लक्ष्य रखता है, जो उन्नत नैदानिक और चिकित्सीय हस्तक्षेपों के माध्यम से अजन्मे बच्चे के स्वास्थ्य और कल्याण पर केंद्रित है।

व्यापक प्रशिक्षण और अंतरराष्ट्रीय अनुभव रखने वाली एक कुशल भ्रूण चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. अमिता, विशेष भ्रूण स्वास्थ्य देखभाल के महत्व और उच्च जोखिम वाली गर्भस्थाओं के प्रबंधन के लिए प्रशिक्षित विशेषज्ञों की आवश्यकता के बारे में बढ़ती जागरूकता का वादा करती हैं।

उद्घाटन समारोह में केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री और सिकंदराबाद के सांसद जी. किशन रेड्डी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस कार्यक्रम में चिकित्सा पेशेवरों, स्वास्थ्य विशेषज्ञों और समुदाय के सदस्यों ने भी भाग लिया, जो शहर में भ्रूण चिकित्सा के लिए एक समर्पित सुविधा के शुभारंभ का जश्न मनाने के लिए एकत्र हुए थे।

कार्यक्रम में बोलते हुए, श्री जी. किशन रेड्डी ने विशिष्ट मातृ और भ्रूण स्वास्थ्य देखभाल सेव-ाओं के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, मैं डॉ. अमिता और उनकी टीम को हार्दिक बधाई देता हूँ क्योंकि नेस्ट फीटल मेडिसिन सेंटर का शुभारंभ हैदराबाद में मातृ और प्रसव पूर्व स्वास्थ्य देखभाल को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस तरह की सुविधाएं यह सुनिश्चित करती हैं कि माँ और बच्चे दोनों को उच्चतम स्तर की चिकित्सा देखभाल मिले, विशेष रूप से उच्च जोखिम वाली गर्भस्थाओं में। महिलाओं और मातृत्व का जश्न मनाने वाले दिन पर, यह पहल सुरक्षित और स्वस्थ गर्भावस्था को प्राथमिकता देने के बारे में एक शक्तिशाली संदेश भेजती है।

सभा को संबोधित करते हुए, डॉ. अमिता इंदरसेन ने केंद्र की स्थापना के पीछे का दृष्टिकोण साझा किया। उन्होंने कहा, भ्रूण चिकित्सा अजन्मे बच्चे पर एक रोगी के रूप में ध्यान केंद्रित करती है और गर्भावस्था के दौरान जटिलताओं का पता लगाने और उनके प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। नेस्ट फीटल मेडिसिन सेंटर के साथ हमारा लक्ष्य उन्नत भ्रूण निदान, स्क्रीनिंग प्रोटोकॉल, परामर्श और चिकित्सीय हस्तक्षेपों को एक छत के नीचे लाना है ताकि हैदराबाद के परिवारों को विश्व स्तरीय भ्रूण देखभाल मिल सके।

भ्रूण चिकित्सा एक उभरती हुई चिकित्सा विशेषता है जो गर्भावस्था के दौरान भ्रूण की विसंगतियों, आनुवंशिक स्थितियों और विकास संबंधी समस्याओं का शीघ्र पता लगाने और प्रबंधन पर केंद्रित है। उन्नत इमेजिंग और नैदानिक तकनीकों की मदद से, प्रशिक्षित विशेषज्ञ संभावित जटिलताओं की जल्दी पहचान कर सकते हैं और कुछ मामलों में जन्म से पहले जीवन रक्षक हस्तक्षेप भी कर सकते हैं।

नेस्ट फीटल मेडिसिन सेंटर में डॉ. इंदरसेन और उनकी टीम भ्रूण विसंगति स्कैन (fetal anomaly scans), भ्रूण इकोकार्डियोग्राफी, भ्रूण न्यूरोसोनोग्राफी, डॉपलर मूल्यांकन, 3डी और 4डी इमेजिंग और आनुवंशिक परामर्श सहित सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करते हैं। केंद्र एम्नियोसेंटेसिस, कोरियोनिक विलस सैंपलिंग, कोर्डोसेंटेसिस, इंट्राuterine ट्रांसफ्यूजन और जटिल गर्भस्थाओं के लिए फिटोस्कोपिक लेजर उपचार सहित उन्नत भ्रूण चिकित्सा प्रक्रियाओं को करने के लिए भी सुसज्जित है।नैदानिक देखभाल के अलावा, केंद्र का उद्देश्य इस क्षेत्र में शैक्षणिक और व्यावसायिक उन्नति में योगदान देना भी है। डॉ. इंदरसेन नियमित रूप से भ्रूण डॉपलर कार्यशालाएं, प्रथम-तिमाही स्क्रीनिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करती हैं और ऑप्टिमाइज़िंग फीटल आउटकम्स नामक एक वार्षिक भ्रूण चिकित्सा सम्मेलन की मेजबानी करती हैं, जो इस तेजी से विकसित हो रही विशेषता में ज्ञान को आगे बढ़ाने के लिए विशेषज्ञों और चिकित्सकों को एक साथ लाता है।

अपनी उन्नत क्षमताओं और समर्पित टीम के साथ, केंद्र का उद्देश्य सुरक्षित गर्भावस्था और माताओं एवं शिशुओं दोनों के लिए बेहतर परिणामों का समर्थन करना है।

नीतीश कुमार के गैरमौजूदगी में निशांत ने जदयू की सदस्यता ग्रहण किए

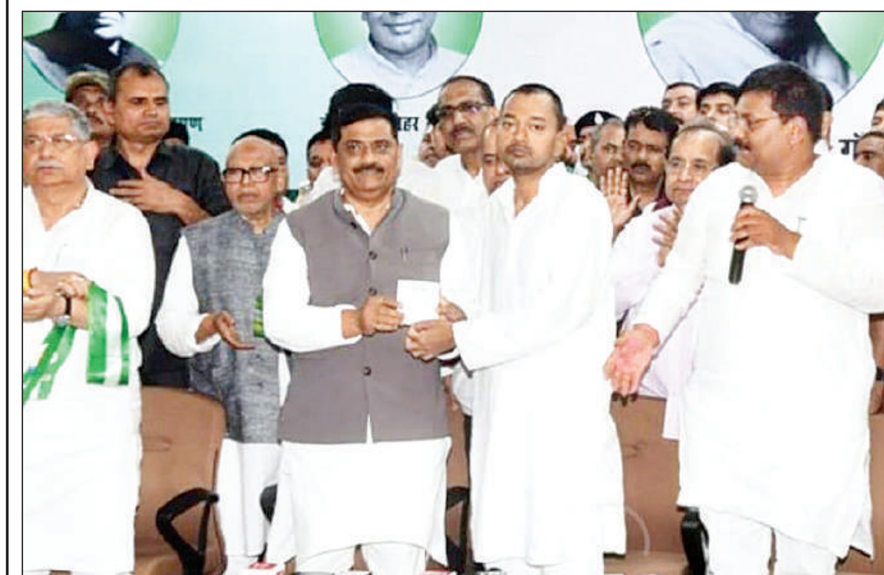

पटना, 08 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।
बिहार के निवर्तमान मुख्यमंत्री और जनता दल यूनाइटेड के प्रमुख नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार आज पटना में जेडीयू में शामिल हो गए। उन्होंने पटना स्थित जदयू के पार्टी कार्यालय में इस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इस दौरान पार्टी के सभी वरिष्ठ नेता मौजूद रहे, जिनमें ललन सिंह, विजय चौधरी, संजय झा, श्रवण कुमार मुख्य हैं। सबसे हैरानी की बात ये है कि बेटे निशांत कुमार के जेडीयू में शामिल होने के दौरान जो कार्यक्रम हुआ, उसमें नीतीश कुमार नहीं आए। ऐसे में प्रदेश में इस बात की सियासत में काफी चर्चा हो रही है। आज निशांत कुमार ने जनता दल (यूनाइटेड) की सदस्यता ले ली है। पटना स्थित जेडीयू कार्यालय में निशांत कुमार ने जदयू की सदस्यता ली है। जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने निशांत कुमार को पार्टी की सदस्यता दिलाई है। सदस्यता ग्रहण करने के बाद निशांत कुमार ने वहां मौजूद जदयू कार्यकर्ताओं और नेताओं को संबोधित भी किया।इस बीच निशांत ने कहा, मैं एक सक्रिय सदस्य के रूप में पार्टी का ख्याल रखने की कोशिश करूंगा। मेरे पिता ने राज्यसभा जाने का निर्णय़ लिया है और मैं उसका सम्मान करता हूं। जनता और पार्टी ने जो मुझपर विश्वास किया है मैं उसपर खरा उतरने की कोशिश करुंगा। पापा ने जो 20 साल में किया उसें मैं जन-जन तक पहुंचाने की कोशिश करूंगा।

मेरा पिताजी ने जो किया है वो सभी को याद रहेगा। इससे पहले इस सदस्यता कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उमेश कुशवाहा ने कहा कि आज के ऐतिहासिक मौके पर युग पुरुष और हम सभी के नेता नीतीश कुमार के पुत्र इंजीनियर निशांत कुमार जदयू की सदस्यता ग्रहण कर रहे हैं। सच तो यह है कि आज सदस्यता ग्रहण करना एक तकनीकि औपचारिकता मात्र है। निशांत कुमार की हर सांस में जदयू पार्टी बसी हुई है। लाखों पार्टी कार्यकर्ताओं की बात सुनकर निशांत ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने का फैसला किया है। जदयू प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा ने यह भी कहा कि निशांत कुमार पार्टी के भविष्य हैं।

कांग्रेस ने केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पूरी का पुतला दहन कर घरेलु गैस मूल्यवृद्धि का विरोध किया

पटना, 08 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।
देशभर में घरेलु गैस के दाम में 60 रुपया तथा कमर्शियल गैस के दाम में 115 रूपया मूल्य वृद्धि के खिलाफ काँग्रेस पार्टी के नेताओं, कार्यकर्ताओं ने गया के स्थानीय टावर चौक पर केन्द्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पूरी का पुतला दहन कर भारी विरोध किया। इस अवसर पर उपस्थित बिहार प्रदेश काँग्रेस कमिटी के प्रदेश प्रतिनिधि सह प्रवक्ता विजय कुमार मिट्ठू, पूर्व विधायक मोहम्मद खान अली, जिला काँग्रेस उपाध्यक्ष बाबूलाल प्रसाद सिंह, राम प्रमोद सिंह, टिंकू गिरी, दामोदर गोस्वामी, शिव कुमार चौरसिया, विपिन बिहारी सिन्हा, विशाल कुमार, धर्मेंद्र कुमार निराला, सुनील कुमार पासवान आदि ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के एक दिन पहले देश के गरीब , मध्यमवर्गीय परिवार के महिलाओं को घरेलू गैस के दाम में 60 रुपया की बढ़ोतरी कर महंगाइ की मार कर उनके आँखों में आंसू देने का काम किया है। इन सभी नेताओं ने कहा कि विगत कई वर्षों से मोदी सरकार अमेरिका के हाथों की कठपुतली बन काम कर रही है, चाहे रूस से कच्चे तेल खरीदने की अनुमति सहित सभी वैश्विक निर्णय अमेरिका के इशारे पर करने पर आज देशवासी प्रधानमंत्री को कॉमपरमाइज पी एम कह रहे हैं। इस बीच नेत-ाओं ने कहा कि शायद एपस्टिन फाइल की डर से केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पूरी इस्तीफा देने के बजाय घरेलु गैस मूल्यवृद्धि कर गरीब मध्यमवर्गीय परिवारो के जले शरीर पर नमक रगड़ने का काम कर रहे हैं। इस संबंध में नेताओं ने केंद्र सरकार से अविलंब घरेलु गैस मूल्यवृद्धि वापस करने की मांग किया है।

अत्तापुर में 135 श्रीश्याम सेवकों का सम्मान

हैदराबाद, 08 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।
हैदराबाद श्री श्याम मित्र मंडल सूरजगढ़ निशान अत्तापुर द्वारा अत्तापुर स्थित मोदी भवन में मंडल के तत्वावधान में आयोजित भव्य श्री श्याम निशान यात्रा में सहयोग करने वाले 135 श्याम सेवकों के सम्मान में एक समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर समारोह के मुख्य अतिथि अग्रवाल समाज तेलंगाना के अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता, श्याम कथा के कथा व्यास महाराज पवन गुरु, बीआरएस अत्तापुर के प्रेसिडेंट वनम श्रीराम रेड्डी तथा मंडल के अध्यक्ष सुरेश कुमार मोदी ने सभी श्याम सेवकों को दुपट्टा ओढ़ाकर, प्रसाद एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर श्रद्धापूर्वक सम्मानित किया।

ज्योत प्रज्वलित कर हुआ समारोह का शुभारंभ

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि अनिरुद्ध गुप्ता, अन्य अतिथियों, मंडल पदाधिकारियों तथा श्याम सेवकों द्वारा बाबा के दरबार में जोत प्रज्वलित कर किया गया। मुख्य अतिथि अनिरुद्ध गुप्ता ने अपने संबोधन में कार्यक्रम की सराहना करते हुए सभी को एक-दूसरे का सहयोग करने और धर्म के नाम पर एकजुट रहने की प्रेरणा दी।

अतिथियों ने व्यक्त किए अपने विचार

इस अवसर पर अतिथि महाराज पवन गुरु, वनम श्रीराम रेड्डी एवं बालू सुब्रमण्यम ने भी अपने विचार व्यक्त किए और मंडल द्वारा किए जा रहे धार्मिक एवं सामाजिक कार्यों की सराहना की। मंडल के पदाधिकारी राजेंद्र अग्रवाल दादरी वाले, नरेंद्र जांगिड़, मालीराम अग्रवाल, श्याम अग्रवाल, सोहनलाल नेहरा, अशोक शर्मा, गिरधारी लाल निठारवाल, बाबूलाल जोशी, मान प्रकाश शर्मा, शशिकांत शर्मा सहित अन्य श्याम सेवकों ने आगंतुक अतिथियों का भावपूर्ण स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन मंडल के संरक्षक एवं यात्रा संयोजक पवन नालपुरिया ने किया।

इन श्याम सेवकों का हुआ सम्मान

मंच पर उपस्थित अतिथि अग्रवाल समाज तेलंगाना के अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता, महाराज पवन गुरु, बीआरएस अत्तापुर के प्रेसिडेंट वनम श्रीराम रेड्डी एवं मंडल के अध्यक्ष सुरेश कुमार मोदी द्वारा जिन श्याम सेवकों का सम्मान किया गया, उनमें प्रमुख रूप से संजय गुप्ता, छोटेलाल चौधरी, सीमा देवी, राधा देवी, सुनीता, बाबूलाल जोशी, बेगराज कुमावत, मनोहर लाल पोद्दार, नारायण दास हेड़ा, प्रकाश भाटी, पुरुषोत्तम कडेल, रितेश अग्रवाल, सत्यनारायण रोईवाल, सत्यनारायण अग्रवाल सूरजगढ़, मनीष शर्मा, संदीप गोयल, गोपाल शर्मा, हर्षित भारद्वाज, सीताराम अग्रवाल, संगीता रीनवा, संजय गुप्ता, अशोक शर्मा, अशोक नापित, बीरबल चौधरी, दिनेश अग्रवाल, दिनेश शर्मा, गोपीचंद शर्मा, हीरालाल, किरण शर्मा, लालचंद अग्रवाल, लक्ष्मी निवास शारदा, नवीन अग्रवाल, नवीन संथालिया, राजेश शर्मा, तेजस्वी नगर, राकेश अग्रवाल, रामेश्वर लाल शर्मा, रवि प्रकाश शर्मा, सत्येंद्र सिंह ठाकुर, शिव प्रकाश शर्मा, सुधीर, राहुल शर्मा, श्याम सुंदर जांगिड़, भंवरलाल रेनवा, शिवरतन प्रजापति, गोपाल जाजू, विष्णु शर्मा, गोपाल मीणा, मनीष अग्रवाल, उमेश नालपुरिया, हरफूल चौधरी, शशिकांत शर्मा, लालचंद शर्मा, हरि सिंह शेखावत, सचिन कुमार मोर, कीर्ति सिंह एडवोकेट, भंवरलाल चाहर, डालूराम, सोहनलाल नेहरा, अशोक जांगिड़, भगवान राम कुमावत, भंवरलाल ठोलिया, दिनेश सोनी, हरि सिंह शेखावत, करण सिंह जोधा, लोकेश पित्ती, महेश शर्मा, मालीराम अग्रवाल, मान प्रकाश शर्मा, नरेंद्र जांगिड़, संतोष अग्रवाल, सत्यनारायण फोगला, विशाल जांगिड़, बाबूलाल शर्मा जियागुड़ा, सतीश अग्रवाल, अंकुश अग्रवाल, राजेश साबू, हर्ष गुप्ता, बजरंग लाल, बृजेश कुमार नालपुरिया, अमित कुमार मोदी, सुभाष सांखला, लालचंद अग्रवाल, हरिकिशन अग्रवाल, मनीष शर्मा शीतला माता, मनोज गोयल, रामअवतार गुप्ता, सुरेश कुमार मोदी, तेजपाल नेहरा, योगेश कुमार जैन, पवन गुरु, छाजूराम मीना, गिरधारी लाल, वनम श्रीराम रेड्डी, तोकला श्रीनिवास, धनराज चौधरी, गोपाल बलदावा, कमल कुमार शर्मा, पवन नालपुरिया, गोविंदराज अग्रवाल, विकास अग्रवाल, राजेश स्वामी, पंकज गौड़, संतोष चौधरी, सतीश स्वामी, विजय कुमार जांगिड़, छोटेलाल, मुरारी लाल, वीवीए-सआर अंजनैयुलू, मुकेश कुमार दादरी वाले, अशोक शर्मा भरत नगर, मूलचंद शर्मा, पन्नालाल शर्मा, सुरेश गांधी, श्याम तिवारी, बजरंग लाल भाटी, श्रीकांत मित्तल, अभिषेक अग्रवाल, आशीष अग्रवाल, राजेश कुमार सरावगी, राम अग्रवाल, श्याम अग्रवाल, सुनील कुमार भूत, बालू सुब्रमण्यम, मुरारी लाल शर्मा, नवीन जांगिड़, प्रेमराज चौधरी, राजेंद्र अग्रवाल दादरी वाले, रामप्रसाद रेनवा, संदीप कुमार शर्मा, संगीता रितेश अग्रवाल भालवाले, राजन शर्मा, रिपोर्टर श्रीकांत लालनाथ सिद्ध, छोटेलाल पुरी, सुनील सरवन, राजन सहित अन्य श्याम सेवकों का सम्मान किया गया।

राधे-राधे ग्रुप का अन्नदान कार्यक्रम सम्पन्न

हैदराबाद, 08 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) । राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में रंग पंचमी के पावन अवसर पर इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने स्थित केबीआर पार्क पर अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जरूरतमंद लोगों को भोजन वितरित कर सेवा और सद्भाव का संदेश दिया गया।

ग्रुप के सदस्यों ने बताया कि रंग पंचमी का पर्व केवल रंगों का उत्सव ही नहीं बल्कि समाज में प्रेम, भाईचारा और सहयोग की भावना को बढ़ाने का भी प्रतीक है।

इसी उद्देश्य के साथ राधे-राधे ग्रुप द्वारा जरूरतमंद लोगों के बीच अन्नदान किया गया, जिससे उनके चेहरों पर मुस्कान देखने को मिली।

कार्यक्रम में मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, हरीश टोलाराम हिंदूजा, जयप्रकाश सारडा सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्यों ने सक्रिय रूप से भाग लेकर सेवा कार्य में योगदान दिया।

राजस्थानी उत्सव फाउंडेशन के महा तंबोला कार्यक्रम के पत्र का लोकार्पण

हैदराबाद, 08 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।
रविवार, 8 मार्च 2026 को सायं घांसी बाजार स्थित निर्मल ज्योतिष कार्यालय में राजस्थानी उत्सव फाउंडेशन द्वारा आगामी रविवार दि. 15 मार्च 2026 को श्रृंग ऋषि भवन में आयोजित होने वाले महातम्बोला कार्यक्रम के पत्र का लोकार्पण पं. पुरुषोत्तम लाला द्वारा किया गया।

इस अवसर पर उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों ने आगामी 15 मार्च को होने वाले महा तंबोला कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि यह आयोजन श्रृंग ऋषि भवन में आयोजित किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में समाजबंधुओं के भाग लेने की उम्मीद है। इस अवसर पर रामदेव नागला, अनिल जायलवाल, भगवान दास कौशिक, विशेष शर्मा व संदीप जायलवाल सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने किया नवनिर्मित बम-रुक्न-उद-दौला टैंक का उद्घाटन

हैदराबाद की विरासत को बहाल करने का लिया संकल्प

हैदराबाद, 08 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने रविवार शाम शिवरामपल्ली में नवनिर्मित बम-रुक्न-उद-दौला टैंक का भव्य उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने घोषणा की कि राज्य सरकार हैदराबाद के बुनियादी ढांचे और पर्यावरण में सुधार के लिए प्रजापालन प्रगति प्रणालिका (जन शासन और प्रगति योजना) के तहत 99 दिवसीय कार्य योजना लागू कर रही है।

जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार पहले ही 'हिमायत सागर इको पार्क' जैसी परियोजनाएं शुरू कर चुकी है और शहर में प्रदूषण मुक्त वातावरण बनाने की दिशा में काम कर रही है। उन्होंने चिंता जताते हुए कहा कि हैदराबाद कभी देश के शीर्ष शहरों में शुमार था, लेकिन अब यह कचरे और अतिक्रमण जैसी समस्याओं का सामना कर रहा है, जिन्हें दूर करने के लिए सरकार पूरी तरह दृढ़ संकल्पित है।

रेवंत रेड्डी ने पुराने शहर (ओल्ड सिटी) के समृद्ध इतिहास पर प्रकाश डालते हुए कहा कि चारमीनार, गोलकुंडा किला,

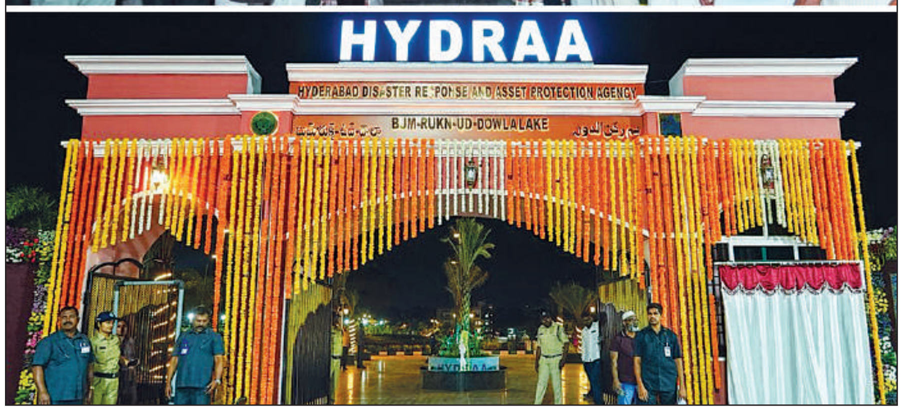

उस्मानिया जनरल अस्पताल और फलकनुमा पैलेस जैसे प्रतिष्ठित स्थल निजाम काल के दौरान बनाए गए थे, जिनका संरक्षण अनिवार्य है। मुख्यमंत्री ने बताया कि सरकार ने पुराने शहर में सड़क विस्तार और मेट्रो रेल विकास के लिए जमीन अधिग्रहित कर ली है। साथ ही, उस्मानिया अस्पताल के पुनर्निर्माण की योजना भी बनाई जा रही है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी विकास कार्यों में सरकार के साथ सहयोग कर रहे हैं।शहर के जलाशयों पर हुए अतिक्रमण का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हैदराबाद के तालाबों, नहरों और पार्कों को पुनर्जीवित किया जा रहा है। उन्होंने 'बतुकम्मा कुंटा' का उदाहरण दिया, जहाँ अतिक्रमण हटाकर झील को जनता के लिए बहाल किया गया है। सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, विशेष रूप से झीलों पर आने वाली महिलाओं की सुरक्षा हेतु लेक पुलिसिंग शुरू की जाएगी। इसके अलावा, स्थानीय आजीविका को बढ़ावा देने के लिए झीलों के पास महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा संचालित स्टॉल भी स्थापित किए जाएंगे।

मूसी नदी पुनर्जीवन परियोजना का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार मूसी रिवरफ्रंट विकसित करने और नदी के किनारे 'नाइट बाज़ार' शुरू करने की योजना बना रही है। इससे देर रात तक व्यावसायिक गतिविधियां चल सकेंगी और पुराने शहर के युवाओं के लिए रोजगार पैदा होगा। उन्होंने आश्वासन दिया कि यदि परियोजना के दौरान गरीबों के घर प्रभावित होते हैं, तो सरकार उन्हें वैकल्पिक आवास बना कर देगी। उन्होंने जनता से शहर की विरासत और पर्यावरण की रक्षा में सहयोग की अपील की।

इस अवसर पर हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी और अनिल कुमार यादव, बहादुरपुरा विधायक मोहम्मद मुबीन, एमएलसी मिर्जा रहमत बेग और हाइड्रा (क्ध्रूठअ) कमिश्नर रंगनाथ उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने विधान परिषद के नवनिर्मित भवन का किया उद्घाटन

हैदराबाद, 08 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने रविवार को हैदराबाद स्थित विधानसभा परिसर में नवनिर्मित (रिनोवेटेड) विधान परिषद भवन का औपचारिक उद्घाटन किया। इस अवसर पर एक भव्य उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया, जिसमें राज्य की विधायी परंपराओं और आधुनिक बुनियादी ढांचे के संगम को दर्शाया गया।इस ऐतिहासिक उद्घाटन समारोह में विधान परिषद के अध्यक्ष गुट्टा सुखेंदर

रेड्डी, विधानसभा अध्यक्ष गद्दाम प्रसाद कुमार और विधान परिषद के उपाध्यक्ष बंडा प्रकाश विशेष रूप से उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने अन्य अतिथियों के साथ नवनिर्मित भवन का निरीक्षण किया और वहां उपलब्ध कराई गई आधुनिक सुविधाओं की सराहना की।कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क मल्लू के साथ कैबिनेट मंत्रियों की एक बड़ी शृंखला शामिल हुई, जिनमें डी. श्रीधर बाबू, मोहम्मद अज-हरुद्दीन, दामोदर राजा नरसिम्हा, जुपल्ली कृष्णा राव, विवेक वेंकटस्वामी, कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी और पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी प्रमुख थे।समारोह में सरकार के सलाहकार, सरकारी व्हिप, विधान परिषद के सदस्य, विधानसभा सदस्य और विधानसभा के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए। यह नवनिर्मित भवन अब राज्य की विधायी चर्चाओं और महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णयों के लिए एक आधुनिक और सुसज्जित केंद्र के रूप में कार्य करेगा।

बधर माता परिवार की पुस्तिका प्रकाशन का कार्य प्रगतिपथ पर

हैदराबाद, 08 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।
कुलदेवी बधर माता परिवार के सोमानी, मर्दा, छापरवाल, मक्कड़, बागड़ी सहित 14 अन्य माहेश्वरी खापों के तेलंगाना और आंध्रप्रदेश में निवास करने वाले परिवारों की पारिवारिक जानकारी संकलित कर डायरी प्रकाशन करने का निर्णय बधर माता माहेश्वरी सेवा समिति द्वारा लिया गया है। यह कार्य वर्तमान में प्रगति पथ पर है। यह जानकारी समिति के सचिव गोविंद सोमानी ने दी।रविवार को काचीगुड़ा स्थित होटल पतंग में आयोजित बधर माता माहेश्वरी सेवा समिति की मासिक बैठक में इस विषय पर चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता समिति के उपाध्यक्ष रमेश मर्दा ने की। इस अवसर पर कमल मर्दा और विष्णु मर्दा ने कहा कि यह एक असाधारण कार्य है, जिसमें परिवारों को स्वेच्छा से आगे आकर ऑनलाइन फॉर्म भरकर अपनी जानकारी उपलब्ध करानी होगी। समिति ने फॉर्म को अत्यंत सरल बनाया है, जिसे स्कैन कर आसानी से भरा जा सकता है।

सहसचिव हनुमान सोमानी ने बताया कि परिवारों से फोन के माध्यम से भी संपर्क किया जा रहा है। वहीं कोषाध्यक्ष शाम सुंदर सोमानी ने जानकारी दी कि इस डायरी में केवल परिवारों की जानकारी ही नहीं, बल्कि माहेश्वरी समाज की संस्कृति से जुड़े तीज-त्योहारों, विवाह के रीति-रिवाजों और परंपराओं की जानकारी भी समाज के वरिष्ठ सदस्यों से प्राप्त कर प्रकाशित की जाएगी।

समिति ने बताया कि इस अमूल्य डायरी में किसी भी परिवार की जानकारी छूटे नहीं, इसके लिए वाट्सऐप, मौखिक संपर्क तथा समाचार पत्रों के माध्यम से जानकारी प्रसारित की जा रही है। समिति ने सभी समाजबंधुओं से आग्रह किया है कि वे स्वयं आगे आकर ऑनलाइन फॉर्म भरें - https://forms.gle/yikcgCb3qdqrjuyx7

बैठक में रमेश मर्दा, गोविंद सोमानी, शाम सुंदर सोमानी, हनुमान सोमानी, राजगोपाल मर्दा, कमल मर्दा, पुरुषोत्तम सोमानी (झंडावाला), राधेश्याम सोमानी, रामगोपाल मर्दा, सुरेश सोमानी, सुनील सोमानी तथा विष्णु मर्दा उपस्थित थे।

आरपीएफ हैदराबाद मंडल द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर सप्ताह भर चलने वाले अभियान का शुभारंभ

हैदराबाद, 08 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो):
अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के गरिमामयी अवसर पर, दक्षिण मध्य रेलवे के रेलवे सुरक्षा बल, हैदराबाद मंडल ने एक सप्ताह तक चलने वाले लिंग संवेदीकरण और सामुदायिक आउटरीच अभियान की शुरुआत की है। 08 मार्च 2026 से 14.03.2026 तक चलने वाले इस अभियान का मुख्य उद्देश्य रेलवे परिसरों में महिलाओं के लिए सुरक्षित, सम्मानजनक और समावेशी आवाजाही के संदेश को सुदृढ़ करना है।

यह पहल देबस्मिता सी. बनर्जी (वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त, आरपीएफ/हैदराबाद) के नेतृत्व में संचालित की जा रही है। इसका लक्ष्य सामुदायिक भागीदारी को जेंडर रिस्पॉन्सिव पुलिसिंग (लिंग-संवेदनशील सुरक्षा) के साथ जोड़ना है, ताकि यात्रियों और रेलवे के अन्य हितधारकों को सार्वजनिक परिवहन में सम्मानजनक और उत्पीड़न-मुक्त वातावरण बनाने के लिए सक्रिय रूप से योगदान देने हेतु प्रोत्साहित किया जा सके।

लोक भवन के अधिकारियों और कर्मचारियों ने निवर्तमान राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा को दी भावभीनी विदाई

हैदराबाद, 08 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) ।
हैदराबाद स्थित लोक भवन के अधिकारियों और कर्मचारियों ने रविवार को एक विशेष विदाई समारोह का आयोजन किया। यह समारोह जिष्णु देव वर्मा के सम्मान में आयोजित किया गया था, जो जल्द ही महाराष्ट्र के राज्यपाल के रूप में अपना नया कार्यभार संभालने जा रहे हैं।

लोक भवन में आयोजित इस गरिमामयी विदाई समारोह के दौरान निवर्तमान राज्यपाल ने उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की। उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान मिले निरंतर सहयोग और समर्थन के लिए सभी के प्रति अपनी गहरी प्रशंसा व्यक्त की।

जिष्णु देव वर्मा ने लोक भवन की टीम को उनकी कर्तव्यनिष्ठा और राज्यपाल के रूप में उनकी जिम्मेदारियों के निर्वहन में प्रदान की गई सहायता के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने प्रत्येक विभाग के योगदान को सराहते हुए कहा कि सामूहिक प्रयासों से ही राजभवन के कार्यों को सुचारू रूप से संचालित किया जा सका।

मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी और राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने रविवार को लोक भवन में तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा से शिष्टाचार भेंट की। इस औपचारिक मुलाकात के दौरान, मुख्यमंत्री और राजस्व मंत्री ने राज्यपाल को महाराष्ट्र के राज्यपाल के रूप में मनोनीत किए जाने पर हार्दिक बधाई दी। उन्होंने जिष्णु देव वर्मा को फूलों का गुलदस्ता भेंट किया और उनके आगामी नए कार्यकाल के लिए अपनी शुभकामनाएं व्यक्त कीं।

प्रजा भवन में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का भव्य आयोजन

मुख्यमंत्री रेवंत ने महिला सशक्तिकरण की पहलों को रेखांकित किया

हैदराबाद, 08 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना सरकार के तत्वावधान में रविवार को प्रजा भवन में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि तेलंगाना राज्य का गठन सोनिया गांधी की प्रेरणा से हुआ है। उन्होंने महिलाओं को अधिक पहचान और अवसर सुनिश्चित करने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई और बताया कि महिलाओं को कलेक्टर, एसपी और महत्वपूर्ण विभागों के प्रमुख जैसे प्रमुख पदों पर नियुक्त किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने सरकार द्वारा उठाए गए कल्याणकारी कदमों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा शुरू की गई है। साथ ही, महिला स्वयं सहायता समूहों को 1,000 आरटीसी बसों और 1,000 मेगावाट के सौर ऊर्जा संयंत्रों का मालिक बनने के योग्य बनाया गया है। उन्होंने बताया कि स्वयं सहायता समूहों द्वारा बनाए गए उत्पादों के विपणन के लिए अमेज़न के साथ समझौता किया गया है, जबकि महिला उद्यमियों को बढ़ावा देने के लिए हाईटेक सिटी के पास 150 स्टॉल स्थापित किए गए हैं। रेवंत रेड्डी ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य 2047 तक तेलंगाना को 3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था में बदलना है और वर्तमान 200 बिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था को अगले आठ वर्षों में बढ़ाने के लिए काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हैदराबाद को न्यूयॉर्क और टोक्यो जैसे वैश्विक शहरों के साथ प्रतिस्पर्धा करने के योग्य बनाया जा रहा है। इस योजना के तहत रेड और ऑरेंज श्रेणी के उद्योगों को आउटर रिंग रोड के बाहर स्थानांतरित किया जाएगा। साथ ही, दिसंबर तक 2,500 डीजल आरटीसी बसों को इलेक्ट्रिक बसों से बदल दिया जाएगा। इलेक्ट्रिक वाहनों पर जीरो टैक्स की सुविधा दी गई है और जल्द ही कॉलेज की छात्राओं को इलेक्ट्रिक स्कूटर प्रदान किए जाएंगे।

मूसी रिवरफ्रंट के विकास पर चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि विस्थापित परिवारों को उचित सहायता दी जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि नदी के 50 मीटर बफर जोन के भीतर निर्माण का कोई कानूनी मूल्य नहीं है। उन्होंने घोषणा की कि 13 तारीख को मूसी रिवरफ्रंट प्रोजेक्ट पर एक पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन दिया जाएगा और गांधी विज्ञान केंद्र की स्थापना के लिए 200 करोड़ रुपये का प्रस्ताव है। इसके अलावा, उन्होंने सोशल मीडिया पर भ्रामक विमर्श के खिलाफ शिकायत मंच बनाने और 'फ्यूचर सिटी' में पत्रकारों के लिए एक समर्पित कॉलोनी विकसित करने का आश्वासन भी दिया।

इस कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क मल्लू, सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर, अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री मोहम्मद अजहरुद्दीन, सांसद वेम नरेंद्र रेड्डी और अनिल कुमार यादव, मीडिया अकादमी के अध्यक्ष के. श्रीनिवास रेड्डी सहित बड़ी संख्या में महिला पत्रकार उपस्थित थीं।

महिला दिवस पर सेवा और स्वास्थ्य का संगम राधे-राधे ग्रुप ने बांटी मुफ्त दवाइयां

हैदराबाद, 08 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।
अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर खैरताबाद स्थित विश्वेश्वरैया भवन में आरजे इंस्पिरेशन हैंड्स द्वारा भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संस्था की संस्थापक एवं चेयरपर्सन उमा कार्तिक के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में महिलाओं के स्वास्थ्य और जागरूकता को ध्यान में रखते हुए विशाल निशुल्क मेडिकल कैंप लगाया गया, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं और नागरिकों ने भाग लेकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया।

मेडिकल कैंप में जनरल, ऑर्थो, आई और डेंटल से संबंधित निशुल्क जांच की सुविधा उपलब्ध कराई गई। इसके साथ ही डीडीएच रेनोवा हॉस्पिटल की ओर से महिलाओं के लिए विशेष कैंसर स्क्रीनिंग की व्यवस्था की गई, जिससे कई महिलाओं को समय रहते स्वास्थ्य संबंधी जांच और परामर्श प्राप्त हुआ।

इस सेवा कार्य में राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए गोयल फार्मा, सुल्तान बाजार और गोयल ड्रग्स, बेगमपेट के सहयोग से जरूरतमंद मरीजों को निशुल्क दवाइयों का वितरण किया। राधे-राधे ग्रुप की इस सेवा भावना की उपस्थित लोगों ने सराहना की।

कार्यक्रम में गोयल टीम के सदस्य राम प्रकाश अग्रवाल, महावीर बोहरा, विजय शांति और गंजि मधु ने भी सेवा कार्य में सक्रिय सहयोग दिया। इस अवसर पर पायडी सुचरिता रेड्डी, डॉ. सिद्दी स्वाति, रतन कृष्णमूर्ति, स्वर्णलता वद्दिराजु और चंदन श्रीधर सहित कई गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि महिला सशक्तिकरण और उनके स्वास्थ्य की सुरक्षा समाज की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। महिला दिवस के अवसर पर आयोजित यह सेवा और स्वास्थ्य का संगम समाज में सेवा, सहयोग और जागरूकता का प्रेरणादायक संदेश देता है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.